



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सर्वप्रथम से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

11

सं० 38]
No. 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 17, 1994/भाद्र 26, 1916
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1994/BHADRA 26, 1916

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government
of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1994

का. आ. 2302.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620क की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इंडियन मैम्बर्स बेनिफिट फंड लिमिटेड को, जिसका रजिस्ट्री-कृत कार्यालय तमिलनाडु राज्य में "अल्मा आर्कैड" (भूतल) प्लॉट सं. 104, सं. 9, बी ब्लॉक, II एवेन्यू, अन्ना नगर, पूर्वी मद्रास-600102 में है, एक निधि घोषित करती है और यह निर्देश देती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 978 तारीख 28, मई, 1963 की अनुसूची 3 के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त निधि को लागू नहीं होंगे या, यथास्थिति, उसके स्तंभ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट

अपवादों, उपांतरणों और अनुकूलनों सहित लागू होंगे और उक्त अधिसूचना का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में, मद 145 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

"146 इंडियन मैम्बर्स बेनिफिट फंड लिमिटेड, मद्रास"।

[फा. सं. 37/8/92 - बी. एल. III]

धर्मपाल, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल अधिसूचना सा. का. नि. संख्या 978, दिनांक 28 मई, 1963 को अधिसूचित की गई थी और तदन्तर यथासंशोधित की गई :

1. सा. का. नि. सं. 1681 दिनांक 11-10-63
2. सा. का. नि. सं. 853 दिनांक 4-6-64
3. सा. का. नि. सं. 297 दिनांक 12-2-65
4. सा. का. नि. सं. 1332 दिनांक 30-8-65
5. सा. का. नि. सं. 111 दिनांक 14-1-66
6. सा. का. नि. सं. 1543 दिनांक 1-10-66

7. सा. का. नि. सं. 607 दिनांक 29-4-67
8. सा. का. नि. सं. 608 दिनांक 29-4-67
9. सा. का. नि. सं. 1466 दिनांक 6-6-69
10. सा. का. नि. सं. 2707 दिनांक 18-11-69
11. सा. का. नि. सं. 1306 दिनांक 27-7-71
12. सा. का. नि. सं. 1 दिनांक 21-12-73
13. सा. का. नि. सं. 690 दिनांक 22-6-74
14. सा. का. नि. सं. 275 दिनांक 1-4-75
15. सा. का. नि. सं. 409 दिनांक 29-3-75
16. सा. का. नि. सं. 1300 दिनांक 11-9-76
17. सा. का. नि. सं. 426 दिनांक 8-3-78
18. सा. का. नि. सं. 728 दिनांक 28-4-78
19. सा. का. नि. सं. 1296 दिनांक 4-10-79
20. सा. का. नि. सं. 1100 दिनांक 9-10-80
21. सा. का. नि. सं. 1099 दिनांक 9-10-80
22. सा. का. नि. सं. 164 दिनांक 10-2-83
23. सा. का. नि. सं. 843 दिनांक 19-11-83
24. सा. का. नि. सं. 844 दिनांक 19-11-83
25. सा. का. नि. सं. 217 दिनांक 25-2-84
26. सा. का. नि. सं. 231 दिनांक 20-2-85
27. सा. का. नि. सं. 21 दिनांक 24-12-85
28. सा. का. नि. सं. 275 दिनांक 3-3-86
29. सा. का. नि. सं. 306 दिनांक 11-4-86
30. सा. का. नि. सं. 70 दिनांक 22-6-86
31. सा. का. नि. सं. 961 दिनांक 24-10-86
32. सा. का. नि. सं. 353 दिनांक 22-4-87
33. सा. का. नि. सं. 365 दिनांक 22-4-87
34. सा. का. नि. सं. 430 दिनांक 20-5-87
35. सा. का. नि. सं. 598 दिनांक 31-7-87
36. सा. का. नि. सं. 597 दिनांक 31-7-87
37. सा. का. नि. सं. 921 दिनांक 30-11-87
38. सा. का. नि. सं. 922 दिनांक 3-12-87
39. सा. का. नि. सं. 264 दिनांक 5-4-88
40. सा. का. नि. सं. 479 दिनांक 18-6-88
41. सा. का. नि. सं. 515 दिनांक 25-6-88
42. सा. का. नि. सं. 597 दिनांक 16-7-88
43. सा. का. नि. सं. 596 दिनांक 15-7-88
44. सा. का. नि. सं. 598 दिनांक 15-7-88
45. सा. का. नि. सं. 800 दिनांक 22-9-88
46. सा. का. नि. सं. 961 दिनांक 17-12-88
47. सा. का. नि. सं. 32 दिनांक 6-12-88
48. सा. का. नि. सं. 959 दिनांक 17-12-88
49. सा. का. नि. सं. 960 दिनांक 17-12-88
50. सा. का. नि. सं. 318 दिनांक 6-5-89
51. सा. का. नि. सं. 501 दिनांक 22-7-89
52. सा. का. नि. सं. 502 दिनांक 22-7-89
53. सा. का. नि. सं. 649 दिनांक 22-8-89
54. सा. का. नि. सं. 650 दिनांक 22-8-89
55. सा. का. नि. सं. 651 दिनांक 22-8-89

56. सा. का. नि. सं. 244 दिनांक 25-10-89
57. सा. का. नि. सं. 102 दिनांक 5-2-90
58. सा. का. नि. सं. 241 दिनांक 29-3-90
59. सा. का. नि. सं. 302 दिनांक 16-4-90
60. सा. का. नि. सं. 303 दिनांक 10-5-90
61. सा. का. नि. सं. 514 दिनांक 30-7-90
62. सा. का. नि. सं. 515 दिनांक 7-8-90
63. सा. का. नि. सं. 3052 दिनांक 7-10-90
64. सा. का. नि. सं. 782 दिनांक 13-12-90
65. सा. का. नि. सं. 783 दिनांक 13-12-90
66. सा. का. नि. सं. 784 दिनांक 13-12-90
67. सा. का. नि. सं. 314 दिनांक 30-4-91
68. (122) सा. का. नि. सं. 2146 दिनांक 26-7-91
69. (123) सा. का. नि. सं. 123 दिनांक 30-12-92
70. (124 से 131) सा. का. नि. सं. 163 दिनांक 18-3-93
71. (132 से 134) सा. का. नि. सं. 272 दिनांक 12-5-93
72. (135 से 137) सा. का. नि. सं. 291 दिनांक 27-5-93
73. (138 से 141) सा. का. नि. सं. दिनांक
74. (142) सा. का. नि. सं. 292 दिनांक 27-5-93
75. (143) सा. का. नि. सं. दिनांक
76. (144) सा. का. नि. सं. दिनांक
77. (145) सा. का. नि. सं. दिनांक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 16th August, 1994

S.O. 2302.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares the Indian Members Benefit Fund Limited having its registered office at "ALSA ARCADE" (Ground Floor) Plot No. 104, No. 9 B Block, 11 Avenue, Anna Nagar, East Madras-600102 in the State of Tamil Nadu to be a Nidhi, and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III annexed to the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administration) No. G.S.R. 978 dated the 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry in column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely :—

In Schedule I to the said notification, after item 145 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely :—“146. Indian Members Benefit Fund Limited, Madras.”

[F. No. 37/8/92-CL.III]

DHARAM PAL, Under Secy.

Note :—The Principal Notification was notified vide G.S.R. No. 978 dated 29th May, 1963 and subsequently amended vide :—

1. GSR No. 1691 dated 11-10-1963
2. GSR No. 853 dated 4-6-64
3. GSR No. 297 dated 12-8-65
4. GSR No. 1332 dated 30-8-65
5. GSR No. 111 dated 14-1-66

6. GSR No. 1543 dated 1-10-66
7. GSR No. 607 dated 29-4-67
8. GSR No. 608 dated 29-4-67
9. GSR No. 1466 dated 6-6-69
10. GSR 2707 dated 18-11-69
11. GSR No. 1306 dated 27-7-71
12. GSR No. 1 dated 21-12-73.
13. GSR No. 690 dated 22-6-74
14. GSR No. 275 dated 14-2-75
15. GSR No. 409 dated 29-3-75
16. GSR No. 1300 dated 11-9-76
17. GSR No. 426 dated 8-3-78
18. GSR No. 728 dated 28-4-78
19. GSR No. 1296 dated 4-10-79
20. GSR No. 1100 dated 9-10-80
21. GSR No. 1099 dated 9-10-80
22. GSR No. 164 dated 10-2-83
23. GSR No. 843 dated 19-11-83
24. GSR No. 844 dated 19-11-83
25. GSR No. 217 dated 25-2-84
26. GSR No. 231 dated 20-2-85
27. GSR No. 21 dated 24-2-85
28. GSR No. 275 dated 3-3-86
29. GSR No. 306 dated 11-4-86
30. GSR No. 70 dated 22-6-86
31. GSR No. 961 dated 24-10-86
32. GSR No. 353 dated 22-4-87
33. GSR No. 365 dated 22-4-87
34. GSR No. 430 dated 20-5-87
35. GSR No. 598 dated 31-7-87
36. GSR No. 597 dated 31-7-87
37. GSR No. 921, dated 30-11-87
38. GSR No. 922 dated 3-12-87
39. GSR No. 264 dated 5-4-88
40. GSR No. 479 dated 18-6-88
41. GSR No. 515 dated 25-6-88
42. GSR No. 597 dated 15-7-88
43. GSR No. 596 dated 15-7-88
44. GSR No. 598 dated 15-7-88
45. GSR No. 800 dated 22-9-88
46. GSR No. 961 dated 17-12-88
47. GSR No. 32 dated 6-12-88
48. GSR No. 959 dated 17-12-88
49. GSR No. 960 dated 17-12-88
50. GSR No. 318 dated 6-5-89
51. GSR No. 501 dated 22-7-89
52. GSR No. 502 dated 22-7-89
53. GSR No. 649 dated 22-8-89
54. GSR No. 650 dated 22-8-89
55. GSR No. 651 dated 22-8-89
56. GSR No. 244 dated 25-10-89
57. GSR No. 102 dated 5-2-90
58. GSR No. 241 dated 29-3-90
59. GSR No. 302 dated 16-4-90
60. GSR No. 303 dated 10-5-90
61. GSR No. 514 dated 30-7-90

62. GSR No. 515 dated 7-8-90
63. GSR No. 3052 dated 7-10-90
64. GSR No. 782 dated 13-12-90
65. GSR No. 783, dated 13-12-90
66. GSR No. 784, dated 13-12-90
67. GSR No. 314 dated 30-4-91
68. GSR No. 2146 dated 26-7-91
69. GSR No. 123 dated 30-12-92
70. GSR No. 163 dated 18-3-93
71. GSR No. 272 dated 12-5-93
72. GSR No. 291 dated 27-5-93
73. GSR No. dated
74. GSR No. 292 dated 27-5-93
75. (143) GSR No. , dated
76. (144) GSR No. , dated
77. (145) GSR No. , dated

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1994

का. आ. 2033.—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620क की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अयोध्या बेनिफिट फंड लिमिटेड को, और जितका रजिस्ट्री-कृत कार्यालय तमिलनाडु राज्य में 57, आर्य गौडर रोड, पश्चिमी मनबालम, मद्रास - 600033 में है, एक निधि घोषित करती है और यह निदेश देती है कि भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 978 तारीख 28 मई, 1963 से उपाबद्ध अनुसूची 3 के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त, अधिनियम के उपबन्ध उक्त निधि को लागू नहीं होंगे तथा यथास्थिति, उसके स्तंभ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अपवादों, उपांतरणों और अनुकूलनों सहित लागू होंगे और उक्त अधिसूचना का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में मद 148 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात :—

“149 अयोध्या बेनिफिट फंड लिमिटेड, मद्रास”।

[फा. सं. 37/3/91-सी एल-3]

धर्मपाल, अव्वर सचिव

टिप्पणी :—मूल अधिसूचना सांकांनि० संख्या 978, दिनांक 28 मई, 1963 को अधिसूचित की गई थी और तदनसार यथासंशोधित की गई :—

1. सांकांनि० सं० 1681 दिनांक 11-10-63
2. सांकांनि० सं० 853 दिनांक 4-6-64
3. सांकांनि० सं० 297 दिनांक 12-2-65
4. सांकांनि० सं० 1332 दिनांक 30-8-65
5. सांकांनि० सं० 111 दिनांक 14-1-66
6. सांकांनि० सं० 1543 दिनांक 1-10-66

7. सांकांनि सं 607 दिनांक 29-4-67
8. सांकांनि सं 608 दिनांक 29-4-67
9. सांकांनि सं 1461 दिनांक 6-5-69
10. सांकांनि सं 2707 दिनांक 18-11-69
11. सांकांनि सं 1306 दिनांक 27-7-71
12. सांकांनि सं 1 दिनांक 21-12-73
13. सांकांनि सं 690 दिनांक 22-6-74
14. सांकांनि सं 275 दिनांक 14-2-75
15. सांकांनि सं 409 दिनांक 29-3-75
16. सांकांनि सं 1300 दिनांक 11-9-76
17. सांकांनि सं 426 दिनांक 8-3-78
18. सांकांनि सं 728 दिनांक 28-4-78
19. सांकांनि सं 1296 दिनांक 4-10-79
20. सांकांनि सं 1100 दिनांक 9-10-80
21. सांकांनि सं 1099 दिनांक 9-10-80
22. सांकांनि सं 164 दिनांक 10-2-83
23. सांकांनि सं 843 दिनांक 19-11-83
24. सांकांनि सं 844 दिनांक 19-11-83
25. सांकांनि सं 217 दिनांक 25-2-84
26. सांकांनि सं 231 दिनांक 20-2-85
27. सांकांनि सं 21 दिनांक 21-12-85
28. सांकांनि सं 275 दिनांक 3-3-86
29. सांकांनि सं 306 दिनांक 11-4-80
30. सांकांनि सं 70 दिनांक 22-6-80
31. सांकांनि सं 961 दिनांक 24-10-86
32. सांकांनि सं 353 दिनांक 22-4-87
33. सांकांनि सं 365 दिनांक 22-4-87
34. सांकांनि सं 430 दिनांक 20-5-87
35. सांकांनि सं 593 दिनांक 31-7-87
36. सांकांनि सं 597 दिनांक 31-7-87
37. सांकांनि सं 921 दिनांक 30-11-87
38. सांकांनि सं 922 दिनांक 3-12-87
39. सांकांनि सं 264 दिनांक 5-4-88
40. सांकांनि सं 479 दिनांक 18-6-88
41. सांकांनि सं 515 दिनांक 25-7-88
42. सांकांनि सं 597 दिनांक 15-7-88
43. सांकांनि सं 596 दिनांक 15-7-88
44. सांकांनि सं 598 दिनांक 15-7-88
45. सांकांनि सं 800 दिनांक 22-9-88
46. सांकांनि सं 961 दिनांक 17-12-88
47. सांकांनि सं 32 दिनांक 6-12-88
48. सांकांनि सं 959 दिनांक 17-12-88
49. सांकांनि सं 960 दिनांक 17-12-88
50. सांकांनि सं 318 दिनांक 6-5-89
51. सांकांनि सं 501 दिनांक 22-7-89
52. सांकांनि सं 502 दिनांक 22-7-89
53. सांकांनि सं 649 दिनांक 22-8-89
54. सांकांनि सं 650 दिनांक 22-8-89
55. सांकांनि सं 651 दिनांक 22-8-89
56. सांकांनि सं 844 दिनांक 25-10-89
57. सांकांनि सं 102 दिनांक 5-2-90
58. सांकांनि सं 241 दिनांक 29-3-90
59. सांकांनि सं 302 दिनांक 16-4-90
60. सांकांनि सं 303 दिनांक 10-5-90
61. सांकांनि सं 514 दिनांक 30-7-90
62. सांकांनि सं 515 दिनांक 7-8-90
63. सांकांनि सं 3052 दिनांक 7-10-90

64. सांकांनि सं 782 दिनांक 13-12-90
65. सांकांनि सं 783 दिनांक 13-12-90
66. सांकांनि सं 784 दिनांक 13-12-90
67. सांकांनि सं 314 दिनांक 30-4-91
68. सांकांनि सं 2146 दिनांक 26-7-91
69. सांकांनि सं 123 दिनांक 30-12-92
70. सांकांनि सं 124 से 131 दिनांक 30-12-92
71. सांकांनि सं 132 से 134 दिनांक 30-12-92
72. सांकांनि सं 135 से 137 दिनांक 30-12-92
73. सांकांनि सं 138 से 141 दिनांक 30-12-92
74. (142) सांकांनि सं 292 दिनांक 27-5-93
75. (143) सांकांनि सं --- दिनांक ---
76. (144) सांकांनि सं --- दिनांक ---
77. (145) सांकांनि सं --- दिनांक ---
78. (146) सांकांनि सं --- दिनांक ---
79. (147) सांकांनि सं --- दिनांक ---
80. (148) सांकांनि सं --- दिनांक ---

New Delhi, the 19th August, 1994

S.O. 2303.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares the Ayodhya Benefit Fund Limited, having its registered Office at 57, Arya Gowder Road, West Mambalam, Madras-600033, in the State of Tamil Nadu, to be a Nidhi, and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administrations) No. G.S.R. 978 dated 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry in column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely :—

In Schedule I to the said notification after item 148 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be added, namely :—

“149 Ayodhya Benefit Fund Limited, Madras”.

[F. No. 37/3/91-CL.III]
DHARAM PAL, Under Secy.

Foot Note.—The Principal Notification was Noticed vide G.S.R. No. 978 Dated 29th May, 1963 and Subsequently amended vide :—

S.No.	GSR No.	Dated
1	1691	11-10-63
2	853	04-06-64
3	297	12-08-65
4	1332	30-08-65
5	111	14-01-66
6	1543	01-10-66
7	607	29-04-67
8	608	29-04-67
9	1466	06-06-69
10	2707	18-11-69
11	1306	27-07-71
12	1	21-12-73
13	690	22-06-74
14	275	14-02-75
15	409	29-03-75
16	1300	11-09-76
17	426	08-03-78
18	728	28-04-78
19	1296	04-10-79
20	1100	09-10-80

21	1099	09-10-80
22	164	10-02-83
23	843	19-11-83
24	844	19-11-83
25	217	25-02-84
26	231	20-02-85
27	21	24-02-85
28	275	03-03-86
29	306	11-04-86
30	70	22-06-86
31	961	24-10-86
32	353	22-04-87
33	365	22-04-87
34	430	20-05-87
35	598	31-07-87
36	597	31-07-87
37	921	30-11-87
38	922	03-12-87
39	264	05-04-88
40	479	18-06-88
41	515	25-06-88
42	597	15-07-88
43	596	15-07-88
44	598	15-07-88
45	800	22-09-88
46	961	17-12-88
47	32	06-12-88
48	959	17-12-88
49	960	17-12-88
50	318	06-05-89
51	501	22-07-89
52	502	22-07-89
53	649	22-08-89
54	650	22-08-89
55	651	22-08-89
56	844	25-10-89
57	102	05-02-90
58	241	29-03-90
59	302	16-04-90
60	303	10-05-90
61	514	30-07-90
62	515	07-08-90
63	3052	07-10-90
64	782	13-12-90
65	783	13-12-90
66	784	13-12-90
67	314	30-04-91
68	2146	26-07-91
69	123	30-12-92 (123)
70	103	18-03-93 (124 to 131)
71	272	12-05-93 (132 to 134)
72	291	27-05-93 (135 to 137)
73		(138 to 141)
74	292	27-05-93 (142)
75		(143)
76		(144)
77		(145)
78		(146)
79		(147)
80		(148)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

कां.प्र. 2304--केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620क की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पैराक्लेट्स् परमानेंट फंड लिमिटेड को, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय तमिलनाडु राज्य में 9, एस.आर.पी. कॉमल स्ट्रीट (दक्षिण), चेन्नई नगर, मद्रास-600082

में है, एक निधि घोषित करती है और यह निवेश होती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. सां.का.नि. 978, तारीख 28 मई, 1963 की अनुसूची 3 के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त निधि को लागू नहीं होंगे या, यथास्थिति, उसके स्तम्भ (2) में की कम्पनी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अपवादों, उपांतरणों और अनुकूलनों सहित लागू होंगे और उक्त अधिसूचना का निम्नलिखित संशोधन करनी है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में, मद 147 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी अर्थात् :-

“148 पैराक्लेट्स् परमानेंट फंड लिमिटेड, मद्रास” ।

[कां.प्र. 37/28/92-सो.एल. III]

धर्मपाल, अवर सचिव

टिप्पणी--मूल अधिसूचना सा.का.नि. संख्या 978, दिनांक 28 मई, 1963 की अधिसूचित की गई थी और तदन्तर यथासंशोधित की गई :-

1. सा.का.नि.सं. 1691 दिनांक 11-10-63
2. सा.का.नि.सं. 853 दिनांक 4-6-64
3. सा.का.नि.सं. 297 दिनांक 12-8-65
4. सा.का.नि.सं. 1332 दिनांक 30-8-65
5. सा.का.नि.सं. 111 दिनांक 14-1-66
6. सा.का.नि.सं. 1543 दिनांक 1-10-66
7. सा.का.नि.सं. 607 दिनांक 29-4-67
8. सा.का.नि.सं. 608 दिनांक 29-4-67
9. सा.का.नि.सं. 1466 दिनांक 6-6-69
10. सा.का.नि.सं. 2707 दिनांक 18-11-69
11. सा.का.नि.सं. 1306 दिनांक 27-7-71
12. सा.का.नि.सं. 1 दिनांक 21-12-73
13. सा.का.नि.सं. 690 दिनांक 22-6-74
14. सा.का.नि.सं. 275 दिनांक 14-2-75
15. सा.का.नि.सं. 409 दिनांक 29-3-75
16. सा.का.नि.सं. 1300 दिनांक 11-9-76
17. सा.का.नि.सं. 426 दिनांक 8-3-78
18. सा.का.नि.सं. 728 दिनांक 28-4-78
19. सा.का.नि.सं. 1296 दिनांक 4-10-79
20. सा.का.नि.सं. 1100 दिनांक 9-10-80
21. सा.का.नि.सं. 1099 दिनांक 9-10-80
22. सा.का.नि.सं. 164 दिनांक 10-2-83
23. सा.का.नि.सं. 843 दिनांक 19-11-83
24. सा.का.नि.सं. 844 दिनांक 19-11-83
25. सा.का.नि.सं. 217 दिनांक 25-2-84
26. सा.का.नि.सं. 231 दिनांक 20-2-85
27. सा.का.नि.सं. 21 दिनांक 24-02-85
28. सा.का.नि.सं. 275 दिनांक 3-3-86
29. सा.का.नि.सं. 306 दिनांक 11-4-86
30. सा.का.नि.सं. 70 दिनांक 22-6-86
31. सा.का.नि.सं. 961 दिनांक 24-01-86
32. सा.का.नि.सं. 353 दिनांक 22-4-87
33. सा.का.नि.सं. 365 दिनांक 22-4-87
34. सा.का.नि.सं. 430 दिनांक 20-5-87
35. सा.का.नि.सं. 598 दिनांक 31-7-87
36. सा.का.नि.सं. 597 दिनांक 31-7-87
37. सा.का.नि.सं. 921 दिनांक 30-11-87

38. सा.का.नि.सं.	922 दिनांक	3-12-87
39. सा.का.नि.सं.	264 दिनांक	5-4-88
40. सा.का.नि.सं.	479 दिनांक	18-6-88
41. सा.का.नि.सं.	515 दिनांक	25-6-88
42. सा.का.नि.सं.	597 दिनांक	15-7-88
43. सा.का.नि.सं.	596 दिनांक	15-7-88
44. सा.का.नि.सं.	598 दिनांक	15-7-88
45. सा.का.नि.सं.	800 दिनांक	22-9-88
46. सा.का.नि.सं.	961 दिनांक	17-12-88
47. सा.का.नि.सं.	32 दिनांक	6-12-88
48. सा.का.नि.सं.	959 दिनांक	17-12-88
49. सा.का.नि.सं.	980 दिनांक	17-12-88
50. सा.का.नि.सं.	318 दिनांक	6-5-89
51. सा.का.नि.सं.	501 दिनांक	22-7-89
52. सा.का.नि.सं.	502 दिनांक	22-7-89
53. सा.का.नि.सं.	649 दिनांक	22-8-89
54. सा.का.नि.सं.	650 दिनांक	22-8-89
55. सा.का.नि.सं.	651 दिनांक	22-8-89
56. सा.का.नि.सं.	844 दिनांक	25-10-89
57. सा.का.नि.सं.	102 दिनांक	5-2-90
58. सा.का.नि.सं.	241 दिनांक	29-3-90
59. सा.का.नि.सं.	302 दिनांक	16-4-90
60. सा.का.नि.सं.	303 दिनांक	10-5-90
61. सा.का.नि.सं.	514 दिनांक	30-7-90
62. सा.का.नि.सं.	515 दिनांक	7-8-90
63. सा.का.नि.सं.	3052 दिनांक	7-10-90
64. सा.का.नि.सं.	782 दिनांक	13-12-90
65. सा.का.नि.सं.	783 दिनांक	13-12-90
66. सा.का.नि.सं.	784 दिनांक	13-12-90
67. सा.का.नि.सं.	314 दिनांक	30-4-91
68. सा.का.नि.सं.	2146 दिनांक	26-7-91
69. सा.का.नि.सं.	123 दिनांक	30-12-92
70. सा.का.नि.सं.	124 से 131 दिनांक	30-12-92
71. सा.का.नि.सं.	132 से 134 दिनांक	30-12-92
72. सा.का.नि.सं.	135 से 137 दिनांक	30-12-92
73. सा.का.नि.सं.	138 से 141 दिनांक	30-12-92
74. (142) सा.का.नि.सं.	संख्या 292 दिनांक	27-5-93
75. (143) सा.का.नि.सं.	संख्या दिनांक	
76. (144) सा.का.नि.सं.	संख्या दिनांक	
77. (145) सा.का.नि.सं.	संख्या दिनांक	
78. (146) सा.का.नि.सं.	संख्या दिनांक	
79. (147) सा.का.नि.सं.	संख्या दिनांक	

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2304.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby declares the Peravallur Permanent Fund Limited having its registered Office at 9, S.R.P. Koil Street (South), Jawahar Nagar, Madras-600082 in the State of Tamil Nadu, to a Nidhi, and directs that the provisions of the said Act specified in column (1) of Schedule III annexed to the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Company Law Administrations) No. G.S.R. 978, dated the 28th May, 1963 shall not apply, or as the case may be, shall apply with the exceptions, modifications and adaptations specified in the corresponding entry

in column (2) thereof, to the said Nidhi and makes the following amendment in the said notification, namely :—

In Schedule I to the said notification, after item 147 and the entries relating thereto the following item and entries shall be added, namely :—

"148. Peravallur Permanent Fund Limited, Madras".

[F. No. 37/28/92-CL.III]

DHARAM PAL, Under Secy.

Foot Note :—The principal notification was noticed vide G.S.R. No. 978 dated 29th May, 1963, and subsequently amended vide :—

Sl. No.	GSR No.	Dated
1	2	3
1	1691	11-10-63
2	853	04-06-64
3	297	12-08-65
4	1332	30-08-65
5	111	14-01-66
6	1543	01-10-66
7	607	29-04-67
8	608	29-04-67
9	1466	06-06-69
10	2707	18-11-69
11	1306	27-07-71
12	1	21-12-73
13	690	22-06-74
14	275	14-02-75
15	409	29-03-75
16	1300	11-09-76
17	426	08-03-78
18	728	28-04-78
19	1296	04-10-79
20	1100	09-10-80
21	1099	09-10-80
22	164	10-02-83
23	843	19-11-83
24	844	19-11-83
25	217	25-02-84
26	231	20-02-85
27	21	24-02-85
28	275	03-03-86
29	306	11-04-86
30	70	22-06-86
31	961	24-01-86
32	353	22-04-87
33	365	22-04-87
34	430	20-05-87
35	598	31-07-87
36	597	31-07-87
37	921	30-11-87
38	922	03-12-87
39	264	05-04-88
40	479	18-06-88
41	515	25-06-88
42	597	15-07-88
43	596	15-07-88
44	598	15-07-88
45	800	22-09-88
46	961	17-12-88
47	32	06-12-88
48	959	17-12-88
49	960	17-12-88
50	318	06-05-89

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2305.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the State Government of Manipur, Secretariate, Home Department accorded vide No. 4/2 (43)/88-H, Imphal, dated 15-4-1994, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole State of Manipur for investigation of CBI/SPE/ACB/Silchar Branch Case No. RC 5(A)/94-SLC, under section 120-B, 420, 467, 468, 471 Indian Penal Code and section 13(2) read with section 13(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1988 and attempts, abetment and conspiracies in relation to or connection with one or more of the offence mentioned above and any other offence or offences committed in the course of same transaction arising out of the same facts, or related the above said offence(s).

[No. 228/33/94-AVD.II]

R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

का.भा. 2306 —केन्द्रीय सरकार श्री देवी प्रसाद पाण्डे, एडवोकेट और उनके जूनियर श्री जे.के. बासु, एडवोकेट, कलकत्ता को दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना मामले संख्या-10/66 सी.आई.ए. (I) ए.सी.यू. (6) के.प्र. ब्यूरो, नई दिल्ली (बाद संख्या-जी.प्र. 3849 साल 1985, राज्य बनाम जीत पाल एवं अन्य) के संबंध में माननीय एम.एम. कोटे कलकत्ता उच्च न्यायालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में कार्यवाहियों के संचालन हेतु विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 225/12/94-ए.बी.डी. (II)]

भार.एस. बिष्ट, अवसर सचिव

New Delhi, the 31st August, 1994

S.O. 2306.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Devi Prasad Pandey and this Junior Shri J. K. Basu, Advocates of Calcutta, West Bengal as Special Public Prosecutors for the purpose of conducting Prosecution of Court Case No. GR 3849 of 1985, State Vs. Jit Paul and others arising out of Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 10/66-CIA(I)/AVU.VI, CBI, New Delhi in the Court of Metropolitan Magistrate, Calcutta and also in the High Court of West Bengal at Calcutta.

[No 225/12/94-AVD (II)]

R. S. BISHT, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक (छट) का कार्यालय

कलकत्ता, 5 नवम्बर 1993

आयकर

का.भा. 2307 —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961

1	2	3
51	501	22-07-89
52	502	22-07-89
53	649	22-08-89
54	650	22-08-89
55	651	22-08-89
56	844	25-10-89
57	102	05-02-90
58	241	29-03-90
59	302	16-04-90
60	303	10-05-90
61	514	30-07-90
62	515	07-08-90
63	3052	07-10-90
64	782	13-12-90
65	783	13-12-90
66	784	13-12-90
67	314	30-04-91
68	2146	26-07-91
69	123	30-12-92 (123)
70	103	18-03-93 (124 to 131)
71	272	12-05-93 (132 to 134)
72	291	27-05-93 (135 to 137)
73	---	(138 to 141)
74	292	27-05-93 (142)
75	---	---(143)
76	---	---(144)
77	---	---(145)
78	---	---(146)
79	---	---(147)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का.भा. 2305 —केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम संख्यांक 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सं. 4/2(43)/88-एच. इम्फाल तारीख 15-4-1994 द्वारा प्रदान की गई मणिपुर राज्य सरकार, सचिवालय, गृह विभाग की सहमति से, अष्टाक्षर निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(घ) के साथ पठित भारतीय दंड संहिता की धारा 120ब, 420, 467, 468, 471 और धारा 13(2) के अधीन सी.बी.आई./एस.पी.ई./ए.सी.बी. / सिलचर शाखा मामले सं. प्रार.सी. 5(ए)/94-एस.एच. सी और उपर उल्लिखित एक या अधिक अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रकरणों, बुद्धिपूर्वक और षड्यंत्रों के तथा जैसे ही तथ्यों से उत्पन्न या उपर्युक्त अपराध (अपराधों) से संबंधित जैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध या अपराधों के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण मणिपुर राज्य पर करती है।

[संख्या 228/33/94-ए.बी.डी. (II)]

भार. एस. बिष्ट, अवसर सचिव

की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमूव कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

राजीव गांधी फाउन्डेशन,
जवाहर भवन,
डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड,
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है को माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां रात्रिक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 939 (एफ.सं. म.नि./मा.क. (छूट)/न.दि.-95/35(i) (ii)(iii)/91]

श्रीमती एम. राय, उपनिवेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Calcutta, the 5th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2307.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax, (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Rajiv Gandhi Foundation,
Jawahar Bhawan,
Dr. Rajendra Prasad Road,
New Delhi-110001.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 939/F. No. DG/IT(E)/ND-95/35(1)(ii)(iii)/91]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 5 नवम्बर, 1993

आयकर

का. धा. 2308—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमूव कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

राजीव गांधी फाउन्डेशन,
जवाहर भवन,
डा० राजेन्द्र प्रसाद मार्ग,
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगी।

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 940 (एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/न.दि.-95/35 (1)
(ii) (iii)/91]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 5th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2308.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110015 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Rajiv Gandhi Foundation,
Jawahar Bhavan,
Dr. Rajendra Prasad Road,
New Delhi-110001.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 942/F. No. DG/IT(E)/AP-4/35(1)(ii)/89]

MRS. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94-2

का.आ. 2309.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीयों रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षी वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षी आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पोटाश रिसर्च इन्स्टीट्यूट ऑफ इंडिया,
सेक्टर-19, बुन्डाहेरा, दिल्ली गुडगांव रोड,
गुडगांव-122001
हरियाणा

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 941 (एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/न.दि.-95/35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2309.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Potash Research Institute of India,
Sector-19, Dundaheera, Delhi-Gurgaon
Road, Guragaon-122001, Haryana.

This notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 941/F. No. DG/IT(E)/E-1/35(1)(ii)/89]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.सा. 2310—सर्वसाधारण को एनबद्धा सूचित किया जाता है कि निम्न-लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर मन्त्रालय (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर मन्त्रालय (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई निम्न कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भगवान महावीर मेडिकल रिसर्च सेंटर,
10-1-1-महावीर मार्ग,
हैदराबाद-500004 (आ. प्र.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर मन्त्रालय (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 942 (एफ.सं. म.नि. आ.क. (छूट) आ.प्र -4/35(1) (ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2310.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Bhagavan Mahavir Medical Research Centre,
10-1-1, Mahavir Marg,
Hyderabad-500004 (A.P.)

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 942/F. No. DG/IT(E)/AP-4/35(1)(ii)/89]
MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.प्रा. 2311—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसेंच कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मुकुन्दी लाल मेमोरियल फाउन्डेशन फॉर हार्ट एंड मेडिकल केयर
21, नेताजी सुभाष मार्ग
वरियागंज, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना दिनांक 6-8-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 943/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) न.दि. 112/35(1)
(ii) 93]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2311.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions) (b) Secretary Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income

and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Shri Mukandi Lal Memorial Foundation for Heart and Medical Care,
21, Netaji Subhash Marg, Darya Ganj,
New Delhi.

This notification is effective for the period from 6-8-1993 to 31-3-1994.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 943/F. No. DG/IT(E)/ND-112/35(1)(ii)93]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.प्रा. 2312—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसेंच कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट फॉर मार्केटिंग एण्ड मैनेजमेन्ट

62-एफ मृगान सिंह पार्क,

नई दिल्ली-110063

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 944/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/नदि-1 35(1)(iii) 89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 944/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/नदि-1/35(1)(iii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

INCOME TAX

Calcutta, the 30th November, 1993

S.O. 2312.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Marketing and Management,
62-F, Sujan Singh Park,
New Delhi-110063.

This notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner

of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 944/F. No.DG/IT(E)/ND-1/35(1)(iii)/89]

MRS. S. RAY, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

का.आ 2313 —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमर्स कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट ऑफ मार्केटिंग एण्ड मैनेजमेन्ट,
62-एफ सुजान सिंह पार्क,
नई दिल्ली-110063

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 945 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/न.दि.-1/35(1)(iii) 89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

INCOME TAX

Calutta, the 30th November, 1993

S.O. 2313.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Marketing and Management,
62-F, Sujana Singh Park,
New Delhi-110063.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 945/F. No. DG/IT(E)/ND-1/35(1)(iii)/89]

MRS. S. RAY, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

का.घा. 2314 —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक

तथा औद्योगिक अनुसंधान /विभाग और (ग) आयकर अधिकृत/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसेच कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा :

संगठन का नाम

मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ मैग्नेटोबायोलॉजी

52ए, ए के ब्लॉक, 7वां मेन रोड,

एन्ना नगर, मद्रास-40

यह अधिसूचना दिनोंक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगी।

2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिवस/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में कि, आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 946 (एफ.सं. स.नि./आ.क (छूट)/टीएन-19/35(1) (ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

INCOME TAX

Calutta, the 30th November, 1993

S.O. 2314.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Madras Institute of Magnetobiology,
No. 52-A, A.K. Block, 7th Main Road,
Anna Nagar, Madras-40.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Calcutta, the 30th November, 1993

(INCOME-TAX)

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 946/F. No. DG/IT(E)/46/TN/19/35(1)(ii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

घायकर

का.घा 2315 —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, घायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, घायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रयत्न लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) घायकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) घायकर आयुक्त/घायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और घायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई निम्नलिखित कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एलपीजी इक्विपमेंट रिसर्च सेंटर,
इण्डियन आयल के विपरीत, एलपीजी वाटलिंग प्लान्ट,
स्टार्ट फील्ड रोड, दो दूरवानी नगर,
बंगलूर-560016

यह अधिसूचना दिनांक 5-5-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संस्था" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए घायकर आयुक्त/घायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से घायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 947 (एफ.ए. म.नि./घा.क. (छूट) केटी-46/35(1)

(ii)/93]

श्रीमती एस राय, उपनिदेशक

S.O. 2315.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

LPG Equipment Research Centre,
Opposite Indian Oil,
LPG Bottling Plant,
Whitefield Road,
Dooravaninagar Post,
Bangalore-560 016.

This Notification is effective for the period from 5-5-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 947/F. No. DG/IT(E)|KT-46/35(1)(ii)|93]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2316 :--सर्वसाधारण को एन्वयारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :--

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमूच कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर,
नया सिविल अस्पताल,
अहमदाबाद-380016

यह अधिसूचना दिनांक 23-2-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "गव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को संतुष्टियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[महत्वा: 918 (एफ. स. म. नि./प्रा. क. (छूट) जी-63/35(1)(ii)
(93)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1994

INCOME TAX

S.O. 2316.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institute" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every

financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Cardiology &
Research Centre,
New Civil Hospital,
Ahmedabad-380 016.

This Notification is effective for the period from 23-2-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 948/F. No. DG/IT(E)/G-63/35(1)(ii)/93]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2317 :--सर्वसाधारण को एन्वयारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :--

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग से लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमूच कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ठाकुर रिसर्च फाउन्डेशन,
212, डीन दयाल मार्ग,
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा प्रवर्ण के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 949 (एफ. स. म. नि./आ.क. (छूट) न. दि.-40/35(1) (iii)/(89)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2317.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 45 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Thakur Research Foundation,
212, Deen Dayal Marg,
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 949/F. No. DGIT(E) ND-40-35(1) (iii) [89]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2318 — सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक निवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिटर्न कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ठाकुर रिसर्च फाउन्डेशन,
212 डीन दयाल मार्ग,
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा प्रवर्ण के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 950 (एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट) न. दि.-40/35(1) (iii) (89)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

(INCOME-TEX)

आयकर

S.O. 2318.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Thakur Research Foundation,
212, Deen Dayal Marg,
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 950/F. No. DG/IT(E) ND-40/35(1) (iii) 89]

Smt. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2319:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

टेकनोलोजी इन्फार्मेशन फोरकास्टिंग एन्ड एसेसमेन्ट काउन्सिल (टी आई एफ सी) डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एन्ड टेकनोलॉजी, टेकनोलोजी भवन, मेहरोली मार्ग, नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 30-6-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 951 (एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) नदि-116/35 (i) (ii)

93/आ. क. (छूट)]

अ. मती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2319.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions;

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Technology Information Forecasting & Assessment Council (TIFAC),
Department of Science & Technology,
Technology Bhawan,
Mehrauli Road,
New Delhi-110 016.

This Notification is effective for the period from 30-6-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 951/F. No. DG/IT(E)/ND-116/35(1)(ii)/93-IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30- नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2329:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परोक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमूव कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परोक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

संगठन किटनी फाउन्डेशन,
316, 14 वां फ्लोर, II बंगला,
जयनगर,
बंगलोर-560011

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा प्रदर्श के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 952/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/कटी-38/35 (1)

(ii) (91)]

श्रीमती एस राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2320.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Bangalore Kidney Foundation,
316, 14th Cross, II Block,
Jayanagar, Bangalore-560 011.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 952/F. No. DG/IT(E)/KT-38/35(1)(ii)91-IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2321 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त, आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई रिचर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आग-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ओ एन जी भी स्कमबर्गर बायरलाइफ रिसर्च सेन्टर द्वारा आयुक्त एन्ड नेचरल गैस कमिशन कैलाश, 6वां तल, नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 953/एफ.सं. म.नि. आ.क. (छूट) नदि-38/35 (1) (ii) (89)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2321.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions ;

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy

of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

ONGC-Schlumberger Wireline Research Centre, C/o. Oil & Natural Gas Commission, "Kailash" 6th Floor, New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 953]F. No. DG|IT(E)|ND-38|35(1) (ii) [89] IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ.2322:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आव-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नैशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च,
11, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संच" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 954/एफ.सं. म.नि. आ.क. (छूट) नदि-41/35 (1) (iii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2322.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Council of Applied Economic Research,
11, Indraprastha Estate,
New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 954 (F. No. DG[IT(E)]ND-41[35(1)(iii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2323.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, भ्रमण लेखा बहिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चं कार्यों संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आयव्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

के पी केन ट्रियस्टल इंस्टीट्यूट
136, बंबई समाचार मार्ग
पोर्ट, बम्बई-400023

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पण: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुद्राश दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में

आवेदन करें अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में कि आयेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 955/एफ. न. म. नि./आ.क. (छूट) बी-89/35(1)(iii)(90)]

श्रीमती एन. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2323.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The K. P. Cane Oriental Institute,
136, Bombay Samachar Marg, Port,
Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 955/F. No. DG[IT(E)]B-89/35(1)(iii)90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2324.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेटर फॉर स्टडी ऑफ मैन एंड एन्वायरमेंट,
सी के-11, सॉल्ट लेक,
कलकत्ता-700091

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुभवन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 956/एफ. सं. म. नि./प्र.क. (छूट)/पब-26/35(1)(ii)/90]
श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2324.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate books of account for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New

Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Study of Man & Environment,
CK-11, Salt Lake,
Calcutta-700091.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 956/F. No. DG/IT(E)|WB-26/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2325.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन', न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गवर्नमेंट टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर,
इंडस्ट्रियल एस्टेट, राजाजी नगर,
बंगलूर-360044

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को गुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में अधिदत्त करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 957 / फ. सं. म.नि/आ.क.(छूट)/केटी-35/35(1) (ii)/90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2325.--It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Account and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Govt. Tool Room and Training Centre,
Industrial Estate, Rajaji Nagar,
Bangalore-360044.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 957/F. No. DG/IT(E)/KT-35/35(1)(ii)/90]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2326.--सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन ब्रिटिश प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :--

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा ;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली, रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्थ कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वेद विज्ञान महाविद्यापीठ,
वैदिक नार्स का कॉलेज, योगा एंड संस्कृत स्टडीज,
19, 39वां ए फ़ोन, 11वां शैन रोड,
4था ब्लॉक, जयानगर,
बंगलूर-560041

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 958/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट) केटी-15/35(i)(iii)/(89)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

INCOME-TAX

Calcutta, the 30th November, 1993

S.O. 2326.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Ved Vignan Mahavidya Peeth,
College of Vedic Sciences,
Yoga and Sanskrit Studies,
19, 39th Across,
11th Main Road,
IV T Block, Jayanagar,
Bangalore-560041.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax Exemptions, Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 959/F. No. DG/IT(E)/KT-15/35(1)(iii)/89]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2327.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्क कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वृद्धिगन काउन्सिल ऑफ वेदिकल रिमर्न,
ग्रामारी नगर, पो बा. नं. 4508,
नई दिल्ली-110029

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 959/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एन ई 59/35(1)(ii)/90]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2327.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council of Medical Research,
Ansari Nagar, Post Box 4508,
New Delhi-110029.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 959 (F. No. DG/IT(E)/ND-59/35(1)(ii))[90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवंबर, 1994

आयकर

का.आ. 2328:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

2005 GI/94—4

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार ऊद्धु उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एडिक्शन रिसर्च सेन्टर,
6, कैथेड्रल रोड,
मद्रास-600086

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 960 (एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/टी एन-39/35
(1) (ii) (90)]

श्री मती एस. राय, उपनिदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2328.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Addiction Research Centre,
6, Cathedral Road,
Madras-600086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME TAX

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 960 (F.No. DG/IT(E)/TN-39/35(I)(ii)/90-IT(E)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.धा. 2329:—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिस्त्रिक्शन् कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एडिक्शन रिसर्च सेंटर,
6, कैथेड्रल रोड,
मद्रास-600086

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1995 से 31-3-1996 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 961/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/टीएन.-39/35 (1) ii (90)/आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपा निदेशक

S.O. 2329.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 5 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Association subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Addiction Research Centre,
6, Cathedral Road,
Madras-600086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1995 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 961/F. No. DG/IT(F) TN-39/35(I)(ii)/90-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.धा. 2330:—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव,

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च कायों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखापरीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नैशनल इन्स्योरेन्स अकादमी
क.सं. 25, बनेर रोड,
ग्राम पलेवडी, तालुक हवेली
जिला : पुणे-पिन-411008

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 962 एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-149/ 35

(1) (ii) (91) आ.क. (छूट)]

श्रीमती एम. राय, उप निदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME TAX

S.O. 2330.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

National Insurance Academy,
S. No. 25, Buner Road,
Village Palewadi, Taduk Hoveli,
Dist. Pune, Pin-411008.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 962/F. No. DG/IT(E)/M-149/35(1)(iii)/91-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर 1993

आयकर

का.सं. 2331.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च कायों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री राम साइंटिफिक एण्ड इन्डस्ट्रीयल रिसर्च फाउन्डेशन
संस्कृत भवन, शांतिवाला, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 963/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट) नदि-87/35(1)(ii) (90)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2331.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemption), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Shri Ram Scientific and Industrial Research Foundation,
Sanskrit Bhawan, Jhandewalan,
New Delhi.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 963/F. No. DG/IT(E)/ND-87/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2332.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा-

धिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्ट्रल मशीन टूल इन्स्टीट्यूट, टंकुर रोड, बंगलूर-560022

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिवर्षों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 964/एफ. सं. म.नि. /आ.क. (छूट) केटी-19/35(1)
(ii)/90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2332.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Central Machine Tool Institute,
Tunkur Road,
Bangalore-560022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax

Calcutta, the 30th November, 1993

(Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 964/F No. DG/IT(E)/KT-19/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का०आ० 2333—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल काउन्सिल फॉर रीमिट एण्ड बिल्डिंग मटेरियल एम-10, साउथ एक्स्टेंशन II, रिंग रोड, नई दिल्ली-110049

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" संवर्ग के लिए लागू नहीं होंगी।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आय-व्यय की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 965/एफ. नं०. स.सि.०/आ०क० (छट) नं०-62/35(1)(ii)/90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2333.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Council for Cement and Buildings Materials,
M-10, South Extension II Ring Road,
New Delhi-110049.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta (through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 965/F. No. DG/IT(E), ND-62/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का०आ० 2334—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग)

प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सिद्धो मल रिसर्च फाउन्डेशन,

40, गली राजा केदार नाथ, चावरी बाजार, नई दिल्ली-110006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) 'संघ' जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- 2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 966/एफ.सं.० मं.नि.०/आ.० (छूट)/नदि-7/35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2334.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Siddho Mal Research Foundation,
50, Gali Raja Kedar Nath,
Chawri Bazar,
Delhi-110006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 966/F. No. DG/IT(E)/ND-7/35(1)(ii)89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30, नवम्बर, 1993

प्रायकर

कां.धा.० 2335 :—सर्वसाधारण को सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (i) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिक भवन," न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष को 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों को प्रति (क) प्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रायुक्त और (ग) प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्डियन नेशनल थियेटर, 19/21, ग्रामबाला बोशी मार्ग,
बम्बई-400023

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 967/फा.सं.० डी.जी.०/आ.० कर (छूट) : एम-50/कल.०/35 (1) (iii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2335.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited annual accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian National Theatre,
19/21, Ambala Doshi Marg,
(Haman Street),
Bombay-400 023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 957|F. No. DG|IT(E)|M-50|35(1)(iii)|89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

आयकर

कां० प्रा० 2336—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बसंतदादा सुगर इन्स्टीट्यूट मंजरी (बोके) 412307 साल हबेली जिला-गुने, महाराष्ट्र

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिशों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 969 (एफ० सं० म० नि०/प्रा० क० (छूट)/एम-51/35(1)(ii) (89)]

श्रीमती एम० राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2336.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under subsection (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Vasantdada Sugar Institute,
Manjari (BK) 412307,
Tal Haveli,
Dist. Pune,
Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 969/F. No. DG/IT(E)/M-51/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2337 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित

प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अंतर्गत वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक; (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अस्ट्रा रिसर्च सेंटर,
पो. बा. नं. 359
18 बॉ ग्राम, मल्लेश्वरम,
बंगलौर-560003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को ताल प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 970/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) केटी-4/
35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक,

Calcutta, the 30th November, 1994

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

(INCOME-TAX)

आयकर

S.O. 2337.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Astra Research Centre,
Post Box No. 359,
18th Cross, Malleswaram,
Bangalore-560 003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 970/F. No. DG/IT(E)/KT-4/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2338:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीखा रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमात्र को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेक्टर फॉर पालिसी रिसर्च,
धर्मा मार्ग, जाणक्यपुरी,
नई दिल्ली-110021

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 971/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)

नदि-60/35(1)(iii)/90]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2338.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October, each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Policy Research,
Dharma Marg,
Chankyapuri,
New Delhi-110 021

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 971/F. No. DG/IT(E)|ND-60/35(1) (iii)|90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2339 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

रिसर्च फाउन्डेशन फॉर जैनेलॉजी (रजिस्टर्ड),
सुगन हाउस, 18 रामानुज अय्यर स्ट्रीट,
सोवैरपेट, मद्रास-600079

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 972/एफ.सं. म. नि./आ.क (छूट)/टीएन-9/
35 (1) (iii) (89):]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2339.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Research Foundation for Jainology (Regd.),
Sugan House,
18, Ramanuja Iyer Street,
Sowearpet,
Madras-600 079.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

- NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 972/F. No. DG/IT(E)/TN-9/35(1)(iii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2340 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अरविन्द मेडिकल रिसर्च फाउन्डेशन,
1 अन्ना नगर, मदुरई-625020,
तमिलनाडु।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 973/एफ.सं. म. नि./आ. क. (छूट)/टीएन-14/35(1)(ii)/(89)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2340.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-1100016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts, and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Aravind Medical Research Foundation.
1, Anna Nagar,
Madurai-625 020,
Tamil Nadu.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 973/F. No. DG/IT(E)/TN-14/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2341.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

इन्डियन कैसर सोसाइटी,
नैशनल हैडक्वार्टर,
74, जेरबाई वाडिया रोड,
परेल, बम्बई-12

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या 974/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-59/
35(1)(ii) (89)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

(INCOME-TAX)

आयकर

S.O. 2341.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cancer Society,
National Hqrs.,
74, Jerbai Wadia Road,
Parel, Bombay-12.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific Industrial Research.

[No. 974/F. No. DG/IT(E)/M-59/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ.2342. :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अर्धीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अर्धीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महेन्द्र आई रिसर्च सेन्टर
खैरेबाद आई हॉस्पिटल,
स्वरूप नगर,
कानपुर-208002

यह अधिसूचना दिनांक 8-2-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 975/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) यूपी-25/35(1)(ii)/91]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

(INCOME-TAX)

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

S.O. 2342.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Mahandra Eye Research Centre,
Khoirabad Eye Hospital,
Swaroop Nagar,
Kanpur-208 002.

This Notification is effective for the period from 8-2-1991 to 31-3-1994.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 975/F. No. DG/IT(E)/UP-25/35(1)(ii)91]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2343 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर निदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

फाउन्डेशन फॉर एप्लाइड रिसर्च इन कैंसर,
डी-13, पंचशील एन्कलेव,
नई दिल्ली-110017

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 976/एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट) न.
दि.-54/35(1)(ii) 90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O.2343.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions;

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Foundation for Applied Research in Cancer,
D-131, Panchasheel Enclave,
New Delhi-110 017.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 976/F. No. DG/IT(E)|ND-54/35(1)(ii)|90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2344— सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वतरा मेडिकल रिसर्च सेंटर
अमीरा कदाल, बादशा चौक
श्रीनगर, कश्मीर

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/ आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 977/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/

जे एवं के-2/35 (1) (ii)]

श्रीमती एस० राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 30 नवम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2344.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year. and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 31st October each year a copy of its Audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Batra Medical Research Centre,
Amira Kadal,
Badsha Chowk,
Srinagar (Kashmir).

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTES : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 977/F. No. DG/IT(E)/JK-2/35(1) (ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2345:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक, अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक, अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

खोराकीवाला फाउन्डेशन
बीएफएफ/2 दिलकुश इण्डस्ट्रियल एस्टेट
जी टी करनाल रोड
नई दिल्ली-110033

यह अधिसूचना दिनांक 25-1-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 978/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/
न.दि.-117/35(1) (ii) 93]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O.2345.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Khorakiwala Foundation,
BFF-2, Dilkush Industrial Estate,
G. T. Karnal Road,
Delhi-110 033.

This Notification is effective for the period from 25-1-1993 to 31-3-1995.

NOTES : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 978/F. No. DG/IT(E)|ND-117/35(1)(ii)|93]

SMT. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94-6

का.आ. 2346.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बिड़ला अकादमी,
सूर्य किरन, 5वां तल,
19, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली 110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 979/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/नदि-52/35(1)

(ii) (90)/आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2346.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

का.आ. 2347.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation by the 31st October each year, a copy of its audited annual accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित (छट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

NAME OF THE ORGANISATION

संगठन का नाम

Birla Academy,
Surya Kiran, 5th Floor,
19, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-110 001.

बिड़ला अकादमी,
सूर्य किरन, 5वां तल,
19, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली-110001

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करेगा है।

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 979/F. No. DG/IT(E)/ND-52/35(1)(ii)/IT (E)]

[संख्या 980 /एफ. सं. स.नि/आ.क. (छूट)/नं.52/35(1)(ii)(90)/आ.क. (छूट)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

श्रीमती एन. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2347.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax, Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Academy,
Surya Kiran, 5th Floor,
19, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 980/F. No. DG/IT(E)/ND-52/35(1)(ii)/90-IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2348.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड कल्चर,
सेंटर फॉर हिस्ट्री एंड फिलोसोफी ऑफ साइंस,
पो. बा. नं० 402,
6, श्री बी. पी. वाडिया रोड, बसावनगुड़ी,
बंगलौर-560004,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 981 /एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/केटी-18/35 (1) (iii)/90/आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2348.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Indian Institute of World Culture,
Centre for History and Philosophy of
Science, P. Box No. 402,
6, Sri B. P. Wadia Road,
Basavangudi,
Bangalore-560 004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 981/F. No. DG|IT(E)|KT-18|35(1)(iii)/
90-IT(E)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

का.श्री. 2349.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मैन भेड टेक्मटाइल रिमर्च एसोसिएशन,
माइक्रोवेव टावर के पास रिंग रोड,
सुरत-395002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हों।

[संख्या : 982 /एफ. सं. म.न./आ.क. (छूट)/जी-17/35(1)
(ii)/89/आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2349.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Man-Made Textile Research Association,
Near Microwave Tower,
Ring Road,
Surat-395 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 982/F. No. DG/IT(E)/G-17/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ.2350.—सर्वसंधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों से संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाबको भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नैशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया,
सेंट्रल कॉलेज कम्पाउण्ड
बंगलौर-560001,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 983 (फ. सं. म.नि./आ.क.(छूट)/केटी-6/35(1)(ii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2350.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May on each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Law School of India,
Centre College Compound,
Banagalore-560 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent direct to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 983/F. No. DG/IT(E)/KT-6/35(1)(iii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2351.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संतर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीयां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर-महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों में संबंधित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फेशन टेक्नोलॉजी
इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम
ईस्ट प्राजा, प्रथम गेट
पो. बंग न. 7152
नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 984/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) नदि-71/35(iii)]
(iii)

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 7 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2351.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Fashion Technology,
Indira Gandhi Indoor Stadium,
East Plaza, 1-Gate,
P.B. No. 7152,
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

- Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

का.आ. 2352 सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संतर्ग के अधीन अनुमोदन किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/ आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री हरकिशन दास नरोत्तमदास मैडिकल रिसर्च सोसायटी
राजा राममोहन राय रोड
बम्बई-400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/ आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 985 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/वी 25/ 35(i) (ii)]

[No. 984/F. No. DG/IT(E)|N.D.-71/35(1)(iii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th December, 1993

कलकत्ता, 8 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2352.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax | Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sir Hurkisondas Nurrotomdas Medical Research Society,
Raja Rammohan Roy Road,
Bombay-400 004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research

आयकर

का.आ. 2353.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की अध्याग (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारों द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति 'क' आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजराती विश्वविद्यालय,
आश्रम रोड,
अहमदाबाद-380014

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है को माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवश्यक-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 986/एफ सं. म-वि-आ.क. (छूट)/जी-29/
35(1)(iii)/90]

[No. 985|F. No. DG|IT(E)|M-25|35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 8th December, 1993

कलकत्ता, 10 दिसम्बर, 1993

आयकर

INCOME-TAX

S.O. 2353.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Vidyapith,
Ashram Road,
Ahmedabad-380 014.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 986/F. No. DG/IT(E)/G-29/35(1)(iii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2354.—सर्वोत्तराण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" ग्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

फाउन्डेशन फार मैडिकल रिसर्च
84-ए, आर जो थन्डानी मार्ग,
बर्ली, बम्बई-400018

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार से संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 987/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-131/
35(1)(ii) 90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 10th December, 1993

कलकत्ता, 13 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2354.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Foundation for Medical Research,
84-A, R. G. Thadani Marg,
Worli,
Bombay-400 018.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 987/F. No. DG|IT(E)|M-131|35(1)(ii)|90-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

आयकर

का.आ. 2355 :—सर्वसाधारण को सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

1. संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
2. यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिक भवन", न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
3. यह प्रत्येक वर्ष को 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक आयुक्त और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विवेकानन्द निधि,
149/1ई, रास बिहारी ऐवेन्यू,
कलकत्ता-700029

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) 'संघ' जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 988/फा.सं. डी.जी./आ.क. (छूट)
डब्ल्यू बी-35/कल/35/(1)(iii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th December, 1993

कलकत्ता, 13 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2355.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

का.भा. 2356:— सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 को उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions)], having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities or which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

NAME OF THE ORGANISATION

संगठन का नाम

Vivekananda Nidhi,
149/1E, Rashbehari Avenue,
Calcutta-700 029.

बिड़ला इंस्टीट्यूट आफ टैकनालोजी,
मेसरा-835215 (रांची)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions)] having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[संख्या : 989/एफ सं. म. नि./भा. क. (छूट)/वि.-1/
35(1)(iii)/89]

[No. 988]F. No. DG/IT(E)/WB-35/35(1)(iii)/89]
SMT. S. RAY, Dy. Director

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 14th December, 1993

कलकत्ता, 17 दिसम्बर, 1993

आयकर

INCOME-TAX

S.O. 2356.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Institute of Technology,
Mesra-835 215 (Ranchi).

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 989/F. No. DG/IT(E) | B-1/35(1)(ii) | 89-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.भा. 2357.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चें कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हिमालय इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पिटल ट्रस्ट
113/89, स्वर्ण नगर
कानपुर-208001 (यू.पी.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 990/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/यू.पी.-9/35(1)(ii)/89 आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 17th December, 1993

कलकत्ता, 17 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2357.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The Organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Himalayan Institute of Hospital Trust,
113/89, Swaroop Nagar,
Kanpur-208 001, U.P.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 990/F. No. DG/IT(E)/UP-9/35(1)(ii)/
89-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2358:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन सोसायटी आफ हॉस्पिटल लॉ, 7-8 सिधिया हाउस,
कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 991/एफ सं. म. नि./भा. क. (छूट)/
न दि-8/35(1)(iii) 89-आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 17th December, 1993

कलकत्ता, 20 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2358.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Society of International Law,
7-8, Scindia House,
Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 991/F. No. DG/IT(E)/ND-8/35(1)(iii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

आयकर

का.भा. 2359:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर के अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर, तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ट्वेन्टी फर्स्ट सेन्चुरी इण्डिया सोसायटी
2ए, सैक्टर, 19ए, मध्य मार्ग,
चण्डीगढ़-160019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 992/एफ सं. म.नि./भा.क. (छूट)/पी-3/
35(1)(iii)/89]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक,

Calcutta, the 20th December, 1993

कलकत्ता, 21 दिसम्बर, 1993

आयकर

INCOME-TAX

S.O. 2359.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject of the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited annual accounts, audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Twenty First Century India Society,
2-A, Sector 19-A, Madhya Marg,
Chandigarh-160 019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations, categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 992/F, No. DG/IT(E)/P-3/35(1)(iii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का. आ. 2360.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के तहत (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष, के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली—110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ट्वन्टी फ़र्स्ट सेंचुरी फॉर दी-प्रोमोशन ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च, नई दिल्ली

13, ओ एन डी—एफ पाने मार्ग

नई दिल्ली—57

यह अधिसूचना दिनांक 20-6-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या . 993/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/न दि-110/35 (1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 21st December, 1993

कलकत्ता, 20 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2360.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indo-French Centre for the Promotion of Advance Research,
New Delhi,
13, OLDF PALME MARG,
New Delhi-57.

This Notification is effective for the period from 20-6-93 to 31-3-95.

Notes.—1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 993/F. No. DG/IT(E)/ND-110/35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का. आ. 2361.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एच ए आई सी एफ्रो रिसर्च एण्ड डेवेलपमेंट सेन्टर,
2/3 सेक्टर, 15, पंचकुला,
हरियाणा

यह अधिसूचना दिनांक 13-12-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी.—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 994/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एच-4
35 (1) (ii)/93]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th December, 1993

कलकत्ता, 21 दिसम्बर, 1993

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2361.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year. and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

H.A.I.C. Agro Research & Development Centre,
2/3, Sector-15,
Panch Kula,
Haryana.

This Notification is effective for the period from 13-12-1993 to 31-3-1995.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 994/F. No. DG/IT(E)/H-4/35(1)(ii)/93]

SMT. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94—8

का. आ. 2362.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "औद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन कैन्सर सोसाइटी
74 जरबार्ई बाडिया रोड, परेल,
बम्बई-400012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 995/एफ. सं. म. नि. /आ. क. (छूट) /एम-59
35 (1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 21st December, 1993

कलकत्ता, 11 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2362.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category, "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cancer Society,
74, Jarbai Wadia Road,
Parel,
Bombay-400 012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 995/F. No. DG/IT(E)/M-59/35(1)(ii)]

SMT S. RAY, Dy. Director

का. आ. 2363 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ कन्सर्वेशन मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च,
बालचन्द्र सेन्टर, नारदेन रोड
बम्बई — 400034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 996/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) एम—110
35(1)(ii)/90]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 11th January, 1994

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2363.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax |Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Construction Management and Research,
Walchand Centre,
Tardeo Road,
Bombay-400 034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as association.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax |Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

का. आ. 2364 :—सर्वसाधारण का एकादेश सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की धारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अर्वाह विहित प्राधिकारा द्वारा निर्धारित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अर्वाह अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्क कार्यों सम्बन्धित छूट के अर्थ में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

राष्ट्रीय संशोधन निगम लिमिटेड
हिन्दी नगर पो. आ.
बर्धा—442103

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करें।

[संख्या : 997/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) एम—110/35 (1) (ii) (90)]

[No. 996/F. No. DG/IT(E)/M-110/35(1)(ii)90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2364.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

का. आ. 2365 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) The organisation will maintain a separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research & (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110036 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

NAME OF THE ORGANISATION

संगठन का नाम

Gandhi Memorial Leprosy Foundation,
Hindi Nagar P.O.,
Wardha-442 103.

तमिलनाडु साईंस एण्ड टेक्नोलॉजी सेंटर,
इंजीनियरिंग कालेज पो,
मद्रास-600025

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

NOTES : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[No. 997/F. No. DG/IT(E)/M-118/35(1)(ii)/90]

[संख्या 998/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/टी एन-46/35 (1) (ii) 90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2365.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

का.आ. 2366—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारों द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एम एस स्वामी नाथन रिसर्च फाउंडेशन
3ए क्रास स्ट्रीट, तारामती इन्डस्ट्रियल एरिया
मद्रास-600013

NAME OF THE ORGANISATION

Tamil Nadu Science and Technology Centre,
Technology Centre,
Engineering College Post,
Madras-600 025.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 में 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये संबंध में किये आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 999/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) टी एन-5/
35(1)(ii)/89]

[No. 998/F. No. DG/IT(E)/TN-35(1)(ii)/90]
SMT. S. RAY, Dy. Director

श्रीमती एस. राय., उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

INCOME-TAX

S.O. 2366.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

M. S. Swaminathan Research Foundation,
3rd Cross Street,
Taramani Industrial Area,
Madras-600113.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 999/F. No. DG/IT(E)/TN-5/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

आयकर

का.आ. 2367.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिगर्व कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आशु-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अरोबिले फाउन्डेशन
भारत निवाग
अरोबिले-605101
पांडिचेरी

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. [उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1000/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)
टी एन-53/35(1)(iii)/92]

श्रीमती एन. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

कलकत्ता, 12 जनवरी, 1994

INCOME TAX

S.O. 2367.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October, each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of the audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Auroville Foundation,
Bharat Nivas,
Auroville-605 101,
Pondicherry.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1000/F. No. DG/IT(E)/TN-53(1)(iii)92]

SMT. S. RAY, Dy. Director

आयकर

का.आ. 2368.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्क कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री ए. एम.एम. मुहम्मद चैलेयर रिसर्च सेंटर
रजिस्टर्ड आफिस : नियाम हाउस
28, राजाजी सजाई
मद्रास-600001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1001/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) टी एन-4/35(1)(ii)(89)]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

Calcutta, the 12th January, 1994

कलकत्ता, 13 जनवरी, 1994

INCOME TAX

आयकर

S.O. 2368.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Shri A.M.M. Murugappa Chettiar Research Centre,
Regd. Office : Tiam House,
28, Rajaji Salai,
Madras-600 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1001/F. No. DG/IT(E)/TN-4/35(1)(ii)89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का.आ. 2369—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन निहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाय को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कंसलटेन्सी डेवेलपमेंट सेंटर
कुतब होटल, अपार्टमेंट ई-1
नया मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1002/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)

न दि.-93/35(1)(iii)(90)]

श्रीमती एस राय, उप निदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कलकत्ता, 13 जनवरी, 1994

INCOME TAX

S.O. 2369.—It is hereby notified for general Information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Consultancy Development Centre,
Qutab Hotel,
Apartment, E-1,
New Mehrauli Road,
New Delhi-110 016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1002/F. No. DG/IT(E)ND-93]35(1)(iii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

2005 GI/94—9

आयकर

का.आ. 2370.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रायोगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्स कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्डियन अकादमी आफ साईन्स
सी वी रामन एवेन्यू,
मदाशिव नगर, बंगलौर-560080

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1003/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)
केटी-23/35(1)(ii)(90)]

श्रीमती एस राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कलकत्ता, 13 जनवरी, 1994

INCOME TAX

S.O. 2370.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Academy of Science,
C. V. Raman Avenue,
Sadashivanagar,
Bangalore-560 080.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 1003/F. No. DG/IT(E)/KT-23/35(1)(ii) 90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

आयकर

का. आ. 2371—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35 को उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि इन्डियन लॉ इन्स्टीट्यूट

भगवानदास रोड

नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 में 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (क) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करेगा।

[संख्या : 1004/एफ. सं. म. ति./आ. क. (छूट)

न दि-14/35(1)(iii)/90]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कलकत्ता, 13, जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2371.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rules 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

का. आ. 2372.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

NAME OF THE ORGANISATION

The Indian Law Institute,
Bhagwandas Road,
New Delhi-110 001.

संगठन का नाम

कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल
हूसीमपुर रोड
इलाहाबाद-211002

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है ।

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisations. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना हैं ।

[No. 1004/F. No. DG/IT(E)/ND-44/35(1)(iii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

[संख्या : 1005 /एफ. सं. म. नि./भा. क. (छूट)/
न दि-98/35(1)(ii)/92]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th January, 1994

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2372.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Kamla Nehru Memorial Hospital,
Hasimpur Road,
Allahabad-211 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1005/F. No. DG/IT(E)/ND-98/35(1)(ii)/92]

SMT. S. RAY, Dy. Director

का. आ. 2373.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" श्रेणी के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रलग लेखा बहिया रखेगा ।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(ii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

बि फिसकल रिसर्च फाउन्डेशन,
एल-22, हीज आस एन्क्लेव,
नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना हों ।

[संख्या : 1006/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) नदि-
58/35(1)(iii)/92]

श्रीमति एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 18th January, 1994

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

S.O. 2373.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Fiscal Research Foundation,
L-22, Hauz Khas Enc.,
New Delhi-110 016.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-94.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisations. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1006/F. No. DG/IT(E)/ND-58/35(1)(iii)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

आयकर

का. आ. 2374.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भारती समकर्ता विद्या निकेतन
12, शंकर कुन्ज, गोविन्द नगर
बम्बई-400084

यह अधिसूचना दिनांक 11-8-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1007/एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट)एम-163/35(1)(iii)/93]

श्रीमति एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 18th January, 1994

कलकत्ता, 19 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2374.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Bharati Samakrta Vidya Niketanam,
12, Shanker Kunj,
Govind Nagar,
Bombay-400 084.

This Notification is effective for the period from 11-8-1992 to 31-3-1994.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1007/F. No. DG/IT(E)/M-163/35(1) (iii) 93]
MRS. S. RAY, Dy. Director

का. आ. 2375.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रवक्ता/आयकर महानिदेशक (छूट), उनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इण्डिया)
8, गोखले रोड
कलकत्ता-20

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिनियम/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या. : 1008/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/प.ब-25/35(1) (ii)/90]

श्रीमति एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 19th January, 1994

कलकत्ता, 20 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2375.--It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institution of Engineers (India),
8, Gokhale Road,
Calcutta-20.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

का. अ. 2376.--सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" वर्ग के के अधीन अनुमोदित किया गया है :--

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई शर्तों का पूर्णतः अनुपालन करने के लिए लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्डियन फाउण्डेशन
मिडलटन कोर्ट (प्रथम तल)
1/2 मिडलटन स्ट्रीट
कलकत्ता-71

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा वर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1009/एफ. सं. म. नि./प्र. क. (छूट)/पब-9/35(1)(ii)/89]

पी.सी. त्रिपाथी, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th January, 1994

कलकत्ता, 20 जनवरी, 94

INCOME TAX

आयकर

SO. 2376.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Indian Foundrymen,
Middleton Court (1st Floor),
A/2, Middleton Street,
Calcutta-71.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

का.आ. 2377.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति '(क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कन्ज्यूमर एजुकेशन एण्ड रिसर्च सेन्टर,
"सुरक्षा सेनकुल",
अहमदाबाद-गांधीनगर हाईवे
याल्टी।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1010 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)जी-8/
(35) (1) (iii)-89]
पी.सी. विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th January, 1994

कलकत्ता, 20 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2377.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110 016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Account's and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Consumer Education & Research Centre,
"Suraksha Sankool",
Ahmedabad—Gandhinagar Highway,
Thalty.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1010/F. No. DG/IT(E)/G-8/35(1)(iii)/89]

P. C. BISWAS, Dy. Director

2005 GI/94—10

का.आ. 2378 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयुक्त महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित प्राय-अपव डिवाइज को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दिरिसर्च सोसाइटी, ग्रान्ट मेडिकल कालेज एण्ड जे.जे. ग्रुप आफ हास्पिटल, बाम्बे फ्रंट विंग, द्वितीय तल, (स्किन, एवं बी डी डिपार्टमेंट), जे.जे. कैम्पस, बाईकुला, बम्बई-400008

यह अधिसूचना दिनांक 01-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1011/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) एम-84 / 35 (1) (ii)]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 20th January, 1994

कलकत्ता, 24, जनवरी 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2378.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Research Society,
Grant Medical College & J. J. Group of
Hospitals,
Bombay,
Front Wing,
2nd Floor of Skin & VD Deptt. J. J. Campus,
Byculla,
Bombay-400 008.

This Notification is effective for the period from 01-04-1993 to 31-3-1994.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1011/F. No. DG/IT(E)/M-84/35(1) (ii)]

R. SINGH, Dy. Director

का.आ. 2379 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डायामेटिक एसोसिएशन ऑफ इण्डिया,
मानेकजी वाडिया बिल्डिंग, प्रथम तल,
127, एम जी रोड, फोर्ट,
बम्बई-400001

यह अधिसूचना दिनांक 01-4-94 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1012/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)
एम-56/35(1) (ii)]
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक,

Calcutta, the 24th January, 1994

कलकत्ता, 24, जनवरी 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2379.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Diabetic Association of India,
Maneckji Wadia Building,
1st Floor, 127, M. G. Road,
Fort, Bombay-400 001.

This Notification is effective for the period from 01-04-1994 to 31-03-1995.

NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1012|F. No. DG|IT(E)|M-56|35(1) (ii)]
R. SINGH, Dy. (Exemptions)

का.आ. 2380 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखापरीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नागरी आई रिसर्च फाउन्डेशन,
सी एच नागरी म्यूनिसिपल आई हॉस्पिटल,
एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1013/ एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) जी-46/
35(1) (ii) (91)]
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th January, 1994

कलकत्ता, 24 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2380.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nagri Eye Research Foundation,
CH Nagri Municipal Eye Hospital,
Ellisbridge,
Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1013/F. No. DG|IT(E)|G-46|35(1)(ii)91]
R. SINGH, Dy. Director

का.आ. 2381 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ माइनर्स हेल्थ
द्वारा पी जी एम एल हास्पिटल,
चैम्पियन रोफस पो.आ. के जी एफ,
पिन-563117 (बंगलौर)।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1014/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)केटी-28/
35(1)(ii)(90)]
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th January, 1994

INCOME-TAX

S.O. 2381.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Miners Health,
C/o B.G.M.L. Hospital,
Champion Reefs,
P.O. K.G.F.,
PIN-563 117,
Bangalore.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1014/F. No. DG/IT(E)/KT-28/35/(1)(ii)/90]
R. SINGH, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 27 जनवरी, 1994

का.आ. 2382:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

के जे पी रिसर्च फाउन्डेशन,
डोर नं. 7/85, चेमाला,
मेकमण्डपम, कन्याकुमारी,
तमिलनाडू-629166

यह अधिसूचना दिनांक 3-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1015/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/टीएन-52/35 (1)(ii) (91)]
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 27th January, 1994

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

S.O. 2382.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

KJP Research Foundation,
Door No. 7/85, Chemala,
Meckamandapam,
Kanyakumari Dist.,
Tamil Nadu-629 166.

This Notification is effective for the period from 3-4-1992 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

आयकर

का.आ. 2383.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टीट्यूट फार फाइनैसियल मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च
30, कोठारी रोड, पो.बो. नं. 3330
गुंगमबक्कम, मद्रास-600034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- (2) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1016/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/टी.एन-28
35(1)(iii)90]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

INCOME TAX

आयकर

S.O. 2383.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute for Financial Management & Research 30, Kothari Road,
P.B. No. 3330,
Nungambakkam,
Madras-600 034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance, for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1016/F. No. DG|(E)|TN-28|35(1) (iii)|90]

R. SINGH, Dy. Director

का.आ. 2384 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदन किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

स्वीकार रिहैबिलिटेशन इंस्टीट्यूट फार हैण्डिकैप्ड
उपकार मकिल,
पिकेट, सिकन्दराबाद-3

यह अधिसूचना दिनांक 13-12-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1017/एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट)—एपी-19/
35(i) (iii)/93]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2384.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sweekaar Rehabilitation Institute, for Handicapped,
Upkaar Circle,
Picket,
Secunderabad-3,
A.P.

This Notification is effective for the period from 13-12-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1017/F. No. DG/IT(E)/AP-19/35(1)(iii)93]

R. SIGH, Dy. Director

का.आ. 2385 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन, की आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-अधियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

तमिलनाडु यूनिवर्सिटी एण्ड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी
वेपेरे हार्ड रोड,
मद्रास-600007

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1018/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/टी.एन.42/
35(1)(ii) 90]

राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2385.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :—

का.भा. 2386 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधिन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

NAME OF THE ORGANISATION

संगठन का नाम

Tamil Nadu Veterinary and Animal Sciences University,
Vepery High Road,
Madras-600 007.

इन्डियन रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट लेबोरेट्री,
प्लॉट नं. 47, गांव-पेरुनगुडी,
मद्रास-600096

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 13-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[No. 1018/F. No. DG/IT(E)/TN-42/35(1)(ii)/90]

[संख्या : 1019/एफ.सं. म.नि./भा.क. (छूट) टी एन-15/
35(1)(ii)(89)]
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

SHRI R. SINGH, Dy. Director

Calcutta, the 28th January, 1994

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2386.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

का.भा. 2387 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित अधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

NAME OF THE ORGANISATION

संगठन का नाम

Indchem Research and Development Laboratory,
Plot No. 47,
Village : Perungudi,
Madras-600 096.

साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी एन्टरप्रेनर्स पार्क
गुलानवा इंजीनियरिंग कॉलेज
मुधियाना-141006

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

NOTES :

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है कि माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संदर्भ में लिए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[No. 1019]F. No. DG/IT(E)/TN-15/35(1)(ii)/89]
SHRI R. SINGH, Dy. Director

[संख्या : 1020/एफ.सं. म.नि. /आ.क. (छूट) पी-5/
35(1)(ii)/90]
राजेश्वर सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 1st Janury, 1994

कलकत्ता, 28 जनवरी, 1994

INCOME-TAX

आयकर

S.O. 2387.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions;

का.आ. 2388.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st Oct. each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

NAME OF THE ORGANISATION

Science & Technology Entrepreneurs' Park,
Guru Nanak Engineering College,
Ludhiana-141 006.

संगठन का नाम

इण्डियन नेशनल अकादमी ऑफ इंजीनियरिंग
द्वारा इस्टीमेशन ऑफ इंजीनियर्स (इण्डिया)
बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-110002

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

टिप्पणी : 1. उपयुक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[No. 1020/F. No. DG/IT(E)/P-5/35(1)(ii)90]

Ms. R SINGH, Dy. Director

[संख्या: 1021/एफ.सं. म. नि/आ. क. (छूट) एन डी-56/
35 (1) (ii) (90)]
राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th January, 1994

INCOME-TAX

S.O. 2388.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section 1 of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the Category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian National Academy of Engineering,
C/o Institution of Engineers (India),
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1021/F. No. DG/IT(E)/ND-56/35(1)(ii)/90]

MRS. R. SINGH, Dy. Director

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

मुख्यालय स्थापना

का.भा. 2389.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (कारबार संयवहार विनियमन) नियम, 1964 के नियम 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के सदस्य एवं भारत सरकार के पदेन अपर सचिव श्री टी.एस. श्रीनिवासन को तारीख 13 जुलाई, 1994 पूर्वाह्न से भ्रमला आदेश होने तक केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए-19011/1/93-प्रशा. I]

रमेश कुमार, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th July, 1994

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

S.O. 2389.—In exercise of the powers conferred by Rule 3 of the Central Board of Direct Taxes (Regulation of Transaction of Business) Rules, 1964, the Central Government hereby appoints Shri T. S. Srinivasan, Member, Central Board of Direct Taxes and ex-officio Additional Secretary to the Government of India, as Chairman of the Central Board of Direct Taxes with effect from the forenoon of the 13th July, 1994 and until further orders.

[F. No. A-19011/1/93-Ad. I]

RAMESH KUMAR, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1994

का.भा. 2390.—सामान्य भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उपर्युक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्न लिखित सरकारी संस्थान का नाम शामिल करती है; अर्थात्

"जवाहर लाल नेहरू उच्च वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र"
[संख्या 4(1)—संस्था की/92(I)]

बी. सेकर, उप सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 9th August, 1994

S.O. 2390.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act the name of the following public institution, namely :—

"JAWAHARLAL NEHRU CENTRE FOR ADVANCE SCIENTIFIC RESEARCH".

[No. 4(1)-EV/92(I)]
V. SEKAR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1994

का.भा. 2391.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 2 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निर्देश देती है कि उपर्युक्त अधिनियम के उपबंध (धारा 6-क को छोड़कर) "जवाहर लाल नेहरू उच्च वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र" जिसे उपर्युक्त अधिनियम की अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया गया है, के कर्मचारियों के लाभार्थ स्थापित भविष्य निधि पर लागू होंगे।

[सं. 4(1)-संस्था.वी/92(II)]

वी. सेकर, उप सचिव

New Delhi, the 9th August, 1994

S.O. 2391.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (except Section 6-A) shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the 'JAWAHARLAL NEHRU CENTRE FOR ADVANCE SCIENTIFIC RESEARCH' specified in the Schedule of the said Act.

[No. 4(1)-E.V/92(II)]
V. SEKAR, Dy. Secy.

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.भा. 2392.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 119 की उपधारा (2) के खण्ड (क) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निम्नलिखित श्रेणी के करदाताओं के संबंध में धारा 139 की उपधारा (i) के अंतर्गत स्पष्टीकरण के प्रयोजनों के लिए कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 के संबंध में वेय तारीख 31 अक्टूबर, 1994 विनिर्दिष्ट करता है:—

कर निर्धारितियों की श्रेणी

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44 कख के प्रावधानों के अनुसार कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 के संबंध में 31-3-1994 को समाप्त पिछले वर्ष के लिए जिन फर्मों को अपने लेखों की लेखा परीक्षा कराना आवश्यक है, उनमें आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40 के खण्ड (ख) के उपखण्ड (v) के अधीन स्पष्टीकरण (4) में यथापरिभाषित कार्यशील भागीदारों के संबंध में यह प्रावधान किया गया है कि भागीदारी विलेख की शर्तों के अनुसार या उसके द्वारा यथा प्राधिकृत ऐसी फर्मों से 31-3-1994 को समाप्त पिछले वर्ष के लिए उक्त कार्यशील भागीदार पारिश्रमिक प्राप्त करने के हकदार हैं और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40 के खण्ड (ख) के उपखण्ड (iv) के अधीन स्पष्टीकरण (3) में यथा परिभाषित खातालाभों के एक हिस्से के रूप में उक्त पारिश्रमिक देय है।

[अधिसूचना सं. 9591/फा.सं. 220/6/93-आयकर नि.-II]

जी. मुथुरामाकृष्णन्, निदेशक

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2392.—In exercise of the powers conferred under clause (a) of sub-section (2) of Section 119 of the Income-tax Act, 1961, the Central Board of Direct Taxes hereby specifies the due date for the purposes of the Explanation under sub-section (1) of Section 139 as 31st October, 1994 in respect of the following class of assesses for the assessment year 1994-95.

CLASS OF ASSESSEES

The working partners as defined in Explanation (4) under sub-clause (v) of clause (b) of Section 40 of the Income-tax Act, 1961, in firms which are required to get their accounts audited in respect of the previous year ended 31-3-1994 relevant to the assessment year 1994-95 in accordance with the provisions of Section 44AB of the Income-tax Act, 1961, provided that such working partners are entitled to receive remuneration for the previous year ended 31-3-1994 from such firms, as authorised by or in accordance with the terms of the partnership deed and the said remuneration is payable as a proportion of the book profits as defined in Explanation (3) under sub-clause (v) of clause (b) of Section 40 of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 9591/F. No. 220/6/93-ITA. II]

G. MUTHURAMAKRISHNAN, Director.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1994

का० भा० 2393.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ) के प्रासंगिक प्रयोजनों के लिए प्रयोग नियम 10, (4) के अनुसार में नेहरू युवा केन्द्र संगठन, नई दिल्ली जिसके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया, अधिसूचित करती है।

[सं. 3-7/94-हि. ए.]

आशा स्वारूप, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs & Sports)

New Delhi, the 12th August, 1994

S.O. 2393.—In pursuance of rule 10(4) of the Official Language (use of official purposes of the Union) Rule 1976, the Central Government hereby notifies the Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi.

[F. No. 3-7/94-H.U.]

ASHA SWAROOP, Jt. Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का. भा. 2394 :—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 571 तारीख 26 फरवरी, 1994, द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उस अधिनियम से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय को घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र की अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 अप्रैल, 1994 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार में सजम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है—

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है—

और केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आगे यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विस्तारों से मुक्त, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा :—

अनुसूची

तहसील:	मानसा	जिला : मानसा	राज्य : पंजाब			
गांव का नाम	हबबस्त नं.	मुस्तसील/किला सं.	अंश	दूँडर आरे	सेंटीघारे	
1	2	3	4	5	6	
जोगा	8	6				
		16	00	00	76	
		25	00	01	01	
		25				
		5	00	01	01	
		6/2	00	01	01	
		15/1	00	00	51	

[संख्या आर—31015/13/93—ओ. आर.—I]

जे.के. मायल, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2394:—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 571, dated the 26th February, 1994, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land)

Act, 1962 (50 of 1962), hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 12th April, 1994;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;

SCHEDULE

Tehsil : Mansa District : Mansa State : Punjab.

Name of Village	Hadbast No.	Mustateel/ Killa No.	Area			
			Hect.	Are	Centiare	
1	2	3	4	5	6	
Joga	8	6	16	00	00	76
			25	00	01	01
			25			
			5	00	01	01
			6/2	00	01	01
			15/1	00	00	51

[No. R-31015/13/93-O.R. I]

J.K. MAYALL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1994

का. भा. 2395 :—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 2427 तारीख 13-11-93 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने हेतु उक्त अधिनियम से उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय को घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 23 नवम्बर, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार में सजम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्थन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना के उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लगनों से रहित, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील—मसीराबाद	जिला : अजमेर	राज्य : राजस्थान		
गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र	हेक्टेयर आरे	सेंटी आरे
1	2	3	4	5
रामसर	7944	0	00	44
	7931	0	18	92
	7932	0	04	73
	7921	0	13	31
	7922	0	00	22
	7924	0	01	65
	7916	0	00	11
	7912	0	07	26
	7913	0	08	03
	7914	0	03	74
	7886	0	01	10
	7879	0	08	14
	7875	0	00	66
	7874	0	04	62
	7873	0	02	64
	7872	0	00	44
मावशिया	296	0	03	96
	294	0	01	87
	299	0	05	83
	300	0	01	87
	298	0	00	99
	401	0	00	66
	400	0	04	73
	399	0	01	43
	398	0	07	37
	397	0	00	55
	392	0	08	69
	390	0	05	61
	393	0	04	51
	386	0	02	97

1	2	3	4	5
मावशिया	385	0	00	11
	344	0	08	69
	345	0	00	11
	346	0	00	33
	351/1	0	03	74
	351/2	0	00	11
	350	0	03	85
	690	0	01	32
	1636	0	04	73
	1496	0	00	88
	1503	0	03	74
	1502	0	01	32
	1504	0	05	28
	1505	0	03	74
	1506	0	01	76
	1507	0	05	17
	1560	0	05	17
	1525	0	09	46
	1524	0	08	36
	1523	0	01	54
	1521	0	07	48
	1535/1	0	06	60
	1564	0	05	94
	1539	0	04	07
	1563	0	08	80
	1553	0	05	50
	1554	0	05	06
	1552	0	02	86
	1551	0	08	58
	1547/1	0	07	92
	1548	0	00	44
नेपोली	1	0	03	30
	2	0	37	62
सूरजपुरा	363	0	11	44
	364	0	06	82
	426	0	07	22
	431	0	07	37
	429	0	06	38
	447	0	06	93
	498	0	04	29
	457	0	06	60
	458	0	03	19
	814	0	02	42
	816	0	04	62
	815	0	06	27
	821	0	00	22

सद्वर्ग : मिशनगढ़	जिला : जयमेर	राज्य : राजस्थान	1	2	3	4	5	
पक्ष का नाम	बसरा नम्बर	क्षेत्रफल						
		हेक्टेयर	मारे	वर्गमीटर				
प्राकटिका	1680	0	18	48	87	0	09	68
	1683/1	0	48	75	95	0	09	68
	1684	0	04	40	97	0	08	58
	1689/1	0	07	48	99/2	0	00	22
					100	0	00	88
भोराबरपुरा					101/1	0	02	42
					101/2	0	00	11
					73	0	05	39
					783/1	0	01	10
	606	0	10	34	904/1	0	10	01
	604	0	04	07	903	0	04	18
	603	0	04	07	902	0	10	23
	24	0	02	20	897	0	05	72
	14	0	05	06	896	0	01	98
	12	0	14	52	895	0	06	60
	13	0	01	10	905/2	0	15	40
	21	0	15	95	907	0	02	20
	36	0	21	34	908/1	0	15	18
	34	0	01	65	965	0	00	99
	60	0	04	62	966	0	06	82
	59	0	04	51	967	0	00	66
	58	0	02	42	984	0	17	49
	64	0	00	88	983	0	05	83
	66	0	19	47	982	0	05	83
	732	0	28	16	981	0	04	95
	75	0	02	64	996	0	01	43
119	0	05	39	997	0	39	71	
117	0	03	63					
121	0	05	50					
120	0	06	27					
कोठियाणा	255	0	07	15	287	0	06	16
	256	0	00	66	291	0	09	57
	257	0	08	91	292	0	04	40
	259	0	19	14	289	0	08	58
	269	0	09	35	301	0	01	87
	270	0	01	87	299	0	09	90
	268	0	02	64	304	0	01	10
	266	0	04	40	306	0	07	70
	260	0	14	52	314	0..	26	84
	267	0	20	02	316	0	18	48
	272	0	16	17	317	0	00	55
	273	0	27	83	228	0	15	84
	250	0	06	49	226	0	04	84
	251	0	07	15	225	0	08	14
	249	0	04	73	229	0	02	31
	248	0	01	10	215	0	00	88
	282	0	23	10	214	0	03	41
	223	0	05	83	213/6	0	08	47
	221	0	01	76	196	0	08	91
	222	0	00	66	212	0	03	52
	137	0	01	76	210	0	11	22
126	0	02	75	209/2	0	03	14	
125	0	01	21	206/1/14	0	05	17	
123	0	08	03	121	0	01	10	
89	0	00	88	113/2	0	15	62	

1	2	3	4	5
श्रीरोता	116	0	00	44
	117	0	14	52
	118	0	01	10
	112	0	10	12
	111	0	00	44
	110	0	01	10
	109	0	00	33
	102	0	22	44
	100	0	01	76
	101	0	15	18
	89	0	28	71
	90	0	09	35
	84	0	07	37
	45	0	00	55
	46	0	07	37
	47	0	48	51
हसुक	813/1136	0	10	56
	816	0	21	78
	814	0	08	58
	798	0	42	20
	798/1131	0	02	64
	62/1118	0	03	74
	61	0	07	70
	793	0	00	22
	76	0	07	37

[संख्या भार 31015/40/93-ओ प्रार-1]

जे. के. मायन, अध्वर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2395.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2427 dated the 13th November, 1993 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on 23rd November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government,

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;

SCHEDULE

Tehsil : Nasirabad District : Ajmer State : Rajasthan

Name of Village	Khasra No.	Area		
		Hect.	Acre	Centiar.
1	2	3	4	5
Ramsar	7944	0	00	44
	7931	0	18	92
	7932	0	04	73
	7921	0	13	31
	7922	0	00	22
	7924	0	01	65
	7916	0	00	11
	7912	0	07	26
	7913	0	08	03
	7914	0	03	74
	7886	0	01	10
	7879	0	08	14
	7875	0	00	66
	7874	0	04	62
	7873	0	02	64
Mawasiya	7872	0	00	44
	296	0	23	96
	294	0	01	87
	299	0	05	83
	300	0	01	87
	298	0	00	99
	401	0	00	66
	400	0	04	73
	399	0	01	43
	398	0	07	37
	297	0	00	55
	392	0	08	69
	390	0	05	61
	393	0	04	51
	386	0	02	97
	385	0	00	11
	344	0	08	69
	345	0	00	11
	346	0	00	33
	351/1	0	03	74
	351/2	0	00	11
	350	0	03	85
	690	0	01	32
	1636	0	04	73
	1496	0	00	88
	1503	0	03	74
	1502	0	01	32
	1504	0	05	28
	1505	0	03	74
	1506	0	01	76
	1507	0	05	17
	1560	0	05	17
	1525	0	09	46
	1524	0	08	36
	1523	0	01	54
	1521	0	07	48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Mawasiya	1535/1	0	06	60	Gothiyana	268	0	02	64
	1564	0	05	94		266	0	04	40
	1539	0	04	07		260	0	14	52
	1563	0	08	80		267	0	20	02
	1553	0	05	50		272	0	16	17
	1554	0	05	06		273	0	27	83
	1552	0	02	86		250	0	06	49
	1551	0	08	58		251	0	07	15
	1547/1	0	07	92		249	0	04	73
	1548	0	00	44		248	0	01	10
NePoll	1	0	03	30		282	0	23	10
	2	0	37	62		223	0	05	83
Surajpura	363	0	11	44		221	0	01	76
	364	0	06	82		222	0	00	66
	426	0	07	22		137	0	01	76
	431	0	07	37		126	0	02	75
	429	0	06	38		125	0	01	21
	447	0	06	93		123	0	08	03
	498	0	04	29		89	0	00	88
	457	0	06	60		87	0	09	68
	458	0	03	19		95	0	09	68
	814	0	02	42		97	0	08	58
	816	0	04	62		99/2	0	00	22
	815	0	06	27		100	0	00	88
	821	0	00	22		101/1	0	02	42
						101/2	0	00	11
						73	0	05	39
Tehsil : Kishangarh Distt. Ajmer State : Rajasthan						783/1	0	01	10
Name of Village	Khasra No.	Area				904/1	0	10	01
		Hect.	Are	Centiare		903	0	04	18
						902	0	10	23
Ankodiya	1680	0	18	48		897	0	05	72
	1683/1	0	46	75		896	0	01	98
	1684	0	04	40		895	0	06	60
	1689/1	0	07	48		905/2	0	15	40
Jorawarpura	606	0	10	34		907	0	02	20
	604	0	04	07		908/1	0	15	18
	603	0	04	07		965	0	00	99
	24	0	02	20		966	0	06	82
	14	0	05	06		967	0	00	66
	12	0	14	52		984	0	17	49
	13	0	01	10		983	0	05	83
	21	0	15	95		982	0	05	83
	36	0	21	34		981	0	04	95
	34	0	01	65		996	0	01	43
	60	0	04	62		997	0	39	71
	59	0	04	51	Jheerota	287	0	06	16
	58	0	02	42		291	0	09	57
	64	0	00	88		292	0	04	40
	66	0	19	47		289	0	08	58
	73/2	0	28	16		301	0	01	87
	75	0	02	64		299	0	09	90
	119	0	05	39		304	0	01	10
	117	0	03	63		300	0	07	70
	121	0	05	50		314	0	26	84
	120	0	06	27		316	0	18	48
Gothiyana	255	0	07	15		317	0	00	55
	256	0	00	66		228	0	15	84
	257	0	08	91		226	0	04	84
	259	0	19	14		225	0	08	14
	269	0	09	35		229	0	02	31
	270	0	01	87		215	0	00	88
						214	0	03	41
						213/6	0	08	47

1	2	3	4	5
Jhcerota	196	0	08	91
	212	0	03	52
	210	0	11	22
	209/2	0	03	14
	206/1/14	0	05	17
	121	0	01	10
	113/2	0	15	62
	116	0	00	44
	117	0	14	52
	118	0	01	10
	112	0	10	12
	111	0	00	44
	110	0	01	10
	109	0	00	33
	102	0	22	44
	100	0	01	76
	101	0	15	18
	89	0	28	71
	90	0	09	35
	84	0	07	37
	45	0	00	55
	46	0	07	37
	47	0	48	51
	813/1136	0	10	56
	816	0	21	78
	814	0	08	58
	798	0	42	20
	798/1131	0	02	64
	62/1118	0	03	74
	61	0	07	70
	793	0	00	22
	76	0	07	37

[No. R-31015/40/93-OR.I]

J.K. MAYALL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1994

का.आ. 2396 -- केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना स. का.आ. 2428 तारीख 13 नवम्बर, 1993, द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के पर्याप्तार्थ उस अधिसूचना में वर्णित भूमि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने प्राण्य की घोषणा की थी।

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां तबता का तारीख 23 नवम्बर, 1993 का उपलब्ध करा दी गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में गणन प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है:

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना में वर्णित भूमि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए:

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में वर्णित भूमि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है:

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, जारी यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार से निर्दिष्ट होने के बजाए सभी विस्तारों में मुक्त, होकर इंडियन प्रायन कार्पोरेशन लिमिटेड से निर्दिष्ट होगा :-

अनुसूची

महसील : बावल	जिला : रेवाड़ी	राज्य : हरियाणा
गांव का नाम	हदबस्तान	मुस्तौल
	किताब	क्षेत्र
		हैक्टर आरे सेंटीमारे
प्रागपुरा	3	36 00 01 26

[संख्या आर-31015/41/93-ओआर-I]

ज.क. मायल, अवर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2396.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2428, dated the 13th November, 1993, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 23rd November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of the user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited :—

SCHEDULE

Tehsil : Bawal District : Rewari State : Haryana

Name of Village	Had- bast No.	Musta- teel/ Killa No.	Hec- Are	Are Cent- tiare
1	2	3	4	5
Pragpura	3	36	00	01 26

[No. R-31015/41/93-O.R.-I]

J.K. MAYALL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1994

क्र.सं. 2397 --केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में चाकसु से हरियाणा राज्य में पानीपत तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन ओयल कॉर्पोरेशन द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए:

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अधिसूचना से उपायुक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आग्रह की घोषणा करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिराजना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 21 दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने सम्बन्धी लिखित रूप में आक्षेप श्री आर पी कोशिक, सहाय प्राधिकारी, हरियाणा, कोठी नम्बर 1158, सैक्टर-13, अर्बन एस्टेट, करनाल, हरियाणा, को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : रिवाड़ी	जिला : रिवाड़ी	राज्य : हरियाणा			
शॉव का नाम	हदबस्त न.	सूचनात्मक विधान	क्षेत्र	हेक्टर आरे सेटीमारे	
1	2	3	4	5	6
मिन्धोखर	113	339	00	00	51
बांग	238	13			
		6	00	10	62
		15	00	11	13
		16	00	10	88
		25	00	04	05
		14			
		10	00	01	26

तहसील : मज्जर	जिला : रोहतक	राज्य : हरियाणा			
मज्जर	000	348			
		1/3/2	00	00	06
		613	00	06	83

तहसील : रोहतक	जिला : रोहतक	राज्य : हरियाणा			
कुलताना	16	337	00	06	32
इस्माईला	38	158	00	05	56
9 बिसवा					

तहसील : गाहना	जिला : सोनीपत	राज्य : हरियाणा			
1	2	3	4	5	6
गिबाना	71	119	00	03	79
मेसवाल	68	108			
कला मिठान		10	00	07	09
नायत	62	61			
		9	00	02	28

तहसील : पानीपत	जिला : पानीपत	राज्य : हरियाणा			
बुपाना लाख	86	72			
		18	00	05	06
कायथ	91	48			
		3	00	09	36
कासबा	41	18			
		5	00	06	83
		6	00	09	37
		41			
		3	00	02	78
		8	00	09	36
		18	00	10	12
		13	00	03	79
		19	00	02	53
		22/2	00	02	78
		23	00	00	25

गुलाना	23	66			
		15	00	01	26
		16	00	01	77
भामन खुर्द	22	24			
		22	00	09	11
		34			
		2	00	06	58
उटली	41	11			
		22	00	06	07
कारद	64	92			
		10	00	06	83
		122			
		3	00	02	28
गानपुर	89	20			
		0	00	00	03
आसन कला	21	198	00	01	52

[संकेत : आर 310 5/11/93-आ/आआई (पार्ट-1)]

ज.क.सायन, अवर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2397.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum for Chaksu in the State of Rajasthan to Panipat in the State of Haryana pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited :

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in

the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein of laying of the pipeline under the land to Shri R. P. Kaushik, Competent Authority, Kotbi No. 1158 Sector-13, Urban Estate, Karnal.

SCHEDULE

Tehsil : Rewari District : Rewari State : Haryana					
Name of Village	Had- bast No.	Mus- tateel/ Killa No.	Area Hec- tare	Are Cent-	Cent-
1	2	3	4	5	6
Gindokhar	113	339	00	00	51
Chang	238	13			
		6	00	10	62
		15	00	11	13
		16	00	10	88
		25	00	04	05
		14			
		10	00	01	26

Tehsil : Jhajjar District : Rohtak State : Haryana					
Jhajjar	100	348			
		1/3/2	00	00	06
		613	00	06	83

Tehsil : Rohtak District : Rohtak State : Haryana					
1	2	3	4	5	6
Kullana	16	337	00	06	32
Jsmayila 9 Biswa	38	158	00	05	56

Tehsil : Gohana District : Sonapat State : Haryana					
Giwana	74	119	00	03	79
Bhainswal	68	108			
Kalan Mithan		10	00	07	59
Nayat	62	61			
		9	00	02	28

Tehsil : Panipat District : Panipat State : Haryana					
1	2	3	4	5	6
Bowana Lakhu	86	72			
		18	00	05	06
Kayath	91	48			
		3	00	09	36
Kalkha	41	18			
		5	00	06	83
		6	00	09	36
		44			
		3	00	02	78
		8	00	09	36
		18	00	10	12
		13	00	03	79
		19	00	02	53
		22/2	00	02	78
		23	00	00	25
Sutana	23	66			
		15	00	01	26
		16	00	01	77
Asan Khurd	22	24			
		22	00	09	11
		34			
		2	00	06	58
Untla	44	14			
		22	00	06	07
Karad	64	92			
		10	00	06	83
		122			
		3	00	02	28
Shahpur	89	20			
		9	00	00	03
Asan Kalan	21	198	00	01	52

[No. R-31015/41/93-O.R. I (Pt. I)]

J. K. MAYALL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 मितम्बर, 1994

का.श्रा. 2398 —केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के राजपत्र, भाग-II खंड-3, उपखंड (ii) पृष्ठ 1318 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.श्रा. 1016 तारीख 30 अप्रैल, 1994 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह लाया गया है कि राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना में मुद्रण प्रकृति की कुछ गलतियाँ हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है:—

पृष्ठ संख्या 1350 ग्रहरी गांव के किला संख्या 24/20/3 के ऊपर, तहसील का नाम 'सज्जर' जिला का नाम 'रोहतक' और राज्य का नाम 'हरियाणा' निवेश करें।

पृष्ठ संख्या 1352 भैसवाल कलां मीठान गांव के स्तम्भ 2 के नीचे, हदबस्त संख्या '6' के स्थान पर '68' पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1351 छारा गांव के स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या "20/19/3" के स्थान पर "6720/19/3" पढ़ें।

ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत उपरोक्त संशोधन जारी किया गया है, हितवध कोई व्यक्ति उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के निबंधनों के अनुसार उक्त भूमि के सम्पूर्ण या किसी भाग के या ऐसी भूमि में या उस पर के किसी अधिकार के अर्जित किए जाने के संबंध में आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, 1158, सेक्टर-13, नगर सम्पदा, करनाल (हरियाणा) को कर सकेगा।

स्पष्टीकरण — इस अधिसूचना के द्वारा संशोधित भूमियों, खसरा सं. और क्षेत्रफल की बाबत ही उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के निबंधनों के अनुसार इक्कीस दिन की उक्त अवधि उस तारीख से आरम्भ होती है यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन के पश्चात् जनता को जिसको उपलब्ध करा दी जाती है।

[सं. गार-31015/2/94-ओ गार-]]

जे.के. मायल, अवसर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1994

S.O. 2398.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1016, dated 30th April, 1994, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at page 1355 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands specified in the Schedule appended to this notification;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby amends the schedule appended to the said notification as follows:—

At page 1355, in village Qutabpur Maula, in column 2, for hadbast No. '31' read '131';

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may within twenty one days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land or any right in or over such land in terms of sub-section (1) of Section 5 of the said Act.

Explanation.—In respect of the lands, killa Hadbast no. and area amended through this notification only, the said period of twenty one days in terms of sub-section (1) of Section 5 of the said Act starts running from the date of notification is made available to the public after publication in the Gazette.

[No. R-31015/2/94-O.R. II

J. K. MAYALL, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2399 —भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1660, तारीख 30 जून, 1994 की उद्देशिका में "का प्रयोग करने हुए" शब्दों से आरंभ होने वाले और "नामनिर्दिष्ट करती है और" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर "के अनुसरण में और परिषद् द्वारा यह सूचित किए जाने पर कि डा. भास्करानंद रे चौधरी को कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 21 मार्च, 1994 से परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है" शब्द रखे जाएंगे।

2. नीचे के पैरा में "डा. भास्कर नंद रे चौधरी" के स्थान पर "डा. भास्करानंद रे चौधरी" पढ़ें।

[फा. सं.वी. 11013/9/94-एम.ई. (यूजी)

एस.के. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2399.—In the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare notification No. S.O. 1660 dated the 30th June, 1994, in the preamble for the portion beginning with the words "hereby nominates and ending with the words "Medical Council of India and makes" the words, "on being informed by the Council that Dr. Bhaskarananda Ray Chaudhuri has been elected by the Calcutta University to be a Member of the Council with effect from the 21st March, 1994 and hereby makes shall be substituted.

[F. No. V. 11013/9/94-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का.आ. 2400 —केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयु-विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (i) के खंड (क) के अनुसरण में और त्रिपुरा सरकार के परामर्श से, डा. एल. डी. कुन्डू, संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, त्रिपुरा सरकार को इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से भारतीय आयु-विज्ञान परिषद् का सदस्य नामनिर्दिष्ट करती है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्ध के अनुसरण में, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, धारा 3(1)(क) के अधीन नाम-निर्दिष्ट शीर्ष के नीचे क्रम संख्याक 21 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्याक और प्रविष्टियाँ अंतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“22, डा. एल.डी. कुण्ड,
संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,
त्रिपुरा सरकार,
अगर्ताला”।

[सं.वी. 11013/27/94-एम.ई. (यू.जी.)]

एम.के. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2400.—Whereas the Central Government in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Tripura have nominated Dr. L. D. Kundu, Joint Director of Health Services, Government of Tripura to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this notification ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the then Ministry of Health number S.O. 138 dated 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Nominated under section 3(1)(a)” after the serial number 21 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

“22. Dr. L. D. Kundu,
Joint Director of Health Services,
Government of Tripura,
Agartala.”

[No. V. 11013/27/94-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का.आ. 2401 --भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में, डा. सुरेन्द्र कुमार सिन्हा, आयुर्विज्ञान के प्राध्यापक, पटना आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, पटना को, बिहार सरकार द्वारा डा. ए.के. एन. सिन्हा के स्थान पर तारीख 16-12-1997 तक की शेष अवधि के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का भदम्य नामनिर्दिष्ट किया गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के

अनुसरण में, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 2 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट” शीर्ष के नीचे क्रम संख्याक 13 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“13. डा. सुरेन्द्र कुमार सिन्हा
आयुर्विज्ञान के सह-प्राचार्य,
पटना आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, पटना।”

[सं. वी. 11013/26/94 एम ई (यू.जी.)]

एम.के. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2401.—Whereas in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. Surendra Kumar Singa, Associate Professor of Medicine, Patna Medical College, Patna has been nominated by the Government of Bihar to be a member of the Medical Council of India in place of Dr. A. K. N. Sinha for the remaining period upto 16-12-1997;

Now, therefore in pursuance of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the then the Ministry of Health number S.O. 138 dated 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading ‘Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3, for serial number 13 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“13. Dr. Surendra Kumar Sinha,
Associate Professor of Medicine,
Patna Medical College,
Patna.”

[No. V. 11013/26/94-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

का.आ. 2402 --केन्द्रीय सरकार, बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) की धारा 99 की उपधारा (2) के खंड (क) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निदेश देती है कि बहुराज्य सहकारी सोसाइटी (विशेषाधिकार, संपत्ति और निधियाँ, लेखा, लेखापरीक्षा, परिसमापन तथा डिक्रियों, आदेशों और विनिश्चयों का निष्पादन) नियम, 1985 के नियम 5 के खंड (क) के उपबंध सारकत को अपरेटिव दैक लिमिटेड,

मुम्बई को इस उपांतरण के साथ लागू होंगे कि उक्त बैंक अपने प्लेटिनम जयंती वर्ष की स्मृति में 31 मार्च, 1993 को समाप्त होने वाले वर्ष के शुद्ध लाभ में से अपनी समादित शेयर पूंजी पर उक्त नियम 5 के खंड (क) में विनिर्दिष्ट लाभांश से अधिक तीन प्रतिशत अनिवार्य लाभांश की घोषणा कर सकेगा और अपने शेयर धारकों को उसका संदाय कर सकेगा।

[फा. सं. आर.-11017/1/90-एल एंड एम.]

भगत सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture & Coopn.)

ORDER

New Delhi, the 31st August, 1994

S.O. 2402.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (2) of section 99 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984), the Central Government hereby directs that the provisions of clause (a) of rule 5 of the Multi-State Co-operative Societies (Privileges, Properties and Funds, Accounts, Audit, Winding up and Execution of Decrees, Orders and Decisions), Rules 1985 shall apply to the Saraswat Co-operative Bank Limited, Bombay, with the modification that the said bank may declare and pay to its shareholders an additional dividend of three percent on its paid up share capital, out of the net profits for the year ending 31st March, 1993, to mark its Platinum Jubilee year, over and above the dividend specified in clause (a) of the said rule 5.

[F. No. R-11017/1/90 I&M]

BHAGAT SINGH, Jt. Secy.

शहरी विकास मंत्रालय

(विल्ली प्रभाग)

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2403—यतः, निम्नांकित क्षेत्रों के बारे में कतिपय संशोधन, जिन्हें केन्द्र सरकार अर्थावर्णित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली बृहद् योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1956 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 7-8-93 के नोटिस संख्या एक. 20(1) 93-एम पी द्वारा प्रकाशित किये गये थे जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उप-धारा (3) में अपेक्षित आपत्तियाँ सुझाव, उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में आमंत्रित किए गए थे।

और यतः प्रस्तावित संशोधनों के बारे में जनता से कोई आपत्तियाँ और सुझाव नहीं प्राप्त हुए हैं, और अतः केन्द्र सरकार ने दिल्ली बृहद् योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः, अब, केन्द्र सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से विल्ली की उक्त बृहद् योजना में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

संशोधन :—

3. उप-जोन (एम.ओ.आर. पाकिट नं. 49, 58 और 104 कालकाजी) में आने वाला 6.1 हेक्टेयर (15.07 एकड़) क्षेत्रफल के भूमि उपयोग को निम्नलिखित विवरण के अनुसार “मनोरंजनात्मक” से “आवासीय” में परिवर्तित किया जाता है :—

(i) पाकिट नं. 49, जो कि उत्तर में जिला पार्क, दक्षिण में “एम.ओ.आर. पाकिट नं. 104, पूर्व में जिला पार्क और पश्चिम में आवासीय क्षेत्र” एवं स्कूल से घिरी हुई है।

(ii) पाकिट नं. 58, जो कि उत्तर में जिला पार्क, दक्षिण में “लाइट मैनुफैक्चरिंग”, पूर्व में 45 मी. (150) चौड़ी सड़क और पश्चिम में एम.ओ.आर. पाकिट नं. 104 से घिरी हुई है।

(iii) एम.ओ.आर. पाकिट नं. 104, जो कि उत्तर में एम.ओ.आर. पाकिट, दक्षिण में “आवासीय क्षेत्र” पूर्व में “लाइट मैनुफैक्चरिंग” एवं मनोरंजनात्मक और पश्चिम में आवासीय एवं 18 मी. (60) चौड़ी सड़क से घिरी हुई है।

[संख्या के-13011/4/90-डी डी 1 बी]

एस.सी. सागर, अवर सचिव

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT
(Delhi Division)

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2403.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposed to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(1) 93-MP dated 7-8-93 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1956 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objections/suggestions were received from the public with regard to the said proposed modifications and whereas the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

MODIFICATION

The land use of the area measuring 6.1 ha. (15.07 acres) falling in sub-zone (MOR Pocket Nos. 49, 58 and 104, Kalkaji) is changed from 'recreational' to 'residential' as per the details below :

(i) Pocket No. 49, bounded by District Park in the North MOR Pocket No. 104 in the South, District Parks in the East and 'residential area' and school in the West.

(ii) Pocket No. 58, bounded by District Park in the North 'light manufacturing' in the South, 45 mt. (150') wide road in the East and MOR Pocket No. 104 in the West.

(iii) MOR Pocket No. 104 bounded by MOR pocket in the North, 'residential area' in the South, 'light manufacturing' and 'recreational' in the East and 'residential' and 18 mt. (60' wide) road in the West.

[No. K-13011/4/90-DDIB]

S. C. SAGAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का.आ. 2404—यन: निम्नांकित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन, जिन्हें केन्द्रीय सरकार अधिवर्णित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली वृहद् योजना क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास अधिनियम 1956 (1957 का 61) की धारा 44 के प्राक्धानों के अनुसार दिनांक 1-1-94 के नोटिस संख्या एफ.-20 (4)-93 एमपी द्वारा प्रकाशित किये गये थे जिसमें उक्त अधिनियम, की धारा 11-क की उपधारा (3) में अपेक्षित आपत्तियाँ संभाव्य, उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में आमंत्रित किए गए थे।

और यन: प्रस्तावित संशोधनों के बारे में कोई आपत्तियाँ और सूझाव प्राप्त नहीं हुए हैं, अतः केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली वृहद् योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त वृहद् योजना में एतद् द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

संशोधन:—

“शहरी विस्तार में आने वाले और पश्चिम में जी.टी. कर्नाल रोड (राष्ट्रीय राजमार्ग-1) तथा दक्षिण में रोड सं. 50 और उत्तर में ग्रामीण उपयोग जॉन क्षेत्र जहांगीरपुरी से घिरे हुये लगभग 29.31 हैक्टेयर (72 एकड़) भूमि का भू-उपयोग “ग्रामीण उपयोग क्षेत्र” से बेयर हऊसिंग एवं स्टोरेज (व्यापारिक) (21.21 हैक्टेयर) और “मनोरंजनात्मक” (8.1 हैक्टेयर) में बदल दिया गया है।

[संख्या के.-13011/18/93-डीडी-1 बी]

एम.सी. सागर, अवर सचिव

Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2404.—Whereas certain modifications, which the Central Govt. proposed to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder were published with Notice No. F. 20(4)-93-MP dated 1-1-1994 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1956 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice.

And whereas no objections/suggestions were received from the public with regard to the said proposed modifications and whereas the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

2005 GI/01-13

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India.

MODIFICATION

“The land use of an area measuring about 29.31 ha. (72 acres) falling in Urban Extension and bounded by G.T. Karnal Road (NH-1) on the West, road No. 50 on the South and rural use zone area and Jahangirpuri on the North and East is changed from ‘Rural use Zone’ to ‘Warehousing and storage’ (Commercial) (21.21 ha.) and ‘Recreational’ (8.1 ha.).

[No. K-13011/18/93-DDIB]

S. C. SAGAR, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2405—भारत सरकार में तत्कालीन श्रम तथा पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 2251 दिनांक 21 मई, 1983 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, चंडीगढ़ के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एम.एस. सुल्लर को 28 जुलाई, 1994 के पत्राहूत से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-11016/5/93-सी.एल.एम-II]

इन्द्र सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2405.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court, Chandigarh, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 2251 dated the 21st May, 1983.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri M. S. Sullar as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from 28th July, 1994.

[No. A-11016/5/93 CLS-II]

INDER SINGH, Under Secy.

ग्राहक

New Delhi, the 22nd August, 1994

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

जी.आ. 2406—भारत सरकार में लब्धनीय श्रम तथा पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 2252 दिनांक 21 मई, 1983 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः श्रव, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एम.एस. मुल्कर को 28 जनवरी, 1994 के पत्राज्ञा से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-11016/5/93/सी.एच.एस. II]

इन्द्र सिंह, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2406.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal, Chandigarh, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 2252 dated 21st May, 1983.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri M. S. Sullar, as the Presiding Officer, of the said Industrial Tribunal with effect from 28th July, 1994.

[F. No. A-11016/5/93-CLS-II]

INDER SINGH, Under Secy.

गृहविभाग

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2407.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 15 जनवरी, 1994 के पृष्ठ 201 पर प्रकाशित भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 236 दिनांक 21 दिसम्बर 1993 में, कथित अधिसूचना की पंक्ति 2 में "संख्या 1" के स्थान पर "संख्या 2" पढ़ें।

[संख्या ए 11016/8/92 सी.एल एस II]

इन्द्र सिंह, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2407.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 236, dated the 21st December 1993, published at page-201 in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 15th January 1994;

In the line 2 of the said notification for "Industrial Tribunal No. 1" read "Labour Court No. 2".

[F. No. A-11016/8/92-CLS II]

INDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2408—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स डिलमन एंड दिनशाव पी. लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल - 31012/4/86-डी (iv) (ग)]

जी. एस. मैडिड, उच्च अधिकारी

S.O. 2408.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 19-8-1994.

[No. L-31012/4/86-D.IV (A)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/24 of 1987

Employers in relation to the management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri N. M. Makandar, Advocate.

For the Workmen—Shri V. A. Pal, Advocate.

INDUSTRY : Port and Docks STATE : Maharashtra

Bombay, the 4th August, 1994

AWARD

1. The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-31012/4/86-D.IV (A) dated 15th April, 1987 referred to this Tribunal an industrial dispute between M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. and one Shri N. Narayan in the following schedule.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd., Bombay in terminating the services of Shri N. Narayan, Clerk working in the Accounts Department of the Company at Bombay with effect from 8-8-84 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The workmen filed his claim at Exh. W-3. He joined the Company i.e. M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. in October 1978 as Comptroller/Clerk in the Accounts department. The last drawn salary of the workman was Rs. 1,400.

3. On 22nd of March, 1978 the workman submitted a letter of resignation to the Company expressing his desire to resign from the Company. After that letter the General Manager Mr. E. R. R. Chari persuaded the workman to withdraw his resignation and continue to work in the Company on account of exemplary service being rendered by him in the Company. The workman showed his inability to continue with the work. At last the Company accepted his letter of resignation with effect from 13th August 1983 by virtue of their letter dated 4th August, 1983. Even though his resignation was accepted he was not paid all his legal dues and called upon him to hand over the charge.

4. The Management, more particularly Mr. Chari thereafter requested the workman to continue to work with them, partly on account of the Company's persuasion and partly on account of the workman's personal problems, having been solved to some extent, started working in the Company. The workman therefore continued to work in the Company as before till 8th August, 1984.

5. On 8th August, 1984 the Company terminated the services of the workman with immediate effect on the pretext of accepting the resignation letter submitted by the workman on 22nd March, 1983. After continuation of services on the request of the Management no resignation was pending with the Company nor he had an intention to resign from the Company at that time.

6. In the letter of termination the Management averred that apart from the resignation letter submitted by the workman, he was also found to have misappropriated Office cash which amounts to misconduct and it cannot be condoned. It is also found that the workman used to come late daily and was not observing the rules and regulations of the Administration. No departmental enquiry as required was held by the Management before finding the applicant guilty. It is against the principles of natural justice. The action of the Company is arbitrary and unjustified.

7. Initially the workman lodged the complaint with the State Government Authorities. It was revealed that it had no jurisdiction. Hence the workman moved the Central Government. He prays that the order of termination dated 8th August, 1984 be set aside with reinstatement along with full back wages. He also prayed for interest @24% p.a.

8. The Management by their written statement denied the claim of the applicant. It is contended that the resignation which was given by the workman was not accepted earlier as alleged. It is averred that the workman was given Rs. 40,000 for disbursement as a Bonus payment to the Employees of the Company. He disbursed Rs. 39,000 and the balance of Rs. 1,000 was not returned to the cashier immediately. He kept that amount with him for a pretty long time i.e. about 2 months. When it came to the light he was questioned as to why he was not refunding the amount of Rs. 1,000. He confessed and gave in writing his letter dated 30-12-82 that he had put the said amount in his personal account in the Bank. Mr. K. B. Mistry, Finance Manager of the Company out of misplaced sympathy did not bring to the notice of the Higher Authorities this serious irregularity committed by the workman. Thereafter he submitted his resignation. Then he approached the Managing Director to continue him in employment on humanitarian grounds in spite of the fact that his resignation was accepted by the Company's letter dated 4-8-83. The Managing Director of the Company unaware of the workman's background allowed him to continue in the services. It is, therefore the Company's letter dated August 4, 1983 remained only on record and was not given effect to. Naturally there was no final payment to the workman, on the basis of acceptance of resignation.

9. The Company came to know that false claims were made by the workman in respect of Leave Travel Assistance which is a misconduct. It also found that the workman attends the Office late everyday. He poses himself to be superior and indispensable. The Company lost confidence in him due to dishonest use of the Company's fund and claiming inflated and false Leave Travel Assistance. Naturally the Company sent to him a termination letter which is perfectly legal and proper. There is no justification in the claim of the workman.

10. My Learned Predecessor framed issues at Exh. 5. The issue and the findings thereof are as follows :

ISSUES	FINDINGS
(1) Whether the Management proves that the workman Shri N. Narayan had committed misappropriation in respect of the Company's amounts in 1982, or thereafter	No
(2) Whether the said workman had voluntarily tendered his resignation on 22-3-1983 ?	YES
(3) Whether the workman proves that after he tendered the resignation, he continued to be in service on the request of the Management of the Company ?	YES

(4) Whether the action of the Management in terminating the service of the said workman, without holding any inquiry against him, was just and proper ?

No

(5) Whether the action of the Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. Bombay in terminating the services of Shri N. Narayan, Clerk, working in the Accounts department of the Company at Bombay w.e.f. 8-8-84 is justified ?

No

(6) If not, to what relief the workman concerned is entitled ?

As per order below.

(7) What Award ?

As per order below.

REASONS

11. It is not in dispute that N. Narayan the workman was initially appointed on the post of Comptist-cum-Clerk in the year 1978 on a monthly salary of Rs. 610 plus other allowances in the accounts department. He was entrusted with the work of pay roll section. His main duty was to maintain pay rolls and also disburse salaries and wages to the staff at Head and also at the Docks. He also used to disburse other cash benefits such as Bonus, Ex-gratia and Medical benefits to the staff employed by the Company. His immediate superior was the Finance Manager by name Mistry.

12. Narayan admitted the fact that he was given Rs. 40,000 in the month of November 1982 for distribution as Bonus payment to the Employees of the Company. Out of this amount Rs. 39,000 were disbursed and the remaining balance i.e. Rs. 1,000 were supposed to be returned to the Cashier immediately after disbursement. Narayan affirmed that he kept that amount in the drawer of the table and thereafter found that it was missing. When he informed this fact to Mistry, he told that the matter will be reported to the Police if he does not accept the responsibility. He further affirmed that he gave a confessional letter dated 30-12-82. He mentioned in that letter that he had put the amount in his personal account in the Bank. Mr. Chari, the witness for the Management denied suggestion that because of the undue influence used on the Worker he gave the confessional statement to Mr. Mistry. It is pertinent to note that the Management has not examined Mr. Mistry as its witness. No logical explanation has come on record why he could not be examined by the Management. This letter was alleged to be found in the Drawer of Mistry by Chari. It was not handed over by Mistry to Chari or another Finance Manager who came in his place. There is no record to show that under what circumstances exactly the letter was written by the Worker to the Management. It appears that when the letter was written the worker and Mr. Mistry were present and none else. Now it is to be seen in the absence of Mistry as the witness, the word of Narayan is to be accepted or not on the basis of the circumstances on the record.

13. In the letter dated 30-12-82 it is categorically mentioned by the workman that the balance of Rs. 1,000 was with him. So far as this balance is concerned there is no distribution. The further part of the letter is disputed which pertains to the admission of the guilt by the workman. It states "By mistake I had kept the amount of Rs. 1,000 and deposited in my personal balance savings account with Central Bank of India, Ballard Estate, situate on the ground floor of the Building. I am sorry for the mistake on my part. I regret you please pardon me and will not commit any such mistakes in future".

14. As per the version of Mr. Narayan he had written it due to the threats. It was not a willing confession. According to him he never deposited Rs. 1,000 in his savings account of Central Bank of India as mentioned in that statement in the letter. To substantiate this contention he produced an extract of his account of that Bank.

15. On perusal of the extract from the pass book of the workman of the Central Bank of India, it reveals that between the relevant period he never deposited an amount of Rs. 1,000 in the Bank as alleged in the confessional statement. If this is so one has to accept the version of the Worker that the alleged confessional statement was at the instance of Mr. Mistry who told him that if he did not confess the matter will be reported to the Police regarding the missing of Rs. 1,000. This circumstance supports the case of the Worker that he kept a balance of Rs. 1,000 in the drawer and later on found that it is missing. In the absence of testimony of Mistry, there is no reason why the worker's word is not to be relied. It appears from the record that he showed his willingness to make good the loss which was caused to the Company by his act.

16. It is rightly argued on behalf of the Worker if really that would have been the confessional statement the Management would have taken action against the Worker. The Finance Manager would have reported the matter to the Higher Authorities. He did not do so. It is because he was aware of the fact that the loss was due to some mistake on the part of the Worker and it was not a case of misappropriation. It can be further seen that even though Mistry left the job or for that purpose was removed from the job he never gave this letter of confession to the Higher Authorities or to whom he gave the charge. That also speaks in favour of the Worker. Mr. Chari admits to have received that letter from the drawer of the Worker.

17. It is tried to argue on behalf of the Management that there is confusion in respect of the date of the confessional letter by the worker. Three dates have come on the record. They are 13-12-1982, 30-12-1982 and 31-12-1982. After perusal of the claim, the written statement and the testimony of the witness it is crystal clear that so far as the dates 13-12-1982 and 31-12-1982 are concerned they are clerical mistakes. The relevant date is 30-12-1982. No importance can be given to these mistakes for coming to any conclusion.

18. The Management issued a memorandum dated August 8, 1984 (Exh. W-3/C) by which the service of the Worker was terminated. It has mentioned therein that his resignation is accepted which was a voluntary one. It is also mentioned therein that he was found to have misappropriated Office cash and which is difficult to condone. It is further observed that he was found coming late daily and not observing any rules and regulations of the Administration. Because of this his services were terminated. I have already come to the conclusion that so far as misappropriation of Rs. 1,000 is concerned there is no evidence at all.

19. That takes me to the second part of the memorandum that the Worker is coming late daily and not observing any rules and regulations of the Administration. The Workman admitted his signatures on the muster roll which are produced on the record which clearly speaks that on many occasions he was late. He had given explanation to that as he was required to attend duties at late hours and work for the sister concern also. It is therefore the Management who had not given him memo at any time nor had taken any steps against him. Mr. Chari admits that no action was taken against the workman regarding coming late nor any departmental enquiry was started against that matter. As this is so it has to be accepted that the Management pardons him for coming late so far he was allowed to come late due to his nature of work assigned to him.

20. Mr. Chari had affirmed that the workman presented Leave Travel application for which he was not entitled. By this he did not observe the rules of conduct. Exh. M/2-G1 is a claim prepared by the workman but was not signed. He had explained that he took that claim form with him as he was not aware whether on earlier occasion for that period he had claimed or not. When he realised the fact that he had already claimed the Leave Travel concession for the period, he did not submit it. It can be seen that when such a claim is made it has to be signed by the concerned party. The fact that it was not signed by the Worker shows that he prepared the same and was to submit it only

after verification. By no stretch of imagination it can be that stated he presented that claim and committed a misconduct.

21. Exh. M/2-G2 is another claim in respect of the Worker, his wife and his Aunt. It is argued on behalf of the Worker that he was of the view that he can claim the Leave Travel Concession for that Aunt. It was left to the discretion of the Management to sanction that claim, it was rejected. By putting the claim of the Aunt and praying for the discretion of the Management cannot be said to be a misconduct. It can be further seen that in the memo of termination dated August 8, 1984 there is no reference of these misconducts.

22. Mr. Chari the witness for the Management affirmed that the Worker was assigned the work to prepare the salary slips and other works which are required to be done periodically. The Worker used to go on leave on a relevant time putting the Management in difficulty. Narayan affirmed that he never did so. There is no record to show that he avoided the work of preparation of bills or that he prepared these bills at a later stage and put the Management to harassment. Again in the memo of termination of the Worker there is no reference of these allegations. It is tried to suggest that it comes under not observing the rules and regulations of the Company Administration. It is well settled that when such an allegation is to be made it should be specific and the person concerned should know what exactly is the charge against him.

23. It is rightly argued on behalf of the Worker that in the letter dated August 8, 1984 there is no whisper of loss of confidence in the Worker, by the Management for terminating his services. It is also not mentioned in the earlier written statement filed by the Management. In an additional written statement for the first time it is mentioned that the Worker was terminated as the Management had lost all confidence in him. So far as the loss of confidence is concerned the Management has to prove on the basis of the record. It appears that it wants to rely on the grounds namely misappropriation, coming late, preparation of false Leave Travel Concession. I have already dealt with all these points in detail. For the above reasons I do not find any reasons for the Management for loss of confidence in the Worker.

24. Narayan admits to have given the resignation dated March 22, 1983. He affirmed that he gave that resignation due to his own difficulties and was to get a new appointment. He deposed that Mr. Chari requested him to continue with the job and take back the resignation. He was not willing to do so. In the resignation letter he had mentioned that he was giving notice from 1st April 1983 for 30 days and privilege leave 40 days which may please be adjusted and he is going on leave after the expiry of 30 days notice period. He affirmed that he was requested by the Management, more particularly by Mr. Chari not to leave the job. On May 4, 1983 Mr. Chari admits to have written a note to the worker in the following words :

"My Dear Narayan, I am surprised to note that you have not been coming for the last 30 days, please note that your resignation has not been accepted by the Management and may report duty immediately". That clearly goes to show that the Management refused to accept the resignation of the Worker. It is admitted position that after the notice period was over the Worker was not given the necessary Monetary benefits which the Worker is entitled to after the resignation.

25. Narayan affirmed that after the statutory period of notice he was requested by the Management to continue with the job. It is not in dispute that thereafter Narayan continued in the services and on August 4, 1983 the Management wrote a letter to him which was signed by the Managing Director. In this letter it is mentioned that Narayan had a talk with the Management a couple of times, he was not ready to withdraw the resignation, which makes them to conclude that Narayan wants to resign for personal reasons. On the basis of this para it can be very well seen that the Management wanted Narayan not to resign. In the next para of that letter it is mentioned that his resignation is accepted from

August 13, 1983. It is also mentioned that all the dues will be paid to him on September 1983 and he was directed to return the Identity Card and hand over other documents in his possession. It is not in dispute that the due amount as mentioned in this letter was not paid to the Worker on 1st September, 1983. He continued to be in service thereafter i.e. till 8th August, 1984. In other words even though the letter dated August 4, 1983 was issued he continued to be in service. So far as the record is concerned it is to be said that so far as the Management is concerned he was given new assignment. The resignation of the Workman was no more in Existence.

26. It is argued on behalf of the Management that he continued in the employment of the Company till it came to the notice of the Higher Management that he misappropriated the funds of the Company and therefore the Management lost confidence in him and invoked its right to accept his resignation dated 22-3-83, which was not given effect and which was still pending on 8-8-84. On that day his resignation was accepted. He also inclined to accept this. It is really difficult to accept that for about 15 months the resignation can be kept in hand by the Management. An action has to be taken on it. The Management had taken action at the first stage by rejecting it on May 4, 1983. Later on they accepted it and again allowed him to continue in the services by their letter dated 4-8-83. In other words the resignation was not accepted even though that letter was there. Thereafter there is no letter on behalf of Narayan by which he informed the Management that he wants to resign. Therefore no resignation letter was in the hands of the Management when the memo of termination was issued on August 8, 1984.

27. It is rightly argued on behalf of the Workman that instead of finding the workman guilty for the reasons the Company found reasons to find the Workman guilty.

28. It is tried to argue on behalf of the workman that no show cause notice was given to him for holding any enquiry whatsoever. Without doing so he was terminated from the services. To substantiate this contention reliance was placed on Theatre Employees Union V/s. S. V. Kotnis and others 1992 volume II CLR 474. The Learned Advocate for the Management on the other hand relying on several authorities argued that the Management had put ample evidence on the record to show that the action of the Management is justifiable. Even if the particulars on which the Management relies on the basis of the authorities is taken into consideration the record which is put before is not sufficient, for coming to the conclusion that the action of the Management is justifiable for terminating the services of the Worker.

29. There is no record to show that the Worker was ever warned or given memo showing that his actions, his work is prejudicial to the interest of the Company. There is no record to show that the workman had lost confidence of the Management and therefore a particular type of work was taken away from him and allotted to somebody else. The word loss of confidence is used only in the written statement to bolster up the case of the Management. I do not find any merit in it. For all these reasons I record my findings on the point accordingly and pass the following Award.

AWARD

1. The action of the Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd., Bombay in terminating the services of Sri N. Narayan, Clerk working in the Accounts department of the Company at Bombay with effect from 8-8-84 is not justified.
2. The Management of M/s. Hill Son and Dinshaw Pvt. Ltd. is directed to reinstate the Workman with continuity in service.
3. The Management is also directed to make the payment of full back wages from 8-8-84 with 90% interest per annum on it within 3 months from today.
4. The Management is directed to pay Rs. 300 as the cost of application to the Worker and to bear its own.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का. आ. 2409-कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-9-94 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय 5 और 6) धारा-76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :-

“जिला मालापुरम के तालुक इरनाद में राजस्व ग्राम चेरुकावू के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या-एस-38013/12/94-एसएस-1]

जे. पी. शुक्ला, अवसर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2409.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st September, 1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (1) of section 76 and Sections, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala, namely :—

“The areas within the revenue village of Cherukavu in Ernad Taluk of Malappuram District.”

[No. S-38013/12/94-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2410-जबकि भारत सरकार में तत्कालीन श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 441 दिनांक 29 जनवरी, 1965 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, जबलपुर के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए. के. अवस्थी को 4 अगस्त, 1994 के अपराहन से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-11016/5/92-सी. एल. एस-II]

इन्द्र सिंह, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2410.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court, Jabalpur, constituted by the Notification of the Government of India in the

then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 441 dated the 29th January, 1965;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri A. K. Awasthi as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from 4th August, 1994 (A.N.).

[F. No. A-11016/5/92-CLS-II]
INDER SINGH, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2411.—जबकि भारत सरकार में तत्कालीन श्रम, रोजगार और पुनर्वास (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 2747 दिनांक 6 गितम्बर, 1966 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए. के. अवस्थी को 4 अगस्त, 1994 से अपराह्न से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-11016/5/92-सी.एल.एम्.-II]

इन्द्र सिंह, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2411.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2747 dated the 6th September, 1966;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri A. K. Awasthi, as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal with effect from the 4th August, 1994 (A.N.).

[F. No. A-11016/5/92-CLS-II]
INDER SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2412.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार फेडरल बैंक लि. के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, एर्नाकुलम, कोची के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/355/91-आई आर वी.-III/बी आई]
वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2412.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Labour Court, Ernakulam, Kochi as shown in the Annexure, in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of Federal Bank Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-8-1994.

[No. L-12012/355/91-IRB.III/B.I]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT,
ERNAKULAM

(Labour Court, Ernakulam)

(Thursday, the 4th day of August, 1994)

PRESENT :

Shri M. V. Viswanathan, B.Sc., LL.B., Presiding Officer.
Industrial Dispute No. 1 of 1992(C)

BETWEEN

The Chairman, M/s. Federal Bank Ltd., Head Officer,
Alwaye, Kerala- 683101.

AND

The General Secretary, Federal Bank Employees' Union,
P.B. No. 10 Alwaye, Kerala-683101.

REPRESENTATIONS :

Sri B. S. Krishnan,
Advocate, Ernakulam.

...For Management.

Sri M. Ramachandran,
Advocate, Kochi 17.

...For Union.

AWARD

This industrial dispute was referred to this Court by the Central Government as per Order No. L-12012/355/91-IR. B.III dated 31-12-91. The dispute is between the management of M/s. The Federal Bank Limited and their workmen represented by the General Secretary, Federal Bank Employees' Union. The issue referred for consideration is "Whether the action of the management of M/s. Federal Bank Ltd. in imposing the punishment of withholding one increment with cumulative effect on Sri K. O. Johny, Clerk, while working at Quilon branch, is justified. If not, to what relief the said workman is entitled to?"

II. The workman Sri K. O. Johny was charge sheeted for misconduct vide charge sheet dated 1-9-84. The management ordered a domestic enquiry into the charges levelled against the workman concerned and in the domestic enquiry, the workman was found guilty of the charges. On the basis of the findings of the enquiry officer, the management imposed the punishment of barring one increment with cumulative effect. The union representing the workman raised an industrial dispute in respect of the said punishment imposed on the workman concerned, and ultimately that dispute was referred by the Central Government to this court.

III. The validity and legality of the domestic enquiry and the findings thereon were disputed by the union and the workman concerned. So this court considered the legality and validity of the domestic enquiry. This court has upheld the domestic enquiry vide order of this court dated 20-7-94. The order is extracted below :

"PRELIMINARY ORDER

The workman concerned was working as a cashier of the Quilon Branch of the management bank. While he was working at Quilon branch, he was charge sheeted for misconduct vide charge sheet dated 1-9-84. The workman concerned submitted his explanation to the said charge sheet. But the management was not satisfied with the explanation submitted by the workman. So a domestic enquiry was ordered into the charges levelled against the workman. The enquiry officer conducted the enquiry and found the workman guilty of the charges of misconduct. The management accepted the findings of the enquiry officer and imposed the punishment of stoppage of one increment with cumulative effect. The punishment was imposed only after hearing the workman concerned

on the question of the proposed punishment. The union representing the workman concerned raised an industrial dispute in respect of the punishment imposed on the workman. Hence, the present reference.

2. The union disputed the validity and legality of the domestic enquiry. So this court was pleased to consider the legality and validity of the domestic enquiry and the findings thereon as a preliminary point.

3. So the preliminary point for consideration is "Whether the domestic enquiry conducted against the workman concerned is legal and valid".

4. The union filed claim statement before this court stating mainly as follows :—

The domestic enquiry was only an empty formality. The workman was not given a fair opportunity to prove his innocence. The lists of documents and witnesses were not furnished sufficiently early and the enquiry officer had objected many pertinent questions in the cross-examination. The enquiry was violative of the principles of natural justice and fairness and liable to be quashed. The enquiry officer had adopted a partisan approach from the very beginning. The findings of the enquiry officer are perverse and liable to be reversed. The workman was posted to the cash section for the first time in his career and that he cannot be expected to perform at the level of an experienced cashier. He was victimized for his involvement in the union activities. The direction of the cash officer to account the money was neither lawful, nor reasonable. The Ext. D1 document would prove the fallacy of the charges. The punishment inflicted is excessive and disproportionate to the charges alleged. Hence the union requested to exonerate the workman from the charges and to cancel the punishment imposed.

5. The management filed written statement contending as follows :

The workman was issued charge sheet dated 1-9-84. He submitted his explanation dated 5-10-84 to the above charges. The explanation was not found satisfactory. A domestic enquiry was ordered by the Disciplinary Authority and Sri P. M. Joseph, Area Manager, Trivandrum was appointed as the Enquiry Officer. He conducted the enquiry in full compliance with the principles of natural justice and provisions of the Bipartite Settlement. The workman was allowed to be represented by his union representative. He cross examined the witness of the management and adduced defence evidence. Based on the materials on record and on appreciation of the same, the Enquiry Officer entered his findings. The workman was found guilty of the charges of wilful insubordination, disobedience of lawful and reasonable orders of the superiors and doing act prejudicial to the interest of the Bank. The Disciplinary Authority considered the Enquiry Officer's report along with the materials in support of the same. He accented the findings of the Enquiry Officer. The workman was given an opportunity of being heard in the matter of punishment. The Disciplinary Authority, inflicted the punishment of stoppage of one increment with cumulative effect. The punishment imposed is not excessive or disproportionate. The enquiry conducted is legal and proper. The workman was given every opportunity to prove his innocence. He was given list of witness and documents in advance. No pertinent questions were objected by the enquiry officer. The allegations that the enquiry officer adopted a partisan approach is false. The findings of the enquiry officer are supported by evidence and not liable to be interfered in any manner. Hence the management prayed for the dismissal of the claim of the union.

6. The domestic enquiry file was marked as Ext. M1 with consent of the parties. No oral evidence was adduced from either side.

7. The Point : The workman was charge sheeted for misconduct in terms of clauses 19.5(e) and (i) of the Bipartite Settlement. The workman accepted the charge sheet dated 1-9-84. He submitted his explanation to the charge sheet. The management ordered domestic enquiry into the charges levelled against the workman vide charge sheet dated 1-9-84. The Area Manager, Trivandrum namely Sri P. M. Joseph was appointed as the enquiry officer. There was a presenting

officer to prosecute the charges levelled against the workman. The workman was represented by the union representative. The domestic enquiry was started on 26-9-85 and it was concluded on 12-8-1986. There were 7 sittings for the enquiry. Both the workman and the management were represented in the enquiry. The workman was fully represented in the enquiry. He was represented by a defence representative. The workman requested for adjournment of the enquiry on 2 occasions and the said request were allowed by the enquiry officer. Likewise, the request of the management for adjournment was also allowed. The workman was given the list of documents and list of witnesses. He did not raise any objection before the enquiry officer regarding the acceptance of the list of witnesses and list of documents. The workman or his representative had no objection to the way and manner in which the enquiry was conducted by the enquiry officer. A perusal of Ext. M1 enquiry file would establish the fact that the enquiry officer acted only in an impartial manner. The procedure adopted by the enquiry officer is only just and proper. The workman or the union could not point out any single incident or instance of partisan approach of the enquiry officer. On the other hand, the available evidence on record would show that the enquiry officer was impartial and the enquiry was conducted in a just and proper manner by observing the principles of natural justice.

8. A perusal of the enquiry proceedings would show that the enquiry was conducted by observing the principles of natural justice. The workman was given full opportunity to defend his case in the enquiry. The management witnesses were cross examined by the defence representative. On the side of the workman document was marked. There is nothing on record to show that the enquiry officer objected any pertinent questions put in the cross-examination of the management witnesses. The union has not succeeded in establishing their case that the enquiry was conducted in violation of the principles of natural justice. Thus it can very safely be concluded that the domestic enquiry was conducted by observing the principles of natural justice. Hence, I hold that the enquiry conducted against the workman concerned is only legal and valid.

9. The union has raised the contention that the findings of the enquiry officer are erroneous and perverse. But a study of the enquiry report submitted by the enquiry officer would show that the findings of the enquiry officer are based on the evidence on record. It can be seen that the enquiry officer has appreciated the entire evidence on record. The enquiry officer has given the reasonings for his findings. He has appreciated the evidence in its correct perspective. There is no ground to hold that the findings are perverse. On the other hand, the findings are supported by evidence on record. Hence I have no hesitation to hold that the domestic enquiry conducted against the workman concerned is legal and valid. The point is answered accordingly.

10. In the result, the domestic enquiry is held legal and valid.

IV. This court has upheld the domestic enquiry and the findings thereon. The punishment imposed on the workman concerned is only withholding of one increment with cumulative effect. There is no ground to interfere with the order of punishment passed by the management therein. This court has no jurisdiction to interfere with the said order of the management. The provisions of section 11A of the I.D. Act cannot be made applicable in the present case, as the punishment imposed is withholding of one increment with cumulative effect. So the action of the management is to be justified. Hence, this court is pleased to uphold the action of the management in imposing the punishment of withholding of one increment with cumulative effect on the workman concerned.

V. In the result, the action of the management of M/s. The Federal Bank Ltd. in imposing the punishment of withholding of one increment with cumulative effect on Sri K. O. Johny, Clerk while working at Quilon Branch, is justified. The workman concerned is not entitled to any relief in this reference. An award is passed accordingly.
Ernakulam.
4-8-1994.

M. V. VISWANATHAN, Presiding Officer

APPENDIX

Exhibit marked on the side of Management :

Ext. M1.—Domestic enquiry file containing proceedings, findings and other connected papers.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. प्र. 2413.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमर्ण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/236/89-आईआर (बी III)/बी I]
बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2413.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on 24-8-1994.

[No. L-12012/236/89-IR (B.III)/B.I.]
V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
HYDERABAD

PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I
Dated, 16th day of August, 1994
Industrial Dispute No. 7 of 1990

BETWEEN :

Shri J. D. Nageswar Rao,

Ex-Workman, H. No. 4-3-3, Zaheerpuram,
Khammam-507 007

.. Petitioner.

AND

The Zonal Manager, State Bank of,
Hyderabad, Zonal Office, Nakkalagunta,
Hanumakonda.

.. Respondent.

APPEARANCES :

Mrs. A. Survanarayana Murthy, D. Srinivas & D. Kamalakara Rao, Advocates—for the Petitioner.

M/s. K. Srinivasa Murthy and G. Sudha, Advocates—for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12012/236/89-IR(B.III), dt. 14-12-1989 referred the following dispute under Section 10(i)(d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of State Bank of Hyderabad and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of State Bank of Hyderabad, Warangal (A.P.) in dismissing Sri J. D. Mageswar Rao, Ex-Head Cashier from ser-

vice with effect from 13-9-1986 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 7 of 1990 and notices were served to both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-workman read as follows. The workman was working as Head Cashier (E-Grade) and belongs to Award staff in the Respondent Bank at its Gandhi Chowk Branch, Khanunani. While so, he was suspended on 25-4-1981 and was served with a charge sheet dt. 26-2-1982 which contained 8 allegations. Domestic enquiry was conducted on 2nd August, 1982, 11th and 12th October, 1982, 10th to 13th June, 1985 and on 21st and 22nd June, 1985. While charges Nos. 3 to 8 were held as not proved, Charges No. 1 and 2 were held as proved for which a punishment of dismissal from service without notice treating the period of suspension as such, was proposed by the Disciplinary Authority by his show cause memo dt. 11-4-1986 and the same was imposed on the workman by his final order dated 15-9-1986. The appeal dt. 2-11-1986 preferred by the workman was also dismissed by the Appellate Authority by his order dt. 12-2-1987. Therefore an I.D. was raised by the workman against the punishment before the Asst. Labour Commissioner (Central) Vijayawada on 25-6-1988, ended in failure and hence the reference. The entire allegations made against the claimant which are covered by charges I and II were trumped up, fictitious more imaginative than real. Basing on that, enquiry was initiated against the applicant by the Disciplinary Authority who is the Regional Manager. The Regional Manager who is the disciplinary authority appointed one Sri P. V. Bapiraju as Enquiry Officer, in other words the Disciplinary Authority has thought fit at the time of initiation of enquiry to get the matter enquired by an Officer subordinate to him thus Sri P. V. Bapiraju became the Enquiry Officer. He initiated the preliminary enquiry and first hearing was made on 2-8-82 and on that day he examined the claimant and the case was posted for further enquiry on 11-10-82 on that day Sri Bandi Veeriah on whose reported charge No. II was framed was examined in chief and ME. 1, 2 and 3 were marked as exhibits and the case was posted to 12-10-1982 for further examination including cross examination. On 12-10-1982 the witness did not turn up and the case was adjourned to 10-11-1982. The case was further posted after long lapse of 3 years on 10-8-1985. On that day Sri M. Gopala Krishna Murthy, Accountant was examined as MW2. It may not be out of place to mention it is on his report the Disciplinary proceedings were initiated, the management did not further examine D. Veeriah (MW-1) and not made available for cross examination. Sri Bapiraju who became the Regional Manager on promotion passed the punishment order as Disciplinary Authority. This clearly opposed to all principles of natural justice and it may not be out of place to mention that he must have carried in his mind, the statement given by Sri D. Veeriah whose veracity is not tested by cross examination. The subject matter of the charge No. 1 is in respect of L. Rs. or R. Rs. mentioned in Annexure I to this case. In that, it is brought to the notice of the E.O. that the R.Rs./L.Rs. pertaining to item referred in Annexure-I were handed over to the customer on receipt of cheques for the actual amounts on Saturdays after business hours and the cheques were cleared on the following Monday and all the officers through whom the cheques and L.Rs./R.Rs. were passed are fully aware of these things. Hence it can be safely informed that the Management has approved the transactions. In this regard, it is further submitted that the Branch Manager who was examined as MW-5 stated in his evidence that credit limits were enhanced in respect of the Padmajah Medical Distributors covered by L.Rs./R.Rs. mentioned in Annexure-I. Hence by accepting the cheques on Saturday and delivering the L.Rs./R.Rs. he has not committed any grave irregularity in accepting the cheques which were cleared on the following Monday. Thus, if the entire evidence relating to the charge No. 1 has been evaluated in the correct prospective, no case is made out warranting the imposition of penalty of dismissal against the claimant. It is further submitted that there is no worth-while evidence warranting imposition of penalty of dismissal against the claimant, particularly all the 11 transactions mentioned in Annexure-I to charge No. 1 follows :—It is further submitted that Charge No. II regarding granting of loan to

B. Veeraiah and alleging that it is a Benami transaction to the claimant, is not at all made out and there is no legal evidence to sustain the charge, the entire case sought to be made out by MW-4, 5 and 6. In this regard, it is submitted that DE-5 which clearly shows that B. Veeraiah paid the amount and discharged the loan. It is further submitted that Sri B. Veeraiah was not at all examined to substantiate that he has obtained loan benami for the benefit of claimant. The claimant submits that by not examining Sri B. Veeraiah who is the material and principal witness in respect of charge No. 1 particularly when he is cooperating and available with the management at all times clearly proves beyond doubt that the management has no evidence and if Sri B. Veeraiah is examined, the charge No. 11 will fall automatically. The claimant was never cross examined by the Presentation Officer or Enquiry Officer on Ex. M.E. 25 or for that matter on any issue though he was present throughout the enquiry. Therefore, the conclusions drawn by Disciplinary Authority are against law or evidence. Neither Bandi Veeraiah nor K. Bangara Raju was produced by the management as their witnesses to speak on their letters/statements, though they were available so that the claimant herein can cross examine them, thus the claimant herein had lost the fair and reasonable opportunity to prove his innocence. On the other hand Bandi Veeraiah was M.W1 in the beginning but never turned for cross examination but the Enquiry Officer and Disciplinary Authority are not depending upon his original evidence and statement. The claimant in his appeal dt. 2-11-1986 wanted a personal hearing disposing of the Appeal. Even though, the claimant is entitled for that, as per the mandatory provisions of the Sastry Award and Bipartite Settlement the claimant was not granted such a personal hearing which is against the principles of natural justice. The claimants appeal dt. 2-11-1986 was disposed off by the Appellate Authority on 12-2-1987 i.e. after 3-1/2 months as against the time limit of 2 months. Out of the total 8 charges framed, E.O. disallowed three charges in the enquiry itself i.e. the E.O. advised presentation officer to drop the charges as they cannot be proved. Finally according to E.O. only Charges I and II are established and the Disciplinary Authority agreed with the E.O. and awarded capital punishment i.e. dismissal from service without notice or pay. The findings of the Appellate Authority that hearsay evidence is admissible in domestic enquiry is unsound and untenable in law. In this case it is the evidence of a responsible official of the Bank and therefore cannot be taken as alleged. The Disciplinary Authority and Appellate Authority failed to see that there is no loss to the Bank on any account. They ought to have seen that in any event the punishment awarded is excessive and disproportionate to the charges said to have been established against the claimant. It is submitted that the Appellate Authority before disposing the appeal did not give any personal hearing even though Clause 19.14 of the Bipartite Settlement dated 10-10-66 clearly stipulates personal hearing when it was sought by the claimant. In this case the Disciplinary Authority or Appellate Authority did not take into account the past conduct and his unblemished long service was not at all taken into consideration, particularly when there is no pecuniary loss to the management before imposing the penalty of dismissal. At any rate the claimant humbly submits that the imposition of dismissal from service is highly excessive disproportionate, unreasonable, arbitrary and is liable to be set aside. The claimant therefore prays that the Hon'ble Tribunal may be pleased to hold that the action of the Management of State Bank of Hyderabad, Warangal in dismissing the claimant from service w.e.f. 13-9-1986 is not justified. Further prays that the Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an award directing to reinstatement of the workman with all other consequential benefits.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent-Bank read as follows : It is submitted that in relation to the serious misconduct committed by the petitioner-workman while he was working as Head Cashier at Khammam, Gandhi Chowk Branch a charge sheet dated 26-2-1982 inter alia charging various serious misconducts relating to bills received from outside parties, obtention of loan in the name of one Sri Bandi Veeraiah while he was working in the poultry farm of the petitioner, obtaining medium term loan of Rs. 47,500.00 in the name of Inashwari Poultries misusing official position to again pecuniary advantage to M/s. Sri Medical Hall, in which his wife was partner, obtention of a dairy loan for Rs. 32,000.00 from State Bank

India, Khammam in the name of his wife for starting a dairy farm and guaranteeing the same and involving in monetary obligations which were far in excess of his resources inflating the weight of the gold ornaments pledged by the borrowers and missing of gold ornaments pledged in respect of certain gold loan accounts, delivering part of the gold ornaments pledged. One Sri P. V. Bapi Raju, an officer in Middle Management Grade Scale-III at that time was appointed as Enquiry Officer to conduct the enquiry in accordance with the relative provisions of the various Awards and Bipartite Settlements under which the services of the petitioner claimant are governed. It is submitted that the Disciplinary Action Authority/Enquiry Officer has appreciated the record adduced before him and arrived at the findings and held that the charge No. 1 against the petitioner was proved. It is not correct to say that there was a deliberated attempt made by the Management to award the penalty of dismissal. It is submitted that in accordance with the banking practice, the L.Rs. and R.Rs. will be duly discharged and delivered to the custody of the Head Cashier. The Head Cashier should not deliver these documents before payment and they should be delivered only against payment. The petitioner claimant having in his charge these documents, had delivered these documents without payment. It is submitted that the discharge of the bills and endorsement on the documents in favour of the drawees are well within the procedure contemplated under para 20, Chapter 15 of the Bank Book of instructions. In terms of the said para, all bills are discharged and accompanied by L.Rs. and R.Rs. should be endorsed in favour of the drawees by the competent officer and delivered to the Head Cashier in order to avoid delay in the delivery of the bills when they are paid. It is submitted that the evidence of Sri B. Veeraiah has not been taken into consideration in arriving at any finding on charge No. 2. This does not affect the finding. The Disciplinary Action Authority/Enquiry Officer had appreciated the evidence in his report has come to the conclusion both in relation to Charge No. 1 and Charge No. 2. The non-examination of Sri B. Veeraiah and Sri K. Bangara Raju or any of the persons from Bhadram Sports or Transport Companies/Railway authorities does not affect the findings or the orders of punishment. The contentions raised in the said paras are either not relevant or cannot be sustained. It is submitted that out of the 8 charges in charge sheet, six have been dropped, as there was no substance in the charges. The other charges 1 and 2 have been established and punishment was awarded by the Disciplinary Action Authority and confirmed by the Appellate Authority. It is submitted that it is not mandatory nor there is any obligation on the part of the respondent bank to lodge criminal complaint for prosecuting the employee. Any misconduct which involves fraud can be a matter of disciplinary proceedings independent of criminal proceedings. Notwithstanding the fact that no criminal complaint was lodged, disciplinary proceedings under the relevant provisions may be initiated. In this context, the Appellate Authority was using the words "fraudulent acts with mala fide intention" and "questionable honesty and integrity" only to describe the acts of misconduct. They are not separate charges as such but inherent in para 19.5(j) of the Bipartite Settlement which is one of the provisions under which the petitioner claimant has been charged. The other contentions raised in the said paras are not relevant and cannot be sustained. The charges imputed against the petitioner claimant have been clearly stated in the charge sheet dt. 26-2-1982. The proceedings have been conducted for major punishment. There is no ambiguity or vagueness in the charge sheet and the proceedings. In the charge sheet it has been clearly mentioned that the acts state therein were acts prejudicial to the interests of the Bank. The findings of the Disciplinary Action Authority and Appellate Authority are based on evidence and the punishment was proportionate to the misconducts proved to have been committed by the petitioner claimant. It is also submitted that when the misconducts themselves warrant deterrent punishment, there is no necessity to take the past record into consideration. Therefore the contentions raised in the said para cannot be sustained. It is submitted that the petitioner is not entitled for any relief as claimed therein and the petition is liable to be dismissed.

4. The brief facts of the rejoinder filed by the petitioner-claimant read as follows :—It is submitted that even though 8 charges were framed, charges 3 to 8 were held as "not

proved" and only on charges No. 1 and 2 alone, even though there is no evidence on record to sustain the charges, the authorities concerned held proved. But the Respondent went to the extent of mentioning all the charges that were dropped by the authorities in para 3 of the counter. This is contrary to the record. When Sri P. V. Bapi Raju having conducted the enquiry ought not to have proceeded with the passing of the final orders as Disciplinary Authority. Thus it is clearly opposed to all principles of natural justice and vitiated the impugned orders are liable to be set aside for this reason alone. That even this clarification cannot help the Respondent as it does not answer the situation and the contention involved in this case. The way in which finding is arrived at on charge No. 1 even in the absence of evidence and particularly Sri P. V. Bapi Raju who recorded evidence as Enquiry Officer on charge No. 1 gave finding on charge No. 1 against the claimant as Disciplinary Authority is not only illegal and but also untenable in law. This finding is given only to impose punishment of dismissal even in the absence of any evidence on charge No. 1. The claimant did not deliver any of the document referred to in para 8 without payment by the customer. It is further submitted that nobody has even opposed before the E.O. that any of the documents referred to in para 8 were delivered to the consignee or to anybody without discharging of the same by payment of cash. It is also pertinent to note that no party or the consignor has made any complaint to the bank or to anybody, that there is any financial loss or delayed payment. For this reason, charge No. 1 is not maintainable. It is also further submitted there is no financial loss to the bank. Having examined him and not making him available for cross-examination clearly shows that the E.O. did not want the witness to face the cross-examination. When once Bandi Veeraiah is not available for cross-examination, the question of proceedings further on Charge No. 2 does not arise. The claimant submits that the contentions raised in counter are not tenable in law and therefore prays that this Hon'ble Tribunal may be pleased to allow the petition as prayed for.

5. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in dismissing J. D. Nageswar Rao, from service w.e.f. 13-9-1986 is justified?

6. No oral or documentary evidence has been adduced by the Petitioner-workman. M.W1 was examined on behalf of the Respondent and marked Exs. M1 to M25.

7. Before going into the merits of the case, this Tribunal passed an order dt. 28-6-1993 as a preliminary issue regarding the validity of the domestic enquiry. The domestic enquiry conducted by the Management against the Petitioner-Workman is vitiated and bad in law. Aggrieved by this order, the Respondent-Management filed writ in Writ Petition No. 16415 of 1993 in the High Court of Andhra Pradesh, and passed the following order:

".....The Industrial Tribunal is justified in eschewing the evidence of R. Veeraiah since he was not tendered for cross-examination. But there is no justification for setting aside the entire domestic enquiry conducted by the management on that simple score. Therefore, the order of the Industrial Tribunal has to be set aside except to the extent of the finding that R. Veeraiah's evidence cannot be relied upon and the Industrial Tribunal will go into the other evidence afresh and dispose of the same in accordance with law."

As per the above orders of the Hon'ble High Court this Tribunal has to decide the case taking into the other evidence afresh.

8. M.W1 is P. V. Bapi Raju. In brief he deposed that he has been working as Asstt. General Manager, State Bank of Hyderabad at Bangalore since April, 1989. He was appointed as Enquiry Officer to conduct a domestic enquiry against the petitioner by the Disciplinary Authority by its order dt. 1-7-1982 and the said order is Ex. M1. Ex. M2 is the charge sheet issued to the Petitioner and it is dt. 26-2-1982. The petitioner did not submit any explanation to the chargesheet Ex. M2. Prior to Ex. M2 charge sheet, a show cause notice was issued to the petitioner and the petitioner gave explanation to the said show cause notice and the said explanation to the show cause notice is Ex. M3. He issued a notice

dt. 5-7-1982 to the Petitioner fixing the date of enquiry as 14-7-1982 to be conducted at Gandhi Chowk Branch, Khammam at 11.00 A.M. The office copy of the said notice is Ex. M4. On 14-7-1982 the Petitioner attended the enquiry and submitted an application praying for an adjournment and the said application submitted by the petitioner is Ex. M5. Later he sent a notice dt. 13-10-83 fixing the date of enquiry on 25-10-1983 at 11.00 A.M. to be conducted at Gandhi Chowk Branch, Khammam and the said notice is Ex. M6. The petitioner did not attend the enquiry on 25-10-1983 and sent a letter praying for an adjournment and the said letter is Ex. M7. He postponed the enquiry. He issued another letter dt. 13-12-1983 to the petitioner fixing the date of enquiry on 23-1-1984 at 11.00 A.M. to be conducted at State Bank of Hyderabad, Gandhi Chowk Branch, Khammam, and Ex. M8 is the office copy of the said notice. In the year 1982 he was working as Manager (Personnel Administration) at Head Office. Ex. M1 is the letter dt. 2-11-1984 issued by him to the petitioner. He asked the workman under Ex. M1 to bring his defence representative to represent his case during the enquiry. Ex. M10 is a notice of enquiry issued to the petitioner. Ex. M11 is the letter dt. 3-11-1982 issued by Sri Nageswar Rao requesting for his inspection of the documents and records of the Bank. Exs. M12 and M13 are the letters dt. 12-10-1982 and 2-9-1982 requesting for inspection of the documents. Ex. M14 is the letter dt. 20-9-1982 addressed to him. Only after Ex. M14 letter, the petitioner wrote Ex. M11 to Ex. M13 letter requesting for particulars of the documents. During the domestic enquiry proceedings, Sri D. Suryanarayana represented the case of the management and one Mr. B. V. Raghavulu represented the case of Sri J. D. Nageswar Rao. In view of the superannuation of Sri Raghavulu, workman representative was changed to Sri N. Sitarama Rao. Both the workman representatives during their tenure, fully represented the case of Sri J. D. Nageswar Rao. Ex. M15 is the enquiry proceedings. On behalf of the management, 7 witnesses were examined. On behalf of the workmen, the concerned workmen and two more witnesses were examined. During the course of domestic enquiry, 27 documents have been marked on behalf of the Management to prove the charges and 5 documents on behalf of the workmen were marked for defence. Ex. M16 is the full set of documents marked during the domestic enquiry i.e. 32 documents. Ex. M17 is the enquiry report dt. 26-3-1986 submitted by him to the Management. Ex. M18 is dt. 26-3-1986 issued by the disciplinary authority. Ex. M18 is the proceedings dt. 26-3-1986 with regard to show cause notice issued to the workmen. Ex. M19 is the letter dt. 11-4-1986 issued by the disciplinary authorities calling upon the workman to show cause within 7 days with regard to the proposed punishment. Ex. M20 is the letter dt. 17-4-1986 submitted by the workman requesting for time and Ex. M21 is the letter dt. 19-4-1986 permitting Sri Nageswar Rao to reply by 9-5-86. Ex. M22 is the reply submitted by the workman on 8-5-1986. Exs. M23 and M24 are the final proceedings issued to the workman. Sri Nageswar Rao was working as Head Cashier at Gandhi Chowk Branch. During the period, he was promoted and also posted as Disciplinary Authority. During the course of management's evidence, one witness was examined on behalf of the management, but Management could not produce him for cross-examination by the workman and his representative, as such during the course of proceedings, he passed an order no credence will be given other evidence of the said witness who was not brought for cross-examination. Ex. M25 is the letter dt. 13-7-82 issued by the Bank appointing Sri L. Suryanarayana to represent the case on behalf of the management in lieu of Sri B. V. Nagabhushanam.

9. Ex. M17 is the Enquiry Report of the Enquiry Officer dt. 26-3-1986. The Enquiry Officer found Charges (i) and (ii) proved against the Petitioner workman. Charge No. (i) the Enquiry Officer has given its finding as follows:

"From a perusal of the examination and cross-examination of M.W2 and M.W5 and also scrutiny of the exhibits marked, it is evident from R.R. in respect of ISC 786 was delivered by CSE to M/s. Bhadram Sports and General Goods suppliers either 30-8-80 or earlier and the party took delivery of the consignment on 30-8-80 much earlier to the payment of the bill which was paid subsequently on 24-2-1981. Similarly the consignment covered by LSC No. 973 was taken delivery by the party from the Transport

Company on 30-10-1980 whereas the relative Bill was paid on 24-2-1981. The retirement of both the bills viz., LSCs 876 and 973 on 24-2-1981 was confirmed by the party vide their letter dt. 24-2-81 which was marked as ME12. The documents in respect of LSC No. 973 also should have been delivered to the party by CSE only on or before 30-10-1980 although the bill remained unpaid which fact is known to CSE. Although CSE made an attempt to build up a feeble defence that the bills might have been misplaced by him or the Officiating Head Cashier in his absence, the Presenting Officer by producing evidence about the CSE being on duty on the dates on which the consignments were delivered by the Transport authorities, could successfully demolish the feeble defence put up. Sufficient evidence was produced by the Presenting Officer to prove that the documents of title to goods in respect of 11 bills listed in the Annexure to the charge sheet which were drawn on M/s. Padmaja Medical Distributor and M/s. Bhadrani Sports and General Goods Suppliers were delivered to the parties to enable them to take delivery of the consignments from the Transport Company's even before payment of bills by them. The Defence counsel in the cross-examination of M.W2 and M.W5 and examination of D.W1 could neither prove the innocence of the CSE nor counter the preponderant evidence produced by the Presenting Officer. D.W1 detailed the procedure followed in LSC counter which was more or less the same as stated by M.W2. An unsuccessful attempt was made by Defence Counsel as a last effort to prove that there is scope for another staff member to remove the documents stealthily before they are returned to ledgers. Charge (i) is, therefore, established beyond all doubt." A perusal of the records oral and documentary evidence, it is seen that R. R. in respect of LSC 786 was delivered by the Petitioner-workman to one Company namely M/s. Bhadrani Sports and General Goods Suppliers either on 30-8-1980 or some where before that and the party took delivery of the consignment on 30-8-1980 as is evident by the letter dt. 24-2-1981 of the party which is marked as ME12 in the domestic enquiry, and the party took delivery of the consignment on 30-8-1980 before the payment of the bill which was subsequently paid on 24-2-1981. There was another consignment covered by LSC No. 973 was taken delivery by the party from the Transport Company on 30-10-1980 whereas the relative bill was paid on 24-2-1981. Even this was confirmed by the party that they have taken the consignment much earlier to the payment made on 24-2-1981. No doubt sufficient evidence was produced by the Presenting Officer to prove that the documents of title to goods in respect of 11 bills listed in the annexure to the charge sheet which was drawn on M/s. Padmaja Medical Distributor and M/s. Bhadrani Sports and General Goods Suppliers were delivered to the parties to enable them to take delivery of the consignments from the Transport Company's even before payment of bills by them. Except this charge (i) was proved against the Petitioner workman all other charges i.e. charges (ii) to (viii) were not proved against the petitioner-workman. Now having seen that the petitioner workman no doubt delivered the goods to the parties without payment and that the payment was made good later on i.e. on 24-2-1981, that it might be the scope for another staff member to remove the documents stealthily before they are returned to ledgers. Be that whatever it may be. The payment was made subsequently and that there was no loss to the Respondent Bank. The only mistake the Petitioner workman committed was that the goods were delivered to the party without payment and that payment was made belatedly. However I find that the punishment of dismissal is shockingly disproportionate to the gravity of misconduct committed by the Petitioner-workman, and the petitioner workman was suffering for the last eight years for want of job, and I find that the punishment is more than enough for the petitioner-workman. In view of the above facts and circumstances, I am of the clear opinion that it is a

fit case where the petitioner-workman should be re-instated but without back wages and all other attendant benefits, as the capital punishment of the petitioner-workman dismissing from service is shockingly disproportionate to the proved charge.

19. In the result, the action of the Management of State Bank of Hyderabad, Warangal (A.P.) in dismissing Sri J. D. Nageswara Rao, Ex-Head Cashier from service with effect from 13-9-1986 is not justified. The concerned workman is entitled to be reinstated into service but without back wages and without other attendant benefits. The workman is not entitled for any kind of monetary relief.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 16th day of August, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witness Examined on behalf of Petitioner-Workman :	Witness Examined on behalf of Respondent-Management :
NIL	M.W1 P.V. Bapi Raju.

Documents marked for the Respondent-Management :

- Ex. M1 1-7-92.—Copy of the disciplinary action proceedings issued by the Disciplinary action authority to Sri. J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M2 26-2-92.—Copy of the Disciplinary Action Proceedings.
- Ex. M3 2-11-81.—Copy of the explanation submitted by Sri J. D. Nageswara Rao to the Disciplinary Action Authority S.B.H., Region-V, Hyderabad.
- Ex. M4 5-7-82.—Copy of the Enquiry Notice issued by the Enquiry Officer to J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M5 12-7-82.—Letter submitted by Sri J. D. Nageswara Rao to the Enquiry Officer with regard to postponement of the enquiry.
- Ex. M6 13-10-83.—Copy of the Enquiry notice issued by the Enquiry Officer to J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M7 25-10-83.—Letter submitted by J. D. Nageswara Rao to the Enquiry Officer with regard to postponement of the enquiry.
- Ex. M8 13-12-83.—Copy of the Enquiry Notice issued by the Enquiry Officer to J. D. Nageswara Rao.
- Ex. M9 2-11-82.—Letter issued by the E.O. to petitioner.
- Ex. M10—Notice of enquiry issued to the petitioner.
- Ex. M11 3-11-82.—Letter issued by Nageswara Rao requesting for inspection of the documents and records of the Bank.
- Ex. M12 12-10-82.—Letters requesting for inspection of the documents.
- Ex. M13 12-10-82.—Letters requesting for inspection of the documents.
- Ex. M14 20-9-82.—Letter addressed to the Enquiry Officer.
- Ex. M15—Enquiry Proceedings.
- Ex. M16—Full set of documents filed before the Enquiry Officer.
- Ex. M17—Enquiry report.
- Ex. M18 26-3-86.—Show Cause Notice (Proceedings) issued to the workman.
- Ex. M19 11-4-86.—Letter issued by the Disciplinary Authorities calling upon the workman for explanation.
- Ex. M20 17-4-86.—Letter submitted by the workman requesting for time.

Ex. M21 19-4-86—Letter permitting Sri Nageswara Rao to reply by 9-5-86.

Ex. M22 8-5-86—Reply submitted by the workman.

Ex. M23 & Ex. M24—Final proceedings issued to the workman.

Ex. M25 15-7-87—Proceedings issued by the Bank appointing Sri L. Suryanarayana to represent the case on behalf of the Management.

Documents marked for the Workman :

NIL

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2414.—आयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचक ग, केन्द्रीय सरकार न्यूक्लीयर फ्यूल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसूचक में निदिष्ट आयोगिक विवाद में आयोगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 23-8-94 की आज्ञा द्वारा था।

[संख्या एल-42012/97/87-डी. 2(बी) (पार्ट I)]
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2414.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on 23-8-1994.

[No. L-42012/97/87 D.II(B)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I

Dated : 12th day of August, 1994

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 3 OF 1989

BETWEEN

The Workmen of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad. ... PETITIONER

AND

The Management of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad. ... RESPONDENT

APPEARANCES:

M/s. G. Bikshapathy, G. Vidyasagar, V. Vishwanathan, N. Vinesh Raj, K.V.V. Bhasker, Advocates for the Petitioner.

Sri P. Damodar Reddy, Addl. Central Government Standing Council for Respondent

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-42012/97/87-D.II(B), dt. 27-12-1988 referred the

following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Nuclear Fuel Complex Hyderabad to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action on the part of the Management of Nuclear Fuel Complex Hyderabad in terminating the services of Sri B. Hanumantha Rao, as a casual labour with effect from 27-12-1985 is legal and justified? If not, to what relief the said workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 3 of 1989 and notices were served to both the parties.

2. After due procedure, this Tribunal passed an Award on 31-7-1992 and it was published in the Notification dt. 9-9-1992. Aggrieved by this Award, the Respondent-Management filed OA before the Central Administrative Tribunal in O.A. No. 60/93. The Central Administrative Tribunal passed judgement in O.A. No. 60/93 on 25-4-1994 as with the following observation :

"In the result, the Award dated 31-7-1992 is set aside and the matter is remitted to R-2 for disposal in accordance with law by keeping in view the observations in this order and the same has to be disposed of expeditiously and preferably within three months from the date of receipt of this order. The applicant herein i.e. the Management has to pay the wages referred to this order till the disposal of the I.D. and it is open to the applicant herein to move this Tribunal in regard to the wages if the circumstances so warrant. OA is ordered accordingly. No costs."

Now the matter has come before this Tribunal for disposal in accordance with law and the file was restored.

3 The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-workman read as follows :

The Respondent appointed the petitioner by its Order NFC/AR/0225/83, dt. 18-4-1983 casual basis to work in their Accounts Department w.e.f. 18-4-1983. The petitioner joined duty on the same day and was working in that Department continuously till 6th May 1984. On 7-5-1984 the Respondent by its Order, dt. 7-5-1984 directed the Petitioner to report to Sri G.R.G Chowdary, Asst. Stores Officer. Accordingly the petitioner reported to the said officer on that day and was working under him till his services were illegally, without any cause and with mala fide intention terminated with effect from 27-12-1985. From 18-4-1983 to 27-12-1985 the petitioner was working continuously and to the utmost satisfaction of his superiors. During this period he was paid daily wages once in a month. That as per the regulations the employees, who work for more than 180 days in a year are entitled for regularisation of their services. The petitioner's services ought to have been regularised on 18-4-1984 w.e.f. 18-4-1984 the petitioner was entitled to be regularised in the services of the Respondent in the post of Helper Grade I and ought to have been paid the same salary as a Helper Grade-I is paid. With a view to avoid regularisation of services of the petitioner, the management resorted to the illegal practice of giving artificial breaks and ultimately terminated the services of the petitioner w.e.f. 27-12-1985. The Petitioner was not given any official order to the effect that his services were terminated. The Security Officials at the gate were informed that the petitioner was not to be allowed into the premises. The petitioner was surprised at this action of the management as he was reliably informed that the Chief Officer of the Personnel Department of the management passed orders regularising his services in the post of Helper Grade-I just 2 or 3 days before and that he will be receiving the orders shortly. The petitioner demanded an interview with the Personnel Officer on 27-12-1983. He was asked to come on the next day. The petitioner went to this factory on 28-12-1985 as usual. He was asked to wait to see the Personnel Officer. He waited in the open outside the factory gate till 12.30 hrs. in the afternoon, when he was informed that he should come on the next day.

This went on continuously for more than 3 months and ultimately in the month of April 1986 he was informed that his services were terminated with effect from 27-12-1985 and that the question of continuing him even as a Casual Labour let alone regularising his services in the post of Helper Grade I does not arise. There was absolutely no cause for terminating the services of the petitioner. Whereas junior to the petitioner were continued and regularised the services of the petitioner were terminated. Sarvaeri D. Raja Rao, D. Bikshapathy, Murali Krishna etc. who were working as casual labour were regularised in service but the petitioner's services were arbitrarily terminated. The petitioner completed one year service by 18-4-1984 and ought to have been regularised in the post of Helper Grade-I w.e.f. 18-4-1984. The petitioner completed more than 240 days of service. The Respondent before terminating the services of the petitioner has not given one month notice or the one month wages in lieu of notice. The Respondent has also not paid retrenchment compensation as per Section 25-F of the I.D. Act. Hence the termination amounts to retrenchment without following Section 25-F of the Act is illegal and void. The petitioner is entitled to regularisation of his services and post of Helper or other Category posts. Number of vacancies in Helper category were filled up from the casual labour who worked for more than 180 days. Instead of regularising the services of petitioner as Helper, terminating his services is illegal and arbitrary. It is therefore prayed that the Hon'ble Court may be pleased to hold that the action of the management in terminating the services of petitioner w.e.f. 27-12-1985 is illegal, arbitrary and contrary to provisos of I. D. Act and consequently pass an award directing the respondent to reinstate the petitioner into services as Helper in Category I post with back wages, continuity of service and other attendant benefit.

4. The brief facts of the counter filed by the Respondent read as follows:—

It is submitted that the petitioner was working only as Casual Labour and he never put in continuous service under the Respondent. The petitioner was working in leave vacancy and his employment was never regular. The petitioner worked for 167 days in 1983 during the period from 18-4-1983 to 30-11-1983 and for 149 days from 4-5-1984 to 29-12-1984 and for 199 days from 1-1-1985 to 10-12-1985. The petitioner was only a Casual Labour and when the employment itself was casual i.e. not regular out only intermittent, there cannot be any termination or retrenchment of his service. The Respondent is a Government Department and it has a procedure for recruitment and the allegation that breaks were injurious in the service of the petitioner to avoid regularisation is not correct. It is submitted that allegation that Section 25-F is violated is not correct as casual employees are specifically excluded from the purview of Section 2(oo) of the I.D. Act. The allegation that some of his juniors are still working has no basis. The reason being that though all the employees including the petitioner, applied for regular appointments as internal candidates the petitioner could not qualify in the interview conducted by the Selection Committee for the purpose of regularisation. As such, he was not given regular appointment. It is therefore, prayed that this Hon'ble Court may be pleased to dismiss the claim petition with costs to the Respondent.

5. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in terminating the services of Sri D. Hanumantha Rao w.e.f. 27-12-1985 is legal and justified?

6 W.W1 was examined on behalf of the Petitioner-workman and marked Exs. W1 and W2. M.W1 was examined on behalf of the Respondent-Management and marked Exs. M1 to M10.

7 W.W1 is D. Hanumantha Rao. In brief he deposed that he is the petitioner workman in this I.D. He was appointed as Casual Labourer on 18-4-1983 in the Respondent-Company. He was given the post of inward and outward clerk in the Accounts Department of the Respondent. He worked in the said post till May 1984. On 27th December, 1985 his services were orally terminated by the Respondent. The Respondent did not issue any notice to him before terminating his services and the Respondent did not pay him any retrenchment compensation and also did not pay notice

pay in lieu of not issuing notice to him. No reasons are assigned by the management of the Respondent for terminating him from service. He was not given any written order terminating his services by the Respondent. Ex. W1 is the appointment order dt. 18-4-1983 issued to him by the Respondent directing him to work in the Accounts Department w.e.f. 18-4-1983. Ex. W2 is another letter dt. 7-5-1984 issued by the Management of the Respondent directing him to report to Sri G.R.G. Chaudhary Asst. Stores Officer. After his services were terminated. He approached the Personnel Officer of the Respondent at his House on 27-12-1985 and he asked him to come and meet him in the Respondent on the next day morning. On the next day, he went to the Respondent to meet the Personnel Officer, but he was not allowed by the Security Officer to go inside the Company. He reported this matter about the Security Officer abducting him at the main gate on that evening at his house and he instructed him to come to the factory on the next day stating that he will phone to the Security Officer to allow him to go into the Company. Accordingly he went to the Respondent on the next day but he was not allowed to go into the Company by the Security Officer and he informed that he did not receive any phone call from the Personnel Officer. Three workmen viz., Sri B. Raja Rao, Murali Krishna and Sri B. Bikshapathi who were juniors to him were regularised by the Respondent. He completed service of one year and therefore he is entitled to be regularised. He was not paid the salary for Sundays during the period he worked in the Respondent. He worked in the Respondent continuously from 18-4-1983 to 27-12-1985 and for more than 240 days continuously. There were no breaks in his service during the period from 18-4-1983 to 27-12-1985. He prays the Court to pass an Award directing the Respondent to reinstate him with full back wages, with continuity of service and all other attendant benefits.

8. M.W1 is T. Koteswara Rao. In brief he deposed that he has joined the Respondent on 25-4-1984 as Industrial Relations Officer. He is giving evidence on the basis of the records available in the Respondent. Ex. M3 is the photostat copy of the application dt. 9-4-1983 from the petitioner duly furnishing the Bio data, requesting for a job. In Ex. M3 in the column pertaining to "experience" the petitioner shown that he worked as Lift Mechanic during the period from 20-3-1978 to 25-1-1983 in Best Crompt Engineering Private Limited both at Hyderabad and Vijayawada. The petitioner also enclosed Ex. M4 and M5 experience certificate (xerox copies) issued by Best & Crompton Engg. Ltd. The petitioner also submitted a xerox copy of Ex. M6 Board of Secondary Education Certificate. In 1983 the petitioner worked for 170 days and Ex. M7 above the Attendance particulars of the petitioner (xerox copy). Due to arithmetical error in the counter it is shown as 167 days working days for the year 1983 is the matter of petitioner. The petitioner worked 144 days in 1984 and Ex. M8 is the photostat copy of the statement showing the attendance particulars. Due to arithmetical error in the counter, it is stated as if the petitioner worked for 149 days in 1984. The petitioner worked for 199 days in 1985 and Ex. M9 (xerox copy) in the photostat copy of the statement showing the attendance particulars for the year 1985. The petitioner worked as Casual Labour. The petitioner worked in the leave vacancies and some extra work when it was available. As per Ex. W1 and W2 the petitioner worked two different sections in the Respondent. The Respondent is part and parcel of automatic Energy Department of Government of India. They maintain muster rolls for casual labour. Ex. M10 is the bunch of muster rolls pertaining to the petitioner signed in the muster rolls some times and some times the officers also marked the attendance particulars. Based on the attendance records the particulars will be sent to the Accounts Department, in turn the Accounts Department will check up the records and wages will be paid. In the matter of petitioner also the said procedure was followed. The petitioner has not worked continuously as stated by him in his evidence. In fact he worked intermittently in the Respondent. The petitioner worked upto 10-12-1985 only and he has not worked after the date. The petitioner has not worked for 240 days continuously, in any year and the Respondent has not violated the provisions of the I.D. Act.

9. The case of the Petitioner-workman that he worked in the Respondent Company during the period from 18-4-1983 to 27-12-1985. He was appointed by an Order Ex. W1 dt. 18-4-1983 as Casual labour and he was directed in Ex. W1 to the Accounts Officer-III to work on casual basis in Accounts (Costing) Section w.e.f. 18-4-1983. The contention of the Respondent in its counter that the Petitioner-workman was working only as Casual labour and he never put in continuous service under the Respondent, that the Petitioner was working in leave vacancy and his employment was never regular, that the Petitioner worked for 167 days in 1983 during the period from 18-4-1983 to 30-11-1983 and for 149 days from 4-5-1984 to 27-12-1984 and 199 days from 1-1-1985 to 10-12-1985. It is pertinent to note that the Respondent did not file any documentary evidence to show that the petitioner worked in the leave vacancy for the specified periods during the relevant period from 18-4-1983 to 10-12-1985 which was the period during which the petitioner admittedly worked in the Respondent-Company. It is clear from Ex. W1 that the appointment order it does not disclose that the petitioner was appointed for any specific period during the leave vacancy and it clearly shows that the petitioner was appointed for the first time in the Respondent-Company. It is also seen that the petitioner's services were directed to be utilised in the Accounts (Costing) Section, while he was working as Casual labourers, disowning him to work as labourer. Hence I do not agree with the contention of the Respondent that the petitioner was working in leave vacancy. Even according to the case of the Respondent, the Petitioner worked in the Respondent Company during the period from April, 1983 to December, 1985. According to the case of the Respondent, the petitioner worked for 149 days during the period from 4-5-1984 to 29-12-1984 and for 199 days during the period from 1-1-1985 to 10-12-1985. Thus it is clear from the statements Ex. M8, a break was given for two days i.e. on 30-12-1984 and 31-12-1984 which should be treated as artificial break. So I find that the Petitioner worked for 348 days during the period from 4-5-1984 to 10-12-1985, which in my opinion that the petitioner worked for more than 240 days within a period of 12 months immediately prior to the date of his termination from service. Such termination without complying with the mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act, amounts to retrenchment as defined in Section 2(oo) of the I.D. Act. The main argument of the counsel for the Petitioner that no doubt the Petitioner workman worked for 139 days as per Ex. M9 but the decision of the Supreme Court in 1985 (11) LLJ, page 539(SC) is that for counting of 240 days continuously within a period of 12 months immediately prior to the date of the termination from service of an employee, the week offs, Public Holidays and Festival Holidays, days also should be counted in arriving at 240 days. So if we add week offs, Public Holidays and Festival Holidays, it would be more than 240 days. I am of the opinion that it is established that the petitioner worked for more than 240 days continuously within a period of 12 months immediately prior to the date of his termination from service which amounts to retrenchment under Section 2(oo) of the I. D. Act and the retrenchment of the petitioner without complying with the mandatory provisions of Section 25-F of the I.D. Act entitles the petitioner for reinstatement into service with full back wages and continuity of service. I would like to bring another point that the Respondent-Management has marked a bunch of muster rolls as Ex. M10. In Ex. M10 the Respondent filed Muster Roll for the period from April, 1983 to November, 1983 and from May 1984 to September 1985 and presumably from November, 1985 to December, 1985. A reading of Ex. M10 would show that the Respondent has not filed the Muster rolls for the months of December, 1983, January 1984, February 1984, March 1984 and April, 1984 and then for October, 1984. It is noticed that the Petitioner workman used to initial the muster rolls for the period from April 1983 to November, 1983 whereas for the rest of the periods i.e. from May 1984 to end of December, 1985 the Respondent-Management used to mark the attendance of the workmen. Why the change of the petitioner-workman putting his initials on the muster rolls upto November 1983 and then switched on to marking of the attendance of the petitioner workman by the Respondent Management is best known to themselves. It is also seen that the Respondent-Management has not filed the Muster Rolls for the period from December

1983 to April 1984. It is also pertinent to note that the Respondent-Management has filed only the selected muster rolls to suit their case. It is also seen that Exs. M7, M8 and M9 are not attested by the person who prepared these documents. Taking into consideration all the facts and circumstances of the case, I am of the firm opinion that the Petitioner is entitled for reinstatement into service with full back wages and continuity of service.

10. In the result, the action on the part of the management of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad in terminating the services of Sri D. Hanumantha Rao, as a casual labourer with effect from 27-12-1985 is illegal and unjustified. The concerned workman is entitled to be reinstated into service with full back wages and all other attendant benefits.

11. Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 12th day of August, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witnesses Examined on behalf of the Petitioner-Workman :	Witnesses Examined on behalf of the Respondent-Management :
----------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------

W.W1 D. Hanumanth Rao	M.W1 T. Koteswara Rao
Documents marked for the Petitioner-Workman :	

Ex. W1/18-4-83—Letter issued by the Asst. Personnel Officer, N.F.C., Administration-I to Sri D. Hanumanth Rao.

Ex. W2/7-5-84.—Letter issued by the Asst. Personnel Officer, N.F.C. Administration-I to Sri D. Hanumanth Rao.

Documents marked for the Respondent-Management:

Ex. M1.—Xerox copy of Minutes of conciliation.

Ex. M2/11-5-87—Xerox copy of failure of conciliation report.

Ex. M3—Xerox copy of the Biodata Form.

Ex. M4/9-2-81—Experience Certificate issued by Best & Crompton Engineering Ltd.

Ex. M5/3-7-1982—Experience Certificate issued by Best and Crompton Engineering Ltd.

Ex. M6/30-11-82—Xerox copy of SSC Memo.

Ex. M7—Xerox copy of attendance particulars in 1983.

Ex. M8—Xerox copy of attendance particulars in the year 1984.

Ex. M9—Xerox copy of attendance particulars in the year 1985.

Ex. M10—Muster Roll, pertaining to the petitioner.

श्रीम और पुनर्वासि मंत्रालय

(श्रीम विभाग)

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.प्र. 2415.—यन. मैमर्स पंजाब खादी मण्डल, आदमपुर, शोराबा, डिस्ट्रिक्ट, जालंधर (इसके प्रागे जहां कहीं भी उक्त स्थापना शब्द का प्रयोग हो, उसमें अभिप्रायः उक्त स्थापना से है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) इसके प्रागे उक्त अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट को प्रागे 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अन्तर्गत छूट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्र सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिए तैयार किए गए भविष्य निधि नियमों में अंशदान की दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर से कम नहीं है तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 इसके अग्रे जहां कहीं भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उससे अभिप्राय उक्त स्कीम से है में उल्लिखित लाभों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है जो इस वर्ग की स्थापनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में वर्णित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के लागू होने से छूट प्रदान करती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना से संबंधित नियोक्ता केन्द्र सरकार के द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देश के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) में उल्लिखित निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न-छूट प्राप्त स्थापनाओं के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन सृजित स्कीम के अन्तर्गत देय अंशदान के दर में स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अन्तर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेशगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना की स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम 1952 से कम हितकर नहीं होगा।

4. उक्त स्कीम में कोई भी संशोधन जो स्थापना के वर्तमान नियमों से अधिक लाभकारी है उन पर अपने आप लागू किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्ण अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावित होने की सम्भावना है वहां अपनी अनुमति से पूर्व, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना को छूट न दी जाती तो वे सभी कर्मचारी [जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2(च) में निश्चित किया गया है] जो सदस्य बनने के पात्र होते, सदस्य बनाए जायेंगे।

6. जहां एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट-प्राप्त स्थापना का पहने से नवस्य है, को अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाता है तो नियोक्ता उसे निधि का तुरन्त सदस्य बनाएगा और

ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोक्ता के पास भविष्य निधि लेख में संख्या को अंतर्गत कराने और उसके लेख में जमा कराने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी मामला हो, समय-समय पर दिए गए निर्देशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोक्ता न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बात के होते हुए भविष्य निधि में आय के उचित लेखों और भविष्य निधि में अदायगियों और उनकी अभिरक्षा में शेषों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. तथा 10. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार बैठक करेगा और केन्द्र सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके द्वारा अधिकृत किसी अधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी किये गए मार्ग निर्देशों के अनुसार कार्य करेगा/न्यासी बोर्डों द्वारा रखे गये भविष्य निधि लेखों की लेखा परीक्षा वार्षिक रूप से योग्य सनदी लेखापाल द्वारा स्वतंत्र रूप से की जायेगी/जहां भी आवश्यक होगा केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिकार होगा कि वह किसी अन्य योग्य लेखा परीक्षक से खातों की दुबारा लेखा-परीक्षा कराए और ऐसे पुनः लेखा-परीक्षा के खर्च नियोक्ता वहन करेगा।

11. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा परीक्षित तुल्य-पत्र के साथ लेखापरीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों की एक प्रति वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छः माह के अन्दर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भविष्य निधि का वित्तीय वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

12. नियोक्ता प्रतिमाह भविष्य निधि के देय अपने कर्मचारियों के अंशदानों को आगामी माह की 14 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अन्तरित कर देगा। अंशदानों की विलम्ब से अदायगी करने के लिए समान परिस्थितियों से नियोक्ता नुकसानी देने का उसी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न-छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

13. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निवेश करेगा। प्रतिभूतियां न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जाएंगी और भारतीय रिजर्व बैंक के जमा नियंत्रण में अनुसूचित बैंक की अभिरक्षा में रखा जाएगा।

14. सरकार के निर्देशों के अनुसार निवेश न करने पर न्यासी बोर्ड अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए अधिक प्रभार का उत्तरदायी होगा।

15. न्यासी बोर्ड एक वस्तु-व्योरा रजिस्टर तैयार करेगा और ब्याज और विमोचन आय की समय पर वसूली सुनिश्चित करेगा।

16. जमा किए गए अंशदानों, निकाले गए और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित व्याज को दिखाने के लिए न्यासी बोर्ड विस्तृत लेखे तैयार करेगा।

17. वित्तीय/लेखा वर्ष की समाप्ति के छ माह के अन्दर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण जारी करेगा।

18. बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण के स्थान पर पासबुक जारी कर सकता है। ये पास-बुक कर्मचारियों की अभिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुतीकरण पर बोर्ड के द्वारा इन्हें अद्यतन किया जाएगा।

19. लेखा वर्ष के पहले दिन आदि शेष पर प्रत्येक कर्मचारी के लेखे में व्याज उस दर से जमा किया जाएगा जिसका न्यासी बोर्ड निर्णय करें परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

20. यदि न्यासी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित व्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या किसी अन्य कारण से अदा करने में असमर्थ है तो इस कमी को नियोक्ता पूरा करेगा।

21. नियोक्ता भविष्य निधि की चोरी के कारण लूट-घसुट, ब्यान्त, गबन अथवा किसी अन्य कारण से हुई हानि को पूरा करेगा।

22. नियोक्ता और न्यासी बोर्ड, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्धारित करें।

23. उक्त स्कीम के पैरा 69 को शैली पर किसी कर्मचारी को निधि के सदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निधि नियमों में नियोक्ताओं के अंशदानों को जप्त करने की व्यवस्था है तो न्यासी बोर्ड इस प्रकार जप्त की गई राशियों का अलग से लेखा तैयार करेगा और उसे प्रयोजना के लिये उपयोग करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति से सुनिश्चित किया गया हो।

24. स्थापना के सा.नि. नियमों में किसी बात के होते हुए भी सेवानिवृत्त होने अथवा किसी अन्य स्थापना में रोजगार लगने के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति के निधि की सदस्यता न रहने पर यदि यह देखने में आता है कि स्थापना के भ. नि. नियमों के अन्तर्गत अंशदान की दर, जवती आदि की दर, सांविधिक स्कीम की दरों की तुलना में कम अनुकूल तो उस का अन्तर नियोक्ता द्वारा दिया जाएगा।

25. नियोक्ता भविष्य निधि के प्रशासन से सम्बन्धित सभी खर्च जिसमें लेखों के रखरखाव और प्रस्तुत किए जाने, राशियों का अन्तरण शामिल है, वहन करेगा।

26. नियोक्ता समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निधि के निमन की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बहुमत की भाषा में अनुवाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगाएगा।

27. "समुचित सरकार" स्थापना की चालू छूट पर और शर्तें लगा सकती हैं।

28. यदि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत स्थापना वर्ग जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की दर बढ़ायी जाती है, नियोक्ता भविष्य निधि अंशदान की दर उचित रूप में बढ़ाएगा ताकि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिए जाने वाले लाभों से स्थापना को स्कीम के अन्तर्गत दिए जाने वाले भविष्य निधि के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त शर्तों में से किसी एक से उल्लंघन पर छूट रद्द की जा सकती है।

[सं. एस-35015/4/94-एस.एस.-II]

जे.पी. शुक्ला, अवसर सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour)

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2415.—Whereas Messrs Punjab Khadi Mandal Adampur, Jalandhar, (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme,

THE SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the un-exempted establishments and the said Scheme framed thereunder.

3. In the matter of advances, the scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees' Provident Fund Scheme, 1952.

4. Any amendment to the said scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. The employer shall not however make any other amendment in its P. F. Rules without the approval of Regional Provident Fund Commissioner.

The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view.

5. All employees as defined in section 2(f) of the said Act who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not been granted exemption shall be enrolled as members.

6. Where an employee who is already a members of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a provident fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enroll him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with his previous employer transferred and credited to his account.

7. The employer shall establish a Board of Trustees for the management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Provident Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.

8. The provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the provident fund and the balances in their custody.

9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or and officer authorised by him.

10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.

11. A copy of the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the rules of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.

12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident Fund by himself and employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay simple interest for any delay of the contributions at such rate and manner as an un-exempted establishment is liable in similar circumstances.

13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a scheduled Bank under the Credit Control of the Reserve Bank of India.

14. Failure to make investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.

15. The Board of Trustees shall maintain a scriptwise register and ensure timely realisation of interest.

16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.

17. The Board shall issue an annual statement of accounts to every employee within six months of the close of financial/accounting year.

18. The Board may, instead of the annual statement of accounts, issue pass books to every employees. Those pass book shall remain in the custody of the employees and will be brought up to date by the Board on presentation by the employees.

19. The accounts of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such rate as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.

20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason then the deficiency shall be made good by the employer.

21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft burglary, defalcation, mis-appropriation or any other reason.

22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government/Central Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.

23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employees' contribution in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amount so forfeited prior to 1-1-1990 utilised by the B-O-T for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.

24. Notwithstanding any thing contained in the Provident Fund Sales of the establishment, if on the cessation of any individual from the membership of the fund consequent on retiring from service or on taking up the employment in some other establishment, it is found that the rate or contribution rate of forfeiture etc., under the P. F. Rules of the establishment are less favourable as compared to these under the statutory Scheme, the difference shall be borne by the employer.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the Provident Fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.

26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended thereto alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The "appropriate Government" may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[No. S-35015/4/94-SS. III]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. आ. 2416.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे, बम्बई के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल -41011/83/89-आई आर (डीयू)/बी आई]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2416.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 24-8-1994.

[No. L-41011/83/89-IR (DU)/B-1]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

PRESENT -

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-50 of 1990

PARTIES:

Employers in relation to the management of Western Railway, Bombay.

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

For the Management: Shri P. R. Pai, Advocate.

For the Workman: Shri M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY: Railways.

STATE: Maharashtra

Bombay, the 5th August 1994

AWARD

The Divisional Secretary, Paschim Railway Karamchhari Parishad, hereafter referred to as 'Parishad' has filed his statement of claim in the above reference made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi under Section 10(1)(d) read with sub-section 2A of the Industrial Disputes Act, for adjudication.

2. He has stated that the 9 employees mentioned in the statement of claim were employed as casual labourers and designated as Khalasi at the relevant time. They were serving under the Bridge Inspector (RBI) Bhayander in the Bombay Central Division of Western Railway. Their services were terminated with effect from 20-6-1985, and they were again reinstated with effect from 21-1-1987. Parishad's General Secretary in claiming wages for the intervening period. According to him 5 of them had completed 240 days and their names are mentioned in para 4. According to him, the rights and privileges admissible to casual labourers who are treated as temporary and governed by Rule 2511 of Indian Railway Establishment Manual (hereinafter referred to as IREM) which stated that the Casual Labour treated as temporary are entitled to all the rights and privileges admissible to temporary railway servant as laid down in Chapter XXIII and which also includes the benefits of Discipline and Appeal Rules. They are also allowed to carry forward the leave at their credit to the new post on absorption in regular service. It is also his case that services of temporary railway servants are liable to be terminated on 14 days notice or either side and such notice should be given by an authority not lower than the appointing authority and in case railway servant to whom the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 apply, he shall be entitled to notice or wages in lieu thereof in accordance with the provisions of that Act. The 5 employees who had completed one year continuous service were governed by Section 25F of the Industrial Disputes Act requiring three months notice or wages for the period of notice.

3. The management during the conciliation proceedings stated that none of the 9 employees have completed 240 days continuous service and hence were not eligible for retrenchment compensation. It is further contended that the Parishad wanted to verify the records particularly in reference to the letters of appointment of their concerned workmen the dates of actual receipts of the alleged notice by the concerned workmen and the actual period of employment of the 5 workmen who had completed 240 days. They were not made available and hence the conciliation failed.

4. It is contended that as per Rule 2302, all the employees were entitled to 14 days notice in the absence of which the termination was illegal, null and void. It is also to be shown that the notice dated 20-5-1985 was served on the same day on the employees and further with the amendment of Industrial Disputes Act, it is necessary to comply with the provisions of Section 25F of the Act which has not been done. It is also not shown that the other provisions concerning retrenchment have been complied with.

5. The management has filed written statement to the statement of claim contending that the reference is not maintainable as it has been made without application of mind. It is admitted that the 9 casual labourers were engaged on daily wages from 21-11-1984 under Bridge Inspector, Bhayandar against Extra Labour Allocation sanctioned for a specific period and against a particular work. The particular work completed on 20-6-1985 and ELA against which those casual labourers were engaged also expired. Therefore, the said 9 casual labourers were given notice dated 20-5-1985 for termination of their services. It is denied that they were reinstated on 21-1-1987. However, on findings that they could be provided with similar type of work they were engaged with effect from 21-11-1987 under BRI BYR. In the meanwhile, however, they did not respond to the letter dated 19-1-1987 issued by BRI BYR to work under CPW1 BVI.

6. It is denied that the 5 employees indicated in para 5 to put in 240 days of work. It is denied that they are entitled to benefits of discipline and appeal rules even though they attained temporary status because they are entitled to carry forward their leave from the date of attaining temporary status. The contention is that they had given month's notice as per rules and they are not entitled to anything more than that.

7. Parties submitted written arguments.

8. The dispute mentioned in the schedule is as follows:

"Whether the action of Western Railway in retrenching the services of nine casual workmen w.e.f. 20-6-85 is justified? Whether the said workmen are entitled

for interim relief for the idle period from 20-6-85 to 20-1-87? If not what relief the concerned workmen are entitled to?"

9. The undisputed position is that these 9 persons mentioned in the statement of claim worked as casual labourers. Dates they attain temporary status are mentioned in the statement of claim. With regard to five of them period during which they worked is mentioned in para 4. The point for consideration is whether the termination with effect from 20-6-1985 by notice dated 20-5-1985 is justified and the contention is that it is not.

10. The management has come out with a case that they had not worked for 240 days in a year preceding the date of termination and therefore, the provisions of Section 25F were not attracted. In this connection, there is an admission in the statement of claim that only five of them had completed 240 days and names are mentioned in para 4 and rest of them admittedly have not completed 240 days. Therefore, they could not be said to have been in continuous service for a year and if that be so they cannot claim benefit of Section 25F of the I.D. Act. Even with regard to the five persons, the management had disputed that they have put in 240 days work and in this connection there is material produced on behalf of the management. It has not been shown to me that material shows that these five persons have put in 240 days of work to enable them to contend that they have been in continuous service for one year within the meaning of Section 25B of the Act. In fact the claim for the intervening period between 20-6-1985 and 21-1-1987 is based on the ground that the retrenchment is in contravention of Section 25F and therefore, they should be deemed to be in service holding that the termination was illegal and paid for the intervening period. I am unable to hold in favour of the workmen on any of these points in view of position obtaining on record.

11. I may mention that the next contention raised on behalf of the Parishad is that they attained temporary status under the Indian Railway Establishment Manual and protection is given to them. So far as these workmen are concerned it is stated that they attained temporary status with effect from the dates mentioned in the statement of claim and also in written submissions made. Let me assume that the position is correctly mentioned. The point that arises for consideration is whether the termination of said persons is in contravention of Manual and if so whether they are entitled to the wages for the intervening period as a result of illegal termination of their services. The rights and privileges are mentioned in para 2503 of the Manual in Chapter XXV dealing with Casual Labour. It mentioned that they are not entitled to rights and privileges other than those statutorily admissible under the various Acts, such as Minimum Wages Act, Workman's Compensation Act etc. or those specifically sanctioned by the Railway Board from time to time. Para 2505 says that except where notice is necessary under any statutory obligation, no notice is required for termination of service of the casual labour. Their services will be deemed to have terminated when they absent themselves or on the close of the day. A note there under says that: in the case of a casual labourer who is to be treated as temporary after completion of six months continuous service, the period of notice will be determined by the rules applicable to temporary railway servants.

12. Para 2511 speaks of rights and privileges admissible to casual labour who are treated as temporary after completion of six months continuous service. They are entitled to all the rights and privileges admissible to temporary railway servants as laid down in Chapter XXIII of the Indian Railway Establishment Manual. That also include the benefits of the Discipline and Appeal Rules. Their service, prior to the date of completion of six months' continuous service will not, however, count for any purpose like reckoning of retirement benefits, seniority etc. Such casual labourers will, also, be allowed to carry forward the leave at their credit to the new post on absorption in regular service. The later part of the paragraph which deals with absorption of casual labourer in regular vacancy is not relevant for the purpose of this proceedings. It is not shown that any right conferred is violated or privilege denied by Chapter XXIII of the Indian Railway Establishment Manual.

13. Para 2302 in Chapter XXIII deals with temporary railway servant's termination of service and periods of notice. Sub-section (1) says that he shall be liable to termination on 14 days notice on either side. There is a provision which dispenses with that notice in certain circumstances. I have already dealt with fourth category in the proviso while dealing with Section 25F of the Industrial Disputes Act. In this particular case, management contends that the work for which they were appointed was over and there was no work that could be provided to them and when it was possible to do so it was done. It further contends that even then one month's notice has been given and that is more than 15 days notice contemplated by para 2302. The management has produced the notices and acknowledgements of the workers and in view of this, I find that there is no merit in the contention that the termination is not in accordance with the Indian Railway Establishment Manual. I therefore, find that the Parishad has not been able to make out the case that the retrenchment is not in accordance with Section 25F of the Industrial Disputes Act, nor has it succeeded in showing that the termination is in contravention of the Indian Railway Establishment Manual.

14. On behalf of the Workmen, two decisions have been relied upon, the first is in the case between Mohan Lal and Bharat Electronics Ltd., reported in 1981, Vol. II, LLJ, page 70. The said proposition laid down by the Supreme Court is that the termination of service by way of retrenchment without complying provisions of Section 25F is illegal and the consequence is that the workman was entitled to declaration of continuous service with all consequential benefits. If I were to hold that the present case before me is one of retrenchment without following the provisions of Section 25F, the ruling would have been applicable. The other authority referred to and relied upon is in the case between L. Robert D'Souza, and Executive Engineer, Southern Railway and another reported in 1982, Vol. I, LLJ, page 330. In this case the workman's services were terminated on account of absence during the time he was on fast. Since that constituted a misconduct it has been held that it was open to employer to terminate services without notice and enquiry or at any rate without complying with the principles of natural justice and rule 2303 clearly prescribed the mode manner and method of termination of services of temporary railway servant and the same procedure had not been followed rendering the termination void and invalid. I find that the provisions of Section 2302 for termination, even if attracted have been followed inasmuch as notice has been given. Though, 14 days notice was required, the management has given one month's notice. I thus find that the claim based on the ground that the termination was illegal is not sound and hence, direction to make payment of the intervening period cannot be given.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. आ. 2417.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में; केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन—12012/14/89-आई०आर०(बी आई)]

बी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2417.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 24-8-1994.

[No. L-12012/14/89 IR (B-I)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-54 of 1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Reserve Bank of India, Bombay

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri G. S. Hegde, Officer.

For the Workman—Workman present in person.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, the 9th day of August, 1994

AWARD

Shri Kamble was employed in daily wages on the Establishment of Reserve Bank of India, Byculla, Bombay. He came to be appointed in the month of 24th September, 1981 and worked till 17th September 1983 when his services came to be terminated. According to him, he worked for more than 200 days in each year and was entitled for absorption in the temporary cadre of Class IV employees, however, that was not done. He approached the Assistant Labour Commissioner, Central Bombay, Government of India. The management, however, did not agree to reinstate him but agreed to continue his services as daily wage worker. However, that was also not done. Hence following dispute have been referred for adjudication under Section 10(1)(d) read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

“Whether the action of the management of Reserve Bank of India, Bombay in terminating the services of Shri S. K. Kamble of Byculla branch w.e.f. 17-9-83 without any consequential benefits under the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 is justified? If not to what relief the workman concerned is entitled?”

2. He also submits that 7 other workmen who joined alongwith him on daily wages were absorbed and regularised. He is a handicapped person with one eye, was rejected an opportunity for regular employment after putting in more than two years service with the Bank. He therefore, prayed for a direction to the Bank to absorb him as a regular employee from the date of termination, that is 17-9-1983 and to pay him back wages with effect from that date.

3. Management has filed written statement Admitting that he was appointed as a Badli Farash from 24th September 1981 and that his engagement was discontinued with effect from 17th September 1983 it is contended that he had not worked for more than 240 days in the previous 12 months and therefore, provisions of Section 25-F of the Act were

not attracted. It is therefore stated that by letter dated 17th October 1983, he had requested to issue him a call for interview for recruitment to the post of Class IV at the time of next recruitment. As his case was not however, covered by the existing recruitment policy he was not eligible for being called.

4. On 28th October 1987 he had referred the matter to the Assistant Labour Commissioner where Bank filed reply on 5th May 1988. The current procedure for recruitment was mentioned. Employment Exchange was to be informed and that was done. Applications were received through Employment Exchange from several candidates including those who were working/had worked in the Bank on daily wages basis. Claimant's application was however, not received and therefore, it was not permissible and not proper as well to consider his candidature for recruitment. His case was not covered by the other categories of candidates. Those categories were; existing Class IV employees in other categories with 5 year full time service and part time employees or waitlisted/badlis who have rendered daily wage service. The third category was candidates sponsored by the Employment Exchange.

5. It is contended that Shri Kamble had not in his letter dated 28th October 1987 to the Assistant Labour Commissioner made out a case that his daily wage engagement as Badli Farash was illegally terminated by the Bank. It is stated that such cases arise because he had not completed 240 days of work during the previous 12 months prior to his termination. The scope of the dispute referred, it is contended on behalf of the Bank is limited.

6. It is contended that the case was not covered by Section 2-A or (k) of the I. D. Act.

7. It is further defined that he worked for a total period of 240 days preceding 12 months and therefore, derming provisions of Section 25-B (2) of the Act was not attracted. Even assuming that he had worked for 200 days in a year it does not entitle him for absorption in the temporary cadre.

8. As a special case at the request of the Assistant Labour Commissioner, the Bank had agreed and was ready to consider engaging him on daily wage as junior-most daily wage worker in the list of Farash/Mazdoor but this offer made was refused by Shri Kamble. Hence failure report was made. Since his name was not on the list of daily wage Farash/Peon maintained by the Bank. He was not eligible for regular employment in the Bank and he was not satisfying the eligibility criteria for regular appointment. It is further contended that he was never in the service of the Bank but was engaged on daily wage basis from September 1981 to September 1983 and since he had not completed 240 days during the preceding 12 months from the date of discontinuance of his daily wage engagement, the Bank was justified in discontinuing his engagement. Prayer for rejecting the reference is made.

9. The point that arises for consideration in view of the admitted position is whether the discontinuance of Shri Kamble with effect from 17-9-1983 is justified. As stated earlier, there is no dispute on the point that he joined the Bank on 24th September 1981 and his engagement was discontinued on 17th September 1983. The Bank has in the course of written statement, in para 11 stated that he was a daily wage worker and was not in the service of the Bank, that he had not completed 240 days in the preceding 12 months from the date of discontinuance and hence the Bank was justified in discontinuing his engagement.

10. So far as Shri Kamble is concerned the contention is that he was a workman who had been retrenched and therefore, provisions of Section 25-F were attracted inasmuch as he was in continuous service for a year. Workman has been defined in Section (s) as any person employed in any industry to do any manual, unsilled, skilled, technical, operational clerical or supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment be express or implied, and for the purposes of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of that dispute, or whose dismissal discharge or retrenchment has led to that dispute, is a

workman. However, certain categories of persons are excluded and it cannot be disputed that he does not come within the excluded category. In my opinion Kamble is covered by the definition of workman because he was employed in the Bank. He was engaged as a Farash. Whether he was a casual workman or not will not bring him out of the definition of workman under Section (s) because the Act makes no distinction between casual workman and other workman and benefit of Section 25-F is available to casuals as well. What is relevant is the relationship of employer and employee for requisite length of time and the nature of employment is irrelevant provided the conditions of Section 2(s) are satisfied. In my opinion, he is a workman within the meaning of Section 2(s).

11. Next point that arises is whether he was retrenched. Retrenchment has been defined under Section 2(oo) of the Act, as meaning the termination by the employer of the service of a workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action. It will not be disputed that this case does not come within the exceptions mentioned under Clauses (a), (b), (bb) and (c). It is a case of termination of his service and it is not as a punishment inflicted by way of disciplinary action.

12. The question that then arises is whether Section 25-F of the Act is attracted. It mentioned conditions precedent to retrenchment of the workman, but to attract the provisions of Section 25-F, he should have been in continuous service for not less than one year under the employer. It is not disputed that the conditions precedent to retrenchment have not been followed. What is contended is that his case is not covered by Section 25-F of the Act because he has not been in continuous service for not less than one year. Section 25-F of the Act, therefore, becomes relevant because it defines continuous service. Sub-section (1) of Section 25-B reads thus "a workman shall be said to be in continuous service for a period if he is, for that period, in uninterrupted service, including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal or a lock-out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman". Sub-section (2) of Section 25-B speaks of a workman who is not covered by sub-section (1) and it says that he shall be deemed to be in continuous service under an employer for a period of one year, if he has during a period of twelve calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Now the argument advanced is that it is not shown by the workman that he had actually worked for not less than 240 days in a period of 12 calendar months prior to 17th September 1983. It is true that the management has stated in the written statement that the total number of days he worked during the preceding 12 months was 156. A statement to that effect was called for and that shows the number of days he has worked during the entire period of September 1981 to September 1983. Let us assume that he has not worked for 240 days in a preceding 12 months. It is also not the case of workman as can be seen from the statement of claim that he had put in more than 240 days in the preceding 12 months. But the point that arises is whether it is necessary to invoke and deem provisions of sub-section (2) of Section 25-B. If it is not covered by sub-section (1) then only sub-section (2) is attracted. However, if it falls under sub-section (1) and I think it does in this case then it is not necessary to go to the deeming provisions of sub-section (2). Here in this case before me admitted position is that he is in the employment from September 1981 as Farash, may be a Hadli Farash and that employment came to an end in September 1983. Therefore, he was in continuous service during this spell of two years. It is not the management's case that there was any break in service during the spell of two years. Even if this interruption is there if it is on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal, or a lock-out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman that it will affect the workman's case. Therefore, I find that merely contending that he has not actually worked for 240 days in 12 months preceding termination will not go to

show that he is not entitled to benefit under Section 25-F. If he is in continuous service for a period of one year he will get benefit of Section 25-F. Which begins with the words "No workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer". It is in my opinion, established that he has been in continuous service for not less than one year within the meaning of sub-section (1) of Section 25-F and therefore, he could not have been retrenched without following the provisions of Section 25-F, clauses (a), (b) and (c). As stated earlier, fact that he was a daily wage worker will not make any difference. It is admitted position that they have not been complied with as the contention is that he was not entitled to the protection and the Bank was justified in discontinuing his daily wage engagement.

13. It is true that the workman had on 17th October, 1983, requested the management to consider him for the interview and copy of that letter is produced on record. But that will not come in the way of he making grievance about his termination on 17-9-1983 without following the provisions of Section 25-F and it is that dispute that has been referred for adjudication. After his services came to be terminated he has applied to the management that he should be considered and given a call for interview at the time of next recruitment, and that was for job on permanent basis. He furnished therein the educational qualifications, his date of birth, fact that he belonged to backward community, and he had registered himself at the Employment Exchange and mentioned his registration number. At the foot of application he states that previous application dated 1st December 1982 for the post of Farash was not considered on the ground that he passed the VIIth standard. How this could come in the way of Shri Kamble in contending that his case was governed by Section 25-F and that the management has not complied with the said provision, is difficult to understand.

14. The management has stated in the written statement that during the conciliation proceedings he was given an offer that the Bank would be willing to consider him for engagement on daily wages as the junior most daily wage worker in the list of Farash/Mazdoor. The workman, it is stated, rejected that offer. The workman, in this Tribunal said that he was willing to accept that offer. The management stated in reply that he was medically examined and it was found that he could not taken in regular service of the Bank as Shri Kamble was blind. Now reasons assigned by the Bank for not giving him regular appointment did not appear to be sound. He is physically handicapped since he is blind by one eye and the functioning eye is partially blind but the report submitted shows that he could be considered for a job meant for near total blindness. It is stated further that Farash/Mazdoor job in other section where delivery of ledgers and articles to be handled may be considered for him. It is true that at the end of the report is mentioned that behavioral pattern has bearing in the course of his duties that the superiors may have difficulty in getting work done by him. However, what is contended is that he could not be considered for the said post as he did not satisfy the liberalised requirement. I am unable to see how this is coming in the way. Circular of R.B.I., Department of Administration and Personnel dated, 30th September 1980, deals with the cases of blind persons who are not deaf and dumb. For the Class IV appointment, I find that there should not be any difficulty. Candidates belonging to this category could not be considered for the following post in Class IV namely, Durwan/Security Guard/Farash/Sweeper/Tea Boy/Khitmatgar/Waiter/Carpenter/Liftman, but for other posts mainly Peons in Class IV, they can consider such candidates whose lower extremities are normal and who have in their upper extremities one of the limbs functionally normal. This is annexed to the said circular dated 30-9-1980 and that is issued on receiving instructions of Government of India, coupled with the report of the Medical Examination he could have been absorbed. However, that is not the ground why his services were terminated and I have dealt with that aspect of the matter.

15. So far as recruitment policy is concerned I find that Badli employees engaged on daily wages could be considered for Class IV employment taking into consideration

length of service put in. Circular dated December 10, 1982 issued (Annexure II) shows claims of Budless engaged for daily wage work may be considered for Class IV post taking into consideration their service record but irrespective of their length of service. They may be treated on par with outsiders and due weightage should be given to the daily wage service rendered by them at the time of selection. It is precisely this request that is made by the application dated 17-9-1983 and appears have been ignored by the management till this reference has been made in the year 1989.

15. I therefore, find that, considered from all angles the termination dated 17-9-1983 is in contravention of provisions of Section 25-F of the Act and therefore, bad. He has to be reinstated in services with back wages.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. अ. 2418.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मध्य रेलवे, बम्बई के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-41011/33/90-आई आर (डी यू)/बी आई]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2418.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 24-8-94.

[No. L-41011/33/90-IR(DU)]B.I.]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Present :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-21 OF 1991

Parties :

Employers in relation to the management of Central Railway, Bombay.

AND

Their workmen

Appearances :

For the Management : Shri P. R. Pai, Advocate.

For the Workman : Shri Mahadeshwar, Advocate.

INDUSTRY : Railways

STATE : Maharashtra

Bombay dated the 4th day of August, 1994

AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, has made by letter dated 12-3-1991, following reference for adjudication under Section 10(1)(d) read with 2A of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the management of Central Railway, Bombay V.T. were justified in rejecting the demands of Railway Mazdoor as per Annexure 'A' attached? If not, what relief the workmen concerned are entitled to?"

2. Annexure 'A' mentioned the relevant demands has made in the charter of Demands. No. 1, relates to providing adequate staff for work. No. 3, end of victimisation and No. 5, callousness towards workers' difficulties. The matter was adjourned from time to time for enabling the union sponsoring dispute to file its statement of claim. In spite of all this, till this day no statement of claim has been filed. It is needless to mention that the union representative remained absent on several days and on some of the dates an Advocate appeared on its behalf, but it is noticed that none has filed Vakalatnama. As stated earlier there is no statement of claim on record.

3. Statement has been filed on behalf of the management and the allegations of the union made by charter of demands are not admitted. It is stated that the Administration has always been posting staff after assessing the workload of particular depot/unit. For any increase or decrease in the workload review is done periodically and staff are posted as per requirements. The vacancies are also filled in regularly. In view of this statement made, it is difficult to appreciate the grievance made at item No. 1, in charter of demands much less accede to the demand.

4. The second demand which is at item No. 3 is about the victimisation by transfer of the staff. It is in the statement filed by the Railway Administration that the transfers made are not in breach of accepted norms. It is further stated that the representations made are examined carefully and action taken. Transfers are inevitable and permissible under the rules in the interest of Administration. Therefore, in the absence of any material to show that there has been a victimisation, demand at item No. 3 also will have to be rejected. It must be however stated that the management cannot effect transfers by way of victimisation. Demand at item No. 5, which is the third one is with regard to the difficulties faced by the staff and may seemingly appear to be of a minor and that is about non-supply of Pay slips, Provident Fund slips, Dividend Warrants, absence of provisions of Tiffin Room, Lockers, non-payment of dues in time, Seniority list not being circulated and confirmation not being made in time. In the statement filed on behalf of the Railway Administration, all these allegations are denied. It is stated that pay slips are issued regularly and so also provident fund slips as and when they are received from accounts, dividend warrants to eligible staff as and when they are received from Society. It is stated that tiffin room is provided at V. T. Yard and so also lockers. With regard to leave it is stated that sick leave is sanctioned on production of medical certificate from Railway Doctors after resumption of duty from sickness. Other leave is also sanctioned as and when applied for. It is further stated that the payment of arrears are made when they are due and there is no delay of such payment. With regard to the seniority list it is stated that it has been already published and up dated and confirmation is also made in time. It is thus seen this demand is also already met.

5. As stated earlier the workman have not filed any statement of claim and as against that the management has filed a statement. It has been duly verified by an Officer of the Railway Administration and in the circumstances, the workmen are not entitled to any relief and the reference stands rejected. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का. आ. 2419.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान जिंक लि. के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, उदयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-29012/22/91-आई आर (मिस.)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2419.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published by the award of the Industrial Tribunal, Udaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Zinc Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 23-8-94.

[No. 1-29012/22/91-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

अनुबन्ध

न्यायालय औद्योगिक विवाद अधिकरण एवं श्रम न्यायालय,
उदयपुर पीठासीन अधिकारी : श्री ओम प्रकाश गुप्ता,
आर०एच०जे० 7एम०

प्रकरण संख्या

3 गन् 91

श्री ठाकुरदास पिता श्री नन्द लाल, निवासी कर्मशील मार्ग
ब्रेकमपोल, उदयपुर

—प्रार्थी

बनाम

मुख्य प्रबंधक, अग्रक मज्जीकरण हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड,
राजपुरा दरीबा, दरीबा, उदयपुर।

—विपक्षी

उपस्थित :

श्री आर०एच० चौधरी, प्रार्थी की ओर से।

श्री बी०एच० स्वरूपरिया, विपक्षी की ओर से।

दिनांक 12-7-1994

पंचाट

यह रैफरेन्स भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा इस अधिकरण को निम्न विवादित बिन्दु अधिनियमित करने के लिए अग्रप्रेषित किया गया है।

“क्या हिन्दुस्तान जिंक लि. के राजपुरा दरीबा खान के प्रबंधन द्वारा श्री ठाकुर दत्त शर्मा, कर्मचारी सं० 31070 को दिनांक 12-11-90 से नौकरी से बर्खास्त करना न्यायोचित है, अगर नहीं तो उक्त कर्मकार किस हक का अधिकारी है?

स्टेटमेंट आफ क्लेम मे प्रार्थी का अभिकथन है कि दिनांक 23-8-81 को मजदूर कटेगरी नं० 1 के पद पर विपक्षी के नियोजन में नौकर हुआ और बाद में उसका कार्य संतोषजनक पाने मे हेल्पर कटेगरी नं० 2 में पदोन्नति दी यह भी उल्लेख किया है कि प्रार्थी श्रमिक संगठन इंटक का सक्रीय सदस्य है और अन्य कामगारों को घरेलू जांच में हिस्सा लेकर उसकी मदद करना था जिसमे विपक्षी अधिकारी उससे नाराज रहने लगे और प्रार्थी सेक्शन इंचार्ज को पूछ कर और उसकी अनुमति लेकर जाता था परन्तु इयटी छोड़ने का अनावश्यक आरोप लगा रहे हैं। यह भी अंकित किया है कि विपक्षी द्वारा कामगारों का कोई निश्चित खाता नहीं बना रखना और रेटेशन में इयटी एंजॉट करने में कभी गेन्टेनेन्स में कभी प्रोग्रेस में भेजकर बदलते रहे और परेशान करते रहे। यह भी अंकित किया है कि 1-6-90 को प्रार्थी प्रोग्रेस में फ्लोटेशन मे हेल्पर के पद पर इयटी दे रहा था और फ्लोटेशन एक ऐसा प्रोसेस है कि जहां से हट नहीं सकते अन्यथा जरा भी असमर्थता बरतने से सेल जाम हो जाता है और प्लान्ट बन्द हो जाता है। इस आधार पर प्रार्थी का अभिकथन है कि उसने इयटी स्पॉट नहीं छोड़ा और न ही प्लान्ट बन्द हुआ। यह भी उल्लेख किया है नियोजक द्वारा अन्य श्रमिक गिरधारी लाल के विरुद्ध घरेलू जांच प्रारम्भ की जिसमे प्रार्थी गवाह के रूप मे उपस्थित हुआ। परन्तु श्री बी०के० गुप्ता, वरिष्ठ प्रबंधक ने उस पर दबाव डाला कि वो गिरधारी लाल के पक्ष में साक्ष्य नही दे। और इन सभी आधारों पर प्रार्थी का कथन है कि उसे परेशान करने के लिये आधारहीन विवाद खड़ा कर दिया एवं उसे आरोप पत्र दिनांक 11-6-90 दिया। जिसका उत्तर 24-6-90 को प्रार्थी ने दिया। इस उत्तर को संतोषप्रद नहीं मानते हुये 7-7-90 को एक पत्र दिया गया। प्रार्थी के विरुद्ध घरेलू जांच कायम की गई। श्री पी०डी० काला को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। जांच अधिकारी के बारे में भी आरोप लगाया है कि वो निष्पक्ष नही है जांच अधिकारी को 26-7-90 को एक अग्रजी दी और जांच जारी करने मे पूर्व प्रारम्भिक जांच की रिपोर्ट और प्रलेख मांगे, परन्तु शिकायत पत्र की प्रति नहीं दी गई। न ही गवाह की सूची दी गई इस प्रकार दोषारोपण कार्यवाही प्रारम्भ की गई। बी०के० गुप्ता के हाथ पर लगी चोट का मेडिकल प्रमाण पत्र जो पेश हुआ है उसकी नकल दे दी। जिरह का मौका नही दिया एवं मेडिकल प्रमाणपत्र का बनावटी व झूठा होना भी अभिकथित किया है। दिनांक 28-7-90 को एक गवा प्रार्थी की अनुपस्थिति में पेश किया गया दिनांक 28-7-90 को प्रार्थी के हस्ताक्षर करने से मना करने का झूठा लांछन लगाया गया है। मारपीट के सम्बन्ध में कोई पुलिस रिपोर्ट नही की गई, डाक्टर को पेश नहीं किया गया है। प्रार्थी ने अपने ब्यान दिनांक 20-10-90 को देने उपस्थित हुआ परन्तु जांच अधिकारी ने लेने से इन्कार कर दिया। एक तरफा कार्यवाही कर जांच प्रतिवेदन उच्च, अधिकारियों को प्रेषित किया। आरोपों का दोषी मानने हुए प्रार्थी को 12-11-90 से सेवा से पृथक कर दिया। दिनांक 19-11-90 को प्रार्थी ने अपील की जिसे स्वीकार

नहीं किया और कोई उत्तर नहीं दिया गया। प्रार्थी ने श्रम समझौता अधिकारी अजमेर के समक्ष दिनांक 1-1-91 को विवाद प्रस्तुत किया जिसका अग्रफल वार्ता प्रतिवेदन 4-4-91 को सचिव महोदय भारत सरकार श्रम मंत्रालय को भजा गया जहाँ से यह रेफरेंस विवादित बिन्दु अभिनिर्धारित कर हेतु इस अधिकरण को प्राप्त हुआ। प्रार्थी का अन्तिम कथन यह है कि बदनीयति से प्रेरित होकर झूठे आरोपों के आधार पर एक तरफा जांच के आधार पर उसे सेवा से पृथक किया गया है।

विपक्षी संस्थान जवाब में उल्लेख किया है कि प्रार्थी को हिन्दुस्तान जिक लि० की बरीबा माईन्स में 23-4-81 को पुनः नियुक्ति दी गई। तब भी अंकित किया है कि पूर्व में प्रार्थी जावर माईन्स में सर्वे ब्वाय श्रेणी तीन का कार्य करता था और चिकित्सा अधिकारी के तकली हस्ताक्षर बना कर प्रमाणित करने के आरोप में उसकी सेवाएं समाप्त की गई। इस तथ्य को अस्वीकार किया है कि प्रार्थी की कार्य कुशलता के आधार पर उसकी पदोन्नति की गई हो वरना प्रार्थी का कार्यकाल दो बार प्रोबेशन का 6-6 महीने के लिये बढ़ाया गया परन्तु बाद में महा सचिव श्री बी० चौधरी के अनुरोध पर 7-12-88 से हेल्पर के पद पर नियुक्ति दी गई। प्रार्थी का दरोडा खान श्रमिक संगठन का पदाधिकारी होने को भी असत्य बताया है। यह भी, कहा है कि प्रार्थी इयूटी से कई दिन अनुपस्थित रहा है कार्यस्थल को छोड़ कर चले जाना, इयूटी पर सोते हुये पाना, एवं उच्च अधिकारी से दुर्व्यवहार करने का आरोप था। यह भी उल्लेख किया है कि विभाग में सभी हेल्परों का एक पूल होता है और उसी इयूटी का आबंटन ओपरेटर एवं ट्रेड्समैन दिन प्रतिदिन की आवश्यकता के अनुसार किया जाता है। दूसरे संयंत्र में ब्रेक डाउन होने पर हेल्पर वहां भेज देने है। प्रार्थी को जो आरोप देने का तथ्य बताया है उम्र गलत बताया है। वरना यह आरोप पत्र 13-6-90 को दिया गया जिसका जवाब 15-6-90 को दिया जाना था परन्तु प्रार्थी ने जवाब 24-6-90 को दिया और उसके संतोषजनक नहीं पाने पर जांच प्रारम्भ की गई। श्री पी०पी० काला जांच अधिकारी को बदलने का कोई प्रार्थनापत्र प्रार्थी ने नहीं दिया और जांच में भाग लेता रहा। अतः उनको पक्षपाती बताने का कथन असत्य है। प्रथम बैठक 26-7-90 को हुई और 26-7-90 को तबदील हुये उम्र पर हस्ताक्षर करने से प्रार्थी ने मना कर दिया दिनांक 27-7-90 को विभागीय गवाह उपस्थित थे, परन्तु प्रार्थी अनुपस्थित रहा। दिनांक 28-7-90 को जांच कार्यवाही में प्रार्थी उपस्थित रहा परन्तु हस्ताक्षर नहीं किये। श्री चटोपाध्याय के बयान लिये जिसका नोट प्रार्थी ने अपने हाथ से लिखा। भरत सिंह के बयान हुए और प्रार्थी ने जांच कार्यवाही में सहयोग नहीं किया। पुलिस रिपोर्ट करना उचित नहीं बताया है। डाक्टर को पेश करने की कोई प्रार्थना प्रार्थी ने नहीं की। प्रार्थी को बार बार कहने पर भी अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किया और कार्यवाही समाप्त होने के बाद लिखित बयान शामिल नहीं किये जा सकते थे।

अपीलेट आयोगिटी के द्वारा विधान के तहत अपील प्रार्थी अस्वीकार की गई है। यह भी प्रार्थना की है कि प्रार्थी का काम इतना खराब था कि यदि उसे पुनः नियुक्ति दी जाती है तो दरोडा खान के सम्पूर्ण अनुशासनात्मक वातावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। बदनीयति से सेवामुक्त किये जाने के आरोप को निराधार बताया है। और विभाग को अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार होता कहा है।

विपक्षी की ओर से सम्पूर्ण जांच कार्यवाही की फोटो प्रति पेश की गई है जिनका उल्लेख में यथा स्थान करूंगा।

जांच कार्यवाही नैसर्गिक व्यापिक मिद्वान्त के तहत फैसला मानी गई है जिसके आदेश मने पूर्व में दिनांक 5-5-94 को पारित किया है। अब स्थिति यह है कि जो निष्कर्ष जांच अधिकारी ने निकाला है क्या वो सही है अथवा प्रविग्न है। अथवा अधिकरण को पारित दंडादेश में हस्ताक्षर करना न्यायोचित है अथवा नहीं, पर विचार करना है।

विद्वान् अधिवक्ता प्रार्थी ने मेरे समक्ष जो तर्क प्रस्तुत किये है उसमें उनका मुख्य तर्क यह है कि दिनांक 31-3-91 एवं 21-5-90 को कार्यस्थल छोड़ने बाबत विपक्षी को किसी ने शिकायत नहीं की ओर जो बी. के. गुप्ता ने 10-6-90 को प्रार्थी के विरुद्ध शिकायत को उसमें उन तारीखों का जिक्र नहीं है वरन् महज आरोप पत्र को मजबूत करने की दृष्टि से यह आरोप जोड़े गये है। उनका यह भी तर्क है कि प्रार्थी 31-3-90 को 9.15 बजे अपने घर गया और 11.30 पर पुनः लौट आया। बीच में दो घंटे का समय पारी छोड़ने से शोच, स्नान आदि के लिये होता है। अतः उसकी अनुपस्थिति का औचित्यपूर्ण एवं तर्कसंगत कारण प्रस्तुत है।

इसी प्रकार 21-5-90 को 4.30 बजे वो चला गया। दिनांक 22-5-90 को अवकाश था। दिनांक 23-5-90 को उसका आकस्मिक अवकाश का प्रार्थनापत्र स्वीकार किया। चार्जशीट के पैरा एक पंक्ति 11 दिनांक 21-5-90 अवकाश हेतु प्रस्तुत आवेदनपत्र दिनांक 23-5-90 को स्वीकृति की सूचना देने की ओर मेरा ध्यान आकर्षित कर विद्वान् अधिवक्ता ने तर्क प्रस्तुत किया है कि ऐसी कोई सूचना अथवा पत्र नहीं दिया गया है। अतः विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि ये दोनों आरोप निराधार है और महज प्रार्थी को परेशान करने की दृष्टि से जोड़ा गया है।

दिनांक 10-6-90 को श्री बी. के. गुप्ता पर प्रहार करने एवं गाली-गलोच देने के आरोप सिद्धी के बारे में विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि शिकायतपत्र में अप्रशब्द क्या कहे थे ज्यों के त्यों लिखने चाहिए थे और इसे स्पष्ट नहीं किया गया है। यह भी तर्क दिया है कि प्रार्थी ने हाथ को कलाई पकड़ कर गिराने की कोशिश की जिसमें घड़ी का पट्टा टूट कर गिर गया। इस बारे में यह तर्क दिया गया है कि कोई घड़ी का पट्टा नहीं

टूटा बरन् यह माना गया है कि घड़ी का पट्टा टूटने की बात सही नहीं है। विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि जोटों के विषय में भी यह कहना सही नहीं माना जा सकता क्योंकि प्रार्थी द्वारा यह पूछे जाने पर कि जोटें साधारण थीं। बी. के. गुप्ता ने कहा है कि इसका उत्तर चिकित्सा अधिकारी ही दे सकता है विद्वान् अधिवक्ता का तर्क है कि यह नहीं कहा कि सर्टिफिकेट में वर्णन है। उसका यह भी तर्क है कि डाक्टर को पेश नहीं किया गया और सर्टिफिकेट को प्रमाणित नहीं कराया गया है। विद्वान् अधिवक्ता का यह भी तर्क है कि चोट लगने में केवल एक दिन ब्रेनडेंज कराना कहा है। अतः यह नहीं माना जा सकता कि घाय एक दिन में ही भर गया। विद्वान् अधिवक्ता ने मेरा ध्यान इस ओर भी आकर्षित किया है कि जांच रिपोर्ट में यह माना है कि जांच के दौरान प्रबंध पक्ष ने यह साबित करने की कोई खेप्टा नहीं की कि श्री शर्मा ने श्री गुप्ता को या उनके परिवार को मारने की धमकी दी थी। अतः उनका तर्क है कि आरोप पत्र में कुछ भी लिखा जा सकता है। यह साबित करना दायरे के बाहर है। उनका यह भी तर्क है कि शिकायत पक्ष में भी सोमेन्द्र नाथ का जिक्र नहीं है पर उन्होंने बयान दिये हैं।

जिरह में स्वीकार किया है कि प्लोटेशन की मशीन चल रही थी अतः विद्वान् अधिवक्ता का सभी कथनों के आधार पर तर्क है कि 31-3-90 एवं 21-5-90 को ड्यूटी छोड़ने की कोई शिकायत नहीं है और न ही श्री गुप्ता के शिकायत पर में वर्णन है। अंत में यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि जो सजा दी गई है वह भी आरोपों के मुकाबले अति कठोर है और प्रार्थी भूखा व बेरोजगार हो जायेगा। अतः सहानुभूति का रुख अपनाया जाये। विद्वान् अधिवक्ता ने अपने तर्क के समर्थन में निम्नलिखित विनिर्णय प्रस्तुत किये हैं :—

1. स्कूटर इण्डिया लि., लखनऊ एवं लेबर कोर्ट, लखनऊ व अन्य 1989 (1) एल. एल. जे. पेज 71, इस विनिर्णय में यह सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है कि वहां श्रम न्यायालय ने घरेलू जांच को उचित एवं वैध माना, परन्तु सेवामुक्ति के आदेश को निरस्त किया और 75 प्रतिशत पिछला वेतन दिलाते हुए रिट्रिब्यूट के आदेश दिये गये वहां श्रम न्यायालय के ऐसे आदेश को वैध माना है।

2. टी. आर. डी. नायर एवं जी. एन. कस्य बनाम यूनियन आफ इण्डिया 1993 (1) एल. एल. जे. पेज—868 इस विनिर्णय में यह सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है कि इन्कवायरी आफिसर की रिपोर्ट की कापी रिलेक्वेन्ट आफिसर को दिलाई जाना अनिवार्य है और यदि नहीं दिलाई जाती है तो नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्त की अवहेलना मानी जाने से सेवामुक्ति के आदेश को निरस्त किया जाएगा।

3. रमाकान्त मिश्रा बनाम स्टेट आफ उत्तर प्रदेश एल. एल. जे. (1) 1982 पेज 59 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने हस्ब धारा 11(ए) की व्याख्या करते हुए यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि विकटीमाइजेशन के लिये आरोप को इष्टतम करने के लिये एवं जस्टिस, इक्विटी एण्ड फेयर प्ले के तहत आरोपित आरोप की गंभीरता के अनुसार दंडादेश होना चाहिये। यह भी व्याख्या दी है कि औद्योगिक संबंध के विकास के तहत पूर्वधारणा कि दंडादेश प्रबंधक का कृत्य है और न्यायालय अपने दंडादेश सबस्टीट्यूशन कर प्रबंधक का स्थान नहीं ले सकती से बहुत आगे जा चुकी है। पूराचरण के आरोप सिद्ध होने पर और जहां दंडादेश आरोपों के समान नहीं न्यायालय अन्याय को रोकने के लिये और इसके निराकरण के लिये हस्ब धारा 11(ए) जोड़ी गई है।

इस विनिर्णय में यह सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है कि अपशब्द की भाषा व्यक्ति विशेष के निष्कर्ष पर निर्भर करती है और व्यक्ति से व्यक्ति के विचार से भिन्न होती है।

4. वेदप्रकाश गुप्ता एवं मैसर्स डेल्टन केबल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लि. 1984 (1) एल. एल. जे. पेज—546 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपशब्द भाषा प्रयोग करने पर और प्रबंधक के द्वारा यह सिद्ध नहीं करने पर कि किस प्रकार से प्रबंधक व श्रमिक के मध्य विश्वास समाप्त हो जाएगा अतः अपशब्दों के दुराचरण दोषी सिद्ध होने पर सेवामुक्ति के आदेश को विकटीमाइजेशन, अनफेयर लेबर प्रैक्टिस माना है। और उसे रद्द कर पूर्ण बकाया वेतन सहित सेवा में लिये जाने का आदेश पारित किया।

5. अरविन्द दास एवं स्टेट आफ वेस्ट बंगाल, 1988 (ii) एल. एल. जे. 464 में माननीय कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस विनिर्णय में यह माना है कि जहां इन्कवायरी आफिसर ने जो रिपोर्ट प्रार्थी को नहीं बताई गई थी उस पर अपनी जांच रिपोर्ट को आधार बनाया और गवाहों की सूची नहीं दी गई, यहां तक आरोपपत्र दुराचरण के बारे में नहीं बताया गया, वहां न्यायिक सिद्धान्तों का उल्लंघन होना माना है।

6. देहली कलाथ मिल्स बनाम श्रीगण फर्टिलाइजर्स कर्मचारी यूनियन, कोटा आग. एल. डब्ल्यू. 1988 (2) पेज 72 में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि प्रबंधक के उठाए कदमों को संतोषजनक न होने पर हस्तक्षेप किया जा सकता है।

विद्वान् अधिवक्ता विपक्षी ने कार्गिन आरोपों का नियमानुसार जांच करने के उपरान्त दोष सिद्धी का निष्कर्ष सही होना बताया है और ऐसे प्रकरण जहां पर कि जांच अधिकारी के साथ प्रहार किया गया हो ऐसे गंभीर मामलों में अधिकरण के हस्तक्षेप का औचित्य न

होना कहा है। अपने तर्क के समर्थन में विनिर्णय राजस्थान स्टेट रोड ट्रान्सपोर्ट कॉर्पोरेशन बनाम हमीर खाँ आर. एन. आर. 1993 (1) पेज 698 प्रस्तुत किया है। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि जहाँ जांच फेयर व प्रोपर मानी गई है और कोई विक्टीमाइजेशन, हेरेममेन्ट अथवा प्रबंधक के विरुद्ध सद्भावी कृत्य होने का आरोप नहीं है वहाँ श्राईवर जो कि मदहोश था और उसने अपने साथ कण्डक्टर से 10 रुपये मांगे और न देने पर मारपीट की तथा अपशब्द कहे व गंभीर चोटे काटित की ऐसी स्थिति में सेवामुक्ति के आदेश को अधिकरण के हस्तक्षेप को उचित नहीं माना है।

मैंने दोनों पक्षकारान के परस्पर विरोधी बहस पर मनन किया। उनके द्वारा प्रस्तुत विनिर्णयों में प्रतिपादित सिद्धान्त का अवलोकन किया। जांच रिपोर्ट, जांच कार्यवाही एवं सभी प्रलेखों का गहनता से अध्ययन किया। मेरे द्वारा निकाले गए निष्कर्ष निम्न प्रकार है।

1. अधिकरण के आदेश दिनांक 5-5-94 के तहत प्रलेखीय एवं स्थाई आदेशों के तहत की गई जांच को नैसर्गिक न्यायिक सिद्धान्त के तहत फेयर होना माना गया है।

2. जांच अधिकारी द्वारा निकाले गये निष्कर्ष की वैधता एवं दंडादेश के औचित्य को खुला रखा गया था और उस पर पूरी बहस सुनी गई है।

3. यह सुस्थापित सिद्धान्त है कि हस्त धारा 11(ए) की वैधता अधिकार के तहत अधिकरण जांच रिपोर्ट के निष्कर्ष को बदलने, संशोधन करने, निरस्त करने, में समर्थ है और इस प्रकार जांच निष्कर्ष को सही माने जाने के बाद दंडादेश में परिवर्तन, संशोधन और निरस्त करने में भी सक्षम है। यदि प्रकरण में प्रार्थी को सेवामुक्ति के दंड में दंडित किया गया है। चूंकि 11(ए) में अन्य दंडादेश का उल्लेख नहीं है, परन्तु माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों से यह स्थिति स्पष्ट है कि सामान्यतया दंडादेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये परन्तु विक्टीमाइजेशन एवं अनफेयर लेबर प्रेक्टिस अथवा प्रबंधक के पार्ट पर संभाव्य कृत्य नहीं पाये जाने पर दंडादेश में हस्तक्षेप किया जा सकता है।

जहाँ तक जांच के मूल्यांकन का विषय है, वह क्षेत्राधिकार अधिकरण का सीमित है क्योंकि अधिकरण न तो अपीलपीय कोर्ट के अनुसार पुनः साक्ष्य का विवेचन कर अपना निष्कर्ष थोपने के लिये अधिकृत नहीं है। केवल यही अधिकार दिया गया है कि जहाँ निष्कर्ष प्रवर्ग हो अथवा उपलब्ध साक्ष्य व रेकार्ड के आधार पर पक्षपातपूर्ण अथवा स्थापित जांच नियमों के विरुद्ध पाया गया हो, वहाँ उसे बदलना, संशोधन करना, निरस्त करने में अधिकरण को अधिकृत होना माना गया है।

प्रस्तुत प्रकरण में विद्वान अधिवक्ता ने मेरे समक्ष जो तर्क प्रस्तुत किये हैं वे गंभीर रूप से साक्ष्य का पुनः मूल्यांकन एवं एबीसेशन किये जाने से सम्बन्धित है। इस विषय में कोई विवाद नहीं है कि प्रार्थी 31-3-90 एवं 21-5-90 को ड्यूटी से अनुपस्थित रहा है। विद्वान अधिवक्ता ने जो तर्क प्रस्तुत कर अनुपस्थित रहने के औचित्य को बताया है वह इस तथ्य को समाप्त नहीं कर वेता कि प्रार्थी कथित समय में अनुपस्थित नहीं था। उनके तर्कों के अनुसार केवल यही सिद्ध करने का प्रयास किया गया है कि अनुपस्थिति के यथोचित कारण थे, जैसे कि 31-3-90 को उसकी नाइट शिफ्ट में ओवर टाईम ड्यूटी थी और 31-3-90 ए-शिफ्ट में आया। अतः 9-15 बजे ड्यूटी छोड़ कर गया और 11-15 बजे आया। विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी के अनुसार यह समय अनुपस्थिति का अनुमति योग्य है। यह प्रश्न दूसरा है कि कथित अनुपस्थिति सही है अथवा गलत। परन्तु प्रबंधक द्वारा दण्डी अथवा धि में प्रार्थी अनुपस्थित रहा इस विषय को गलत नहीं माना जा सकता। विद्वान अधिवक्ता का इसी प्रकार यह तर्क कि 21-5-90 को 4-30 बजे प्रार्थी चला गया और दूसरे दिन छुट्टी थी। दिनांक 25-5-90 की अर्जी दी कि 21-5-90 की सी.एल. स्वीकार करे जो नियमानुसार नामजूर कर दी। उनका यह तर्क है कि यह नामजुरी की सूचना प्रबंधक ने सिद्ध नहीं कराई है। मैं यहाँ यह उल्लेख करना चाहूंगा कि यहाँ स्वीकृत करने अथवा न करने का विवाद भिन्न है।

प्रथमता 21-5-90 को 4-30 बजे प्रार्थी के द्वारा चला जाना विवाद रहित है। अतः प्रबंधक के पार्ट पर जो अनाधिकृत अनुपस्थित होने का दोषारोपण किया है उनमें कोई बदनियती अथवा झूठा आरोप लगाने के तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता। विद्वान अधिवक्ता का वह तर्क कि श्री बी.के. गुप्ता की रिपोर्ट में इसका उल्लेख नहीं है, को मैं इसलिये महत्वपूर्ण नहीं मानता कि उन्होंने जो उनके साथ प्रार्थी के द्वारा अपशब्द बोले व प्रहार किया उसकी रिपोर्ट के विषय में थी। जांच अधिकारी ने सभी प्रलेख एवं साक्षीगण के कथनों को विचार करने के उपरान्त इन आरोपों को निरस्त माने जाने का निष्कर्ष निकाला है और किसी भी प्रकार उनकी फाईजिंगस को मैं प्रदर्शित होता नहीं मानता।

इसी प्रकार श्री बी.के. गुप्ता के साथ बोले गये अपशब्द, और किये गये प्रहार के विषय में जो तर्क जिसका कि विवेचन मैंने ऊपर किया है विद्वान अधिवक्ता ने प्रस्तुत किये हैं, उन्हें मैं महत्वपूर्ण नहीं मानता और उनके आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि जांच अधिकारी के द्वारा निकाले गये निष्कर्ष किसी भी प्रकार से प्रदर्शित, प्रविटरेरी एवं प्रबंधक के पक्ष से प्रेरित हुए हो।

मैंने सम्पूर्ण जांच कार्यवाही का गहनता से अध्ययन किया और साक्षीगण के जांच में हुये बयानों और उनसे हुई सम्बन्धी जिरह का भी अध्ययन किया है। बरेलू जांच को भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार किसी तथ्य का प्रमाणित करना अनिवार्य होना नहीं माना जा सकता।

श्री बी.के. गुप्ता की कलाई पकड़ना और उसकी घड़ी के पट्टे की पिन टूटना और हाथ से खून निकलना, अपशब्द प्रयोग करना यह तथ्य पूर्णरूपेण साक्ष्य में आया है। सोमेन्द्र नाथ ने शिकायतपत्र में नाम नहीं लिखाने मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि उसका कथन असत्य है। श्री बी. चटोपाध्याय ने कहा है कि श्री बी.के. गुप्ता ने दरवाजा अन्दर से बन्द किया हुआ था जो खुलवाया, देखने पर बहुत भयभीत हो ऐसा लगा। प्रार्थी ने इस साक्षी से जिरह की है और उसमें उसने सत्य स्वीकार किया है कि वह आई बिटनेस नहीं है। जिरह में कहा है कि बन्द कमरे में जब मैं घुसा तो उसको मैंने प्रचण्ड रूप में भयभीत देखा। चटोपाध्याय का यह कथन अपने आप में यह सिद्ध करता है कि श्री बी.के. गुप्ता धूर्तता के बाद बन्द कमरे में भयभीत स्थिति में बैठा हुआ था। और इसका कारण प्रार्थी के द्वारा उन्हें अपशब्द कहना और प्रहार करना ही रहा है। सोमेन्द्र नाथ ने कहा है कि टी.डी. शर्मा (प्रार्थी को) सभी लोग जानते हैं और डरते भी है। उन्होंने अपने कथन में गुप्ता से चार कदम आगे होना कहा है और यह भी कहा है कि किसी शास्त्र से प्रहार करते नहीं देखा है। गुप्ता के साथ अपशब्द बोलना और प्रहार करना भी कहा है। बी.के. गुप्ता ने सभी बातों को बताया है। प्रार्थी की मौखिक और लिखित शिकायत शिपट इन्चार्ज के द्वारा करना कहा है। भाई कलाई जोर से पकड़ना और घड़ी जांच कक्ष में पेश करना, पिन टूटी हुई होना बताया है। घाव ने निशान भी बताये हैं। बहुत लम्बी जिरह प्रार्थी की ओर से की गई है। जांच अधिकारी के समक्ष घाव का निशान, घड़ी आदि प्रस्तुत की गई है। सम्पूर्ण विभागीय कार्यवाही देखने से यह स्पष्ट है कि प्रार्थी को नियमानुसार आरोपपत्र की कापी दी गई है। जांच अधिकारी को नियुक्ति का आदेश भेजा गया है और प्रार्थी ने यद्यपि जांच में असहयोगी रवैया अपनाया है। साक्षीगण से बहुत लम्बी एवं सभी छोटे से छोटे बिन्दु पर भी जिरह की गई है और मैं यह नहीं मानता कि किसी प्रकार से वह प्रिज्यूडिस हुआ हो। अतः जांच निष्कर्ष में मिस कण्डक्ट, स्थाई आदेशों को धारा 18(1), 16(8), 18(28) एवं 18(36) जो आरोपित किये हैं और इसमें दोषी पाया गया है उस निष्कर्ष में कोई हस्तक्षेप किये जाने की आवश्यकता में नहीं पाता।

सजा के प्रश्न पर मैंने गंभीरता से विचार किया। विद्वान अधिवक्ता ने जो विनिर्णय मेरे समक्ष प्रस्तुत किये हैं उनमें प्रतिपादित सिद्धान्त का लाभ मैं उन्हें मिल सकता हों यह नहीं मानता और इसका कारण यह है कि वहाँ बोधी कर्मचारी शराब के नशे में था और उसने अपने साथी कण्डक्टर के साथ स्वरों के लेनदेन पर मारपीट कर गंभीर चोटें कारित की थीं।

विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी ने जो विनिर्णय प्रस्तुत किये हैं और जैसा कि ह्स्व धारा 11(ए) की व्याख्या में सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है, उनके तहत जस्टीस, फोर एण्ड इक्वीटी

को तहत यह देखना अनिवार्य है कि आरोप की गंभीरता के अनुकूल दंडादेश पारित होना चाहिये। न यह अत्यन्त कठिन होना चाहिये न अनुशासनात्मक होना चाहिये। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ऊपर वर्णित विनिर्णयों में अपशब्द प्रयोग करने के निमकण्डक्ट के आरोपों में सेवा मुक्ति के दंडादेश को अनुचित बताया है। और अन फोर, लेवर, प्रैक्टिस व विकटे-माईजेसन की सजा दी गई है। प्रस्तुत प्रकरण में भी यह सिद्धान्त पूर्णरूपेण प्रभावी माना जाता है क्योंकि जो आरोप दिनांक 31-3-90 और 21-5-90 को इयूटी में अनाधिकृत अनुपस्थित होने बाबत है उनके बारे में प्रथम तो प्रार्थी की ओर से अनुपस्थित रहने के कारणों में दर्शाया गया है और उन कारणों को देखते हुये सेवामुक्ति आदेश को आरोपित आरोप की गंभीरता के अनुसार उचित नहीं माना जा सकता।

जहां तक श्री बी.के. गुप्ता के संबंध में अपशब्द कहना और प्रहार करने का आरोप है, उसकी साक्ष्य व जांच अधिकारी के निष्कर्ष से भी यह प्रतीत होता है कि श्री बी.के. गुप्ता एवं उसके परिवार को मारने की धमकी देने का कथन प्रबंध साक्षीगण की ओर से सिद्ध नहीं कराया गया है। अतः जो भी वाक्ता शेष रहता है वह प्लान्ट के अन्दर का ही है और अपशब्द जो प्रयोग किये उनका उल्लेख शिकायत पत्र में नहीं है, साथ ही जो चोटें आई हैं वह प्रार्थी के द्वारा श्री बी.के. गुप्ता की कलाई पकड़ने और उसमें घड़ी की पिन टूटने व चुमने से आई हैं अर्थात् प्रार्थी के द्वारा सीधे कोई मारपीट कर चोटें कारित नहीं की गई हैं। जहां तक श्री बी.के. गुप्ता को कलाई पकड़ना और उसका यह कृत्य दुरुचरण की परिभाषा में माना गया है अतः इस आरोप के लिये सीधे ही सेवामुक्ति का आदेश श्रमिक की आर्थिक हत्या करने के समान है। स्थाई आदेश के तहत भी अन्य दंड प्रावधान भी उपलब्ध है। सुधारात्मक रवैया प्रबंधक के द्वारा अपराधों का प्रथम करना नहीं पाया जाता है। आरोपों की गंभीरता के अनुसार तुलनात्मक दृष्टि से भी मैं सेवामुक्ति के आदेश को अत्याधिक कठोर एवं ओचित्यपूर्ण नहीं पाता हूं। और अधिकरण के हस्तक्षेप को आवश्यक मानता हूं। अतः सेवामुक्ति के आदेश को अपास्त किया जाता है और दंडादेश में संशोधन किया जाकर प्रार्थी को भविष्य में दो वेतन वृद्धियां संचाई प्रमात्र से रोकी जाने का आदेश पारित किया जाता है। प्रार्थी को रिहास्टेट किया जाता है।

प्रार्थी को निलम्बित किये जाने के बाद से और सेवा-मुक्ति किये जाने के बाद से पुनः सेवा में लिये जाने की अवधि का पूरा वेतन नहीं दिलाया जाता है। चूंकि धूर्त-पूर्ण स्थिति के लिये श्रमिक स्वयं दोषी है और उसी के कृत्य से प्रबंधक व उसके मध्य बेट ब्लड विकसित हुआ है और उसके अमर व्यवहार एवं अनुशासनहीन, असंतोषजनक आचरण व कृत्य को देखते हुये मैं केवल 50 प्रतिशत बकाया वेतन दिलाया जाना उचित समझता हूं। यह अवधि सेवा की निरन्तरता में आंकी जायेगी और प्रकरण की परिस्थितियों में कोस्ट का कोई आवेश नहीं दिया जाता है।

अतः पंचाट सूचनार्थ सरकार को प्रेषित हो।

पंचाट आज दिनांक 12-7-94 को खुले न्यायालय में लिखाया, जारी, सुनाया गया है।

ओ.पी. गुप्ता, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2420 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स, जे. एफ. कापाडिया एंड क. प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई, के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं.-1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-08-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31012/1/90-आई आर (मिसलोनयस)]

बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2420.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. J. F. Kapadia and Co. Pvt. Ltd., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-8-1994.

[No. L-31012/1/90-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.
Reference No. CGIT-39 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. J. F. Kapadia and Co. Pvt. Ltd., Bombay

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri Sayyed, Advocate.
For the Workmen—Shri Patel, Advocate.

INDUSTRY : Port and Docks STATE : Maharashtra
Bombay, the 10th day of August, 1994

AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi has by letter dated 31-5-1990, made under Section 10(1)(d) read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947, following reference for adjudication.

"Whether the action of the management of M/s. J. F. Kapadia and Co. Pvt. Ltd., Bombay in dismissing Shri Parvez P. Dordi, Peon from the services of

the Company w.e.f. 7-12-1989 is justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. Statement of claim has been filed on behalf of the workman by the Secretary, Transport and Dock Workers' Union, Bombay. The Charge levelled against the workman was that on 28th December, 1988 at about 3.00 p.m. Shri Bhaduri, Asstt. Manager, asked him to go to Hoechst India Ltd. at its factory office at Andheri to collect export documents, and he decline to do the said work. Another peon was thereafter sent to get the work done. It was alleged that he shouted arrogantly at that time.

3. An Enquiry Officer was therefore, appointed and the workman was given adequate opportunity to defend himself and thereafter the Enquiry Officer found him guilty of the misconduct alleged and the Competent Authority passed the order of dismissal.

4. The contentions raised in the statement of claim are that the enquiry was vitiated on the grounds mentioned in para 7. It is further contended that the material placed before the Enquiry Officer was neither good nor sufficient to base the findings of guilt. It is also contended that the extreme penalty of dismissal was not warranted. Copy of the findings was not supplied to him and no show cause notice was given before punishment was imposed.

5. Management has filed written statement and therein it is in the first instance, contended that the reference was not maintainable both in law and on facts. It is further contended that a fair and a proper enquiry was held by an independent Enquiry Officer and he found him guilty of the charge levelled against him. The gravity and seriousness of the charge proved and his past record justifies, the penalty imposed.

6. The workman had though disputed the fairness of the enquiry he, on 2-1-1991, stated that he did not want to lead any oral evidence in support the preliminary issue about fairness of enquiry and stated that he will rely upon documentary evidence on record. Thereafter, on 19-9-1991, he stated that the preliminary issue about fairness of the enquiry was not pressed and the same be treated as not pressed. He further stated that he did not want to lead any oral evidence in support of the dispute. In view of this position an application dated 21-2-1991 filed on behalf of the management was disposed off by my Learned Predecessor. It is mentioned therein that the management wanted to examine the Enquiry Officer as a witness and he be summoned. The order came to be passed on this application and for the reasons stated therein the application came to be disposed off. It is therefore, evident that the challenge to the fairness of the enquiry was given up and it appears to have been conceded that the enquiry was fair. I also find from the papers of enquiry produced that the delinquent workman was given a chargesheet and adequate opportunity to defend himself at the enquiry. He was represented by a defence counsel of his choice and the defence counsel has taken pains to put up delinquent employee's case before the Enquiry Officer. In view of all this, I would say that the enquiry was fair and proper.

7. The learned counsel for the delinquent employee then submitted that the findings of the Enquiry Officer were not justified in view of the material on record. He also relied upon a Judgment of the Bombay High Court in the case between Bhavani Metal Works Vs. Pandurang R. Sawant and Others, Writ Petition No. 2749 of 1987, decided on November 23, 1990. Therein the Learned Judge found fault with the Labour Court for not raising proper issues and remanded the matter. The Learned Judge was of the view that the Tribunal is not merely entitled but is duty bound to examine the question as to whether the workman is guilty of misconduct imputed to him or not by reappraising the evidence which was before the Enquiry Officer and the evidence before it. In this view of the matter, the issue that should have been framed to cover this aspect of the matter was "Whether the finding of misconduct is justified by the evidence led during the course of the enquiry or before the Tribunal?" Since that was not done the matter came to be remanded for a finding on that issue. The same view is expressed in Judgment in another Writ Petition No.

2973 of 1987 with Writ Petition No. 972 of 1988, decided on the same day in the case between E. Merck (I) Ltd., Bombay Vs. V. N. Parulekar and Others, reported in 1991, II CLR, Page 73.

8. The submission therefore is that this Tribunal should reappraise the evidence and see whether the findings recorded by the Enquiry Officer are correct.

9. I find that the Enquiry Officer had before him, the evidence of M/s. Bhaduri, Sainathan, Suvarna. Mr. Bhaduri's evidence is directly on the point of refusal by Shri Dordi to carry out the work assigned to him and he stated that he declined to do the work on same pretext, after he had given him time for lunch and also permitted to hire autorickshaw from Andheri station to the factory and even after the manager directed him to carry out the work he put in an application for half day's leave and left office without waiting for the sanction of leave. It appears that the said evidence was corroborated by witnesses examined on behalf of the management. After the cross-examination of these witnesses and after the evidence of the delinquent was recorded, the Enquiry Officer accepted the management's case and concluded that the misconduct was proved. In my view, it is difficult to say that the findings of the Enquiry Officer are not justified on the material on record. The report of the Enquiry Officer clearly goes to show that he has considered all the aspects of the matter and thereafter concluded against the delinquent. It is stated that the witness Sainathan examined did not fully corroborate Bhaduri's evidence. I do not think the main case of the management that Shri Dordi, delinquent employee declined to carry out the order suffers on that ground. The fact that the tone of Shri Dordi is generally high or that he did not use abusive words, did not use insolent word would not affect that main case for which he was chargesheeted. Even after therefore, reappraisal of the evidence adduced on behalf of the management it is not possible for me to say that the charge levelled against him has not been established.

10. His appeal has also been considered by the management and the same has been rejected.

11. The point that has been urged then is that the punishment is rather harsh and this Tribunal should exercise its powers under Section 11(A). The management has considered the gravity of this offence and past record of the delinquent before imposing penalty. It appears that Shri Dordi is not having a satisfactory past record. The management adduced material in the enquiry proceedings and which was objected to on behalf of the delinquent to show that he had an unsatisfactory past record. Objection was overruled by the Enquiry Officer on the ground that rendered management's version on the present charge highly probable. It appears that members of the Transport and Dock Workers' Union have themselves complained about misbehaviour of Shri Dordi and that letter is dated 2-8-1988. Warning was given to him. It is against the background that the management had to consider the present misconduct with which he was charged before finding out appropriate punishment. This present act of misconduct as established on record consisted of the adamant attitude of the delinquent workman. It appears that his case was that since the time he arrived he was deputed to do work and continued to work till 3.10 p.m. He could not even have a lunch break and therefore when he was told to go to Andheri he could not carry out that assignment and promised to do it the next day before 10.30 a.m. His grievance was that it was also impossible to reach that place at Andheri before the closing hours of that Company and therefore, he pleaded with Mr. Bhaduri not to ask him to carry out this work on that day. There is dispute on the point as to what he had done during the early part of the day. It is not necessary to find out whether he did or he did not carry out all that he had said he did in the morning session. Fact remains when he was asked to go to Andheri he was not in a frame of mind to carry out that direction. He pleaded that he had not taken lunch and he was told that he can take lunch and then go and he contended that he would not reach before closing hours of that firm and Shri Bhaduri authorised him to go in autorickshaw from

Andheri Station. He was also told by Chief Executive Capt. Diwakar Prasad to whom the matter was referred to go and do the work and thereafter it appears by way pretext of not feeling well he made an application for half day's leave and went away. It is rather difficult to countenance such approach of an employee. If it was not possible for him to reach he could as well have gone on the direction of orders of his superiors. The management therefore, considering the past record thought it fit to impose extreme penalty of dismissal. The management has produced at Exh. M-18, letter dated 7-8-1987, which is a letter of apology of Shri Dordi, for the incident which took place on 26-7-1987. Exh. M-19, dated 1st October, 1987 was a result of an enquiry into the charge dated 4-7-1987 which makes a reference to this letter of apology dated 7-8-1987 and says that he was given a warning that incidents of misconduct should not be repeated. Letter dated 2-8-1988, Exh. M-20, his application to the Chairman by the Staff Members, copy of which is also forwarded to the Secretary, Transport and Dock Workers' Union and it is evident from the letter addressed to Shri Dordi by the Chief Executive on 6-10-1988 that he was warned. In respect of the letter dated 2-8-1988 from the members of the staff who also were the members of the same union that has espoused the cause of Shri Dordi. In my view it is rather difficult to say that the order of dismissal is not justified and to interfere with the same, I may mention here that on behalf of the delinquent workman a decision in the case between Kashinath Laxman Gawali Datta Prasad Vs. The General Manager Hindustan Aeronautics Ltd. and others, reported in 1991, II CLR 228 is referred to and relied upon. Therein it appears that the misconduct consisted of absenting from duty inspite of leave sought being refused. It was held to be a minor or technical misconduct and punishment of dismissal was held shockingly disproportionate. It is found from the Judgment that the past leave record of the petitioner was not "so bad" that he should have been visited extreme penalty of dismissal from the service. The facts found show that he had to remain absent from duty mainly due to his illness and found that he had reasons to be away from duty. The facts in the instant case before me are distinct as would be clear from what has been stated above.

Action is dismissal is justified and workman is not entitled any relief.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2421—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भैसर्स सिमकन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं.-1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-08-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31011/7/89-आईआर (मिसलेनियस)]

बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2421.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Seascan Services Pvt. Ltd. Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-8-1994.

[No. L-31011/7/89-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.1, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-25 of 1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Seasean Services Pvt. Ltd., Bombay

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri K. M. Naik.

For the Workman—Shri Jayaprakash Sawani.

INDUSTRY : Ports and Docks STATE : Maharashtra

Bombay, the 12th day of August, 1994

AWARD

The following reference made under Section 10(1)(d), read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947, by Government of India, Ministry of Labour, by letter dated 28-6-1989.

"Whether the action of the management of M/s. Seasean Services Pvt. Ltd., Bombay, in terminating the services of S/Shri Hiralal M. Dhal, Harishchandra S. Yadav and Dilip Gaikwad, w.e.f. 14-9-1987, 28-9-1987 and 20-9-1987 respectively, is legal and justified? If not, what relief are these workman entitled to?"

2. They were working in the capacity of Tally Clerks for the employer w.e.f. 1-9-1985, 12-4-1986 and 20-3-1986 respectively. They were in continuous employment. However, they were refused employment from 14-9-1987, 28-9-1987 and 20-9-1987 respectively without assigning reasons and without complying with legal provisions. This, states the Union, was illegal and unjustified. This action of the management is capricious, arbitrary and vindictive. It is void ab-initio. Therefore, they wanted reinstatement with back wages, consequential benefits and compensation.

3. Written statement has been filed. It is first contended that the State Government is the appropriate Government and not the Central Government and therefore the reference is not maintainable. It is then contended that the company is engaged in the profession as Surveyors, Superintendents, Samplers and Analysts, Marine and Technical Consultants and predominantly the Company renders services to its clients when so requisitioned. It is further contended that casual staff is engaged and it is paid daily wages for the number of days employed. The staff reports to the office of the Company and enquires if there is any work available for them. It is further contended that the present employees about whom grievance is made did not report for work and therefore not employed and it was not true to say that their services were terminated. In fact the dates of alleged termination are disputed because it is contended that they had worked for some days in October also.

4. Affidavits have been filed and those who filed affidavits have been cross examined.

5. First contention is that the Central Government is not an appropriate Government to make a reference and therefore, this reference is incompetent and liable to be rejected on that ground. It is submitted that a reference bearing No. 1/57 of 1987 has been disposed of by this Tribunal (by

Mr. Justice Khatri) by award dated 1st May 1991. There the parties were same as are in the present dispute. The Tribunal has accepted the contention of the management that Central Government is not the appropriate Government. It is between the same parties and therefore, the contention is that it is no longer open to the employees to contend not for this Tribunal to hold that Central Government is not the appropriate Government. I find that a copy of the award passed on 1-5-1991 in reference No. 1/57 of 1987 is produced on record and it does show that the Learned Presiding Officer found that the Company's objection had sound foundation in fact and the industrial dispute cannot be said to be one concerning a Major Port, it would fall under Section 2-A of the Act and therefore, the State Government was the appropriate Government and the Central Government had no power and jurisdiction to make a reference. So holding the Learned Presiding Officer rejected in limine as incompetent that reference leaving parties to bear their costs. In this position I find that the present reference bearing No. CGIT-25 of 1989 will have to be also held as incompetent since the same has been made by the Central Government.

6. In spite of this I would deal with the case of the workman on merits to complete the record.

7. In the statement of claim filed by the Union, it states that they worked till 14-9-1987, 28-9-1987 and 20-9-1987 from 1-9-1985, 12-4-1986 and 20-3-1986. It is on the days they ceased to work they were refused employment by the employer without assigning valid reason and without complying with legal provisions. It appears that the contention is that the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act have not been complied with.

8. The management has contended that the Company engaged them as casual employees and they used to come and enquire everyday as to whether there was work for them and were employed as and when work was available. It is also contended that their services were not terminated but it is they who stopped coming for work. In this connection there is oral evidence adduced in the form of affidavits on either side and the affidants have been cross examined. The workman did state in their affidavits that they were refused work on the respective dates mentioned in the statement of claim. Shri Yadav states that he was refused work by the employer from 28-9-1987. In the course of his cross-examination he admitted that he is in the employment of Erickson and Richards that is for about 1 1/2-2 years and their he is doing the work of tallying the Cargo. He also, goes everyday to see if the work is available and if it is available gets it. He admits that Seasean Services Pvt. Ltd. is doing similar type of business as is done by Erickson and Richards. He used to go to Seasean Services everyday and asked for work. The management's suggestion was he voluntarily ceased to work and placed reliance upon the register for payment to show that this workman worked even in October 1987 and his case that he was declined work on 28-9-1987 was totally false. The witness has admitted his signature in the cross-examination on Exh M-7. That shows he has been paid for wages in the month of October 1987. It appears that in October 1987 he applied for a job on Erickson and Richards and having got that job started working with them. There is a letter on record from Erickson and Richards showing that he had applied for job on 13-10-1987 and was employed with effect from 1-11-1987. That letter is dated 29-7-1988 at serial No. 4 with list dated 9-11-1990. In my opinion therefore, the contention that he was refused work when he went on 28-9-1987 is not borne out by the material on record and on the contrary there is material to show that he was given work even in October 1987.

9. The case of Shri Dilip Gaikwad is similar to that of Yadav and he also has worked as can be seen from Exh. M-7 in October 1987. In his letter addressed to the management in 9-11-1987 he states that his Dock Entry Pass was taken away on 8th October 1987 and refused employment without assigning valid reasons. That means he was in the employment even after 20-9-1987 and was paid for the work again in October 1987. He has also admitted that he required to go everyday for enquiry if work was available and was getting work whenever it was available. The position of Shri Dhal

is not different. He says he was refused employment on 14-9-1987. He has been paid for work done in October, 1987 as can be seen from Exh. M-7.

10. Shri Wagle has filed his affidavit on behalf of the management and he stated that these workmen have worked in October 1987 and supported his evidence by the documents. He was cross-examined on behalf of the union. However, I do not find that any material has been elicited justifying rejection of his evidence. Considered from any angle it appears to me that the case that their services were terminated on the dates mentioned in the schedule to the reference is not born out by the record and it appears to me that they were casual employees and were engaged on work as and when the work was available and not given work if it was not available. The management employed them even in October 1987 subsequent to the dates of alleged termination. One of them is found to have applied for employment in October 1987 and employed with effect from 1-11-1987. The evidence that they stopped coming for work in 1987 appears to be probable in the circumstances. I therefore, find that even on merits the workmen did not have a case. In the circumstances, award accordingly made.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1994

का.आ. 2422 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार म/स डी.बि.सि. एंड सन्स (गुज) प्राइवेट लिमिटेड, बम्बे के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं.-1, बम्बे, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-08-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-31012/4/89-आई आर (मिसलेनियस)]

बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. — In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. D.B.C. & Sons (Guj) Pvt. Ltd., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-8-1994.

[No. L-31012/4/89-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, Bombay

PRESENT :

Shri Justice R.G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-31 of 1989

PARTIES:

Employers in relation to the management of M/s. Darabshwa B. Cursetjee's Sons (Gujarat) Pvt. Ltd. Bombay.

2005 GI/94-9

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management : Shri Patel, Advocate

For the Workmen : Shri Wagh. Advocate.

INDUSTRY : Ports & Docks STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 9th day of August, 1994

AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, by letter dated 26-7-1989, made following reference under section 10(1)(d) read with sub-section 2A of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication.

"Whether the action of the management of M/s. Darabshwa B. Cursetjee's Sons (Gujarat) Pvt. Ltd., Bombay in terminating the services of Shri K. V. Thakkar, Accounts Assistant w.c.f. February, 1988 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

2. Shri Thakkar was working as an Accounts Assistant, in the employer's Company hereinafter referred to as D.B.C.) from 10-2-1987. On 26-2-1988, his services came to be terminated and about this termination of his services Shri Thakkar made a grievance resulting in the present reference.

3. According to him he worked right from 10-2-1987 to 26-2-1988, that is for more than a year. By letter dated 23-2-1988 he was offered a permanent appointment on the terms and conditions mentioned therein. That appointment was of Accounts Executive. The letter dated 23-2-1988 was followed by another letter dated 26-2-1988 which put an end to services and according to the workman it was done without following due process of law. He states that this termination was on the ground that he declined to accept the higher post offered to him and that was not true.

4. The management has admitted that he was appointed on 10-2-1987, but it is the case of the management that it was a temporary appointment and it was continued at the instance of Shri Thakkar for a further period by letter dated 10-10-1987. It is on 23-2-1988 that he was offered a post on higher salary and which was of Accounts Executive but he declined to accept the same. The management did not have the post of Accounts Assistant on which he could have been continued and therefore, his services were terminated. The contention of the management is that the termination cannot be held as illegal and unjustified the workman is not entitled any relief.

5. There is no dispute on the point that he was appointed as an Accounts Assistant on 10-2-1987. The said letter is not on record but reference to that has been made in the letter dated 10-10-1987. That mentions that his services have been continued for a period of 6 months. It appears that on 6th October, 1987 workman had made a request for confirming him. Pursuant to that request he was given extension. While continuing as an Accounts Assistant he receives a letter dated 23-2-1988 informing that the management was pleased to appoint him as an Accounts Executive. In the Company with effect from 1-2-1988 at Head Office in Bombay on the terms and conditions mentioned therein. The salary offered was Rs. 1,200 and conveyance allowance of Rs. 200 in addition per month. He was also informed that his services were liable to be transferred any of the branch offices of the Company existing or which may be opened in future. The workman was informed on 26-2-1988 that since he did not agree to accept the appointment his services are terminated. The grievance of the workman is that he was considering offer made on 23-2-1988 and that was necessary because there was in fact no monetary benefit given and he was liable to be transferred in future. He says in his affidavit that it was necessary to give a thought to this aspect and consult members of his family. Without waiting for his reaction the management thought it fit to write to him a letter dated 26-2-1988. In fact it is evident from

the letter that it was ready on 25-2-1988 as can be seen from the typed date. He denied that he refused to accept Company's offer either orally or in writing. The witness examined on behalf of the management Mr. P. J. Dubash, a director of the Company, says that the workman raised apprehension that it deprived him of many legitimate benefits and rights like overtime, trade union membership, various allowances and other benefits to which other employees of his status as an Accounts Assistant would be entitled. I do not think here would be anything wrong if the arised certain apprehensions. His contention that he wanted some time to give a thought to this offer, in my opinion appears to be true and also justified. But the management's reaction was to terminate his services mentioning that he has not accepted that letter of appointment and orally declined to accept the same and therefore, noted that he was no longer interested in the employment and therefore, the same was withdrawn. It may be that the management may be right in coming to that conclusion and withdrawing that offer. However, the further part of the letter says that he was no longer interested in the job he should collect his dues immediately as he ceased to be in their temporary employment it is difficult to see how to management came to that conclusion. Besides in the evidence a different case has been made out. It is stated that work of Accounts Assistant was no longer required, but because of his entreaties and compassionate grounds, he was offered a position of Accounts Executive as the said post was available. This case was not made out and it is difficult to accept this particular version also. The management has produced a letter addressed to one Mr. Utgikar on 1-10-1987. By this letter, Utgikar was appointed as Accounts Assistant in the Company on probation for a period of 6 months extendable up to one year. He was told that he will be confirmed if his work was found satisfactory. He was confirmed in permanent cadre. It is thereafter, on 6-10-1987 that Shri Thakkar has requested for confirmation. It appears to have been done probably because of his appointment of Shri Utgikar as an Accounts Assistant. Therefore, the management did visualise availability of permanent post in which it was prepared to fit in Shri Utgikar a freshly appointed candidate as an Accounts Assistant. In the circumstances, contention that there was no work available and no post available in which Shri Thakkar could have been continued as an Accounts Assistant is devoid of substance. After receiving a letter dated 10-10-87, he was continued for a period of 6 months. That period ended on 10-4-1988. From this also it could be inferred that there was a post available, work available for an Accounts Assistant till 10-4-1988. In the circumstances, the justification that is now sought to be given at the stage of evidence that there was no post available or no work available and therefore, he was discontinued is also without substance, apart from the fact that reasons assigned in the letter dated 26-2-1988 is that Shri Thakkar was no longer interested in the job and therefore, he ceased to be in the employment of the Company. It is also to be noted that Shri Utgikar was by letter dated 17-6-1988 appointed as an Accounts Executive with effect from 1-1-1988. As stated earlier, Shri Utgikar was appointed Accounts Assistant on 1-10-1987. He was therefore available for appointment as an Accounts Executive to be filled in and therefore, given that offer to Shri Thakkar to be filled in and therefore, given that offer to Shri Thakkar on 23-2-1988. Be that as it may, I do not find that the case made out by the management for terminating the services of Shri Thakkar on the ground that he was no longer interested in the job is not correct. The case now made in the evidence that there was no work available for an Accounts Assistant is also not satisfactory established. It appears that the work that was done by the Accounts Assistant and Accounts Executive is not different. In the course of cross-examination Shri Dubash admits that as an Accounts Assistant his duty was to prepare vouchers, maintain cash book and ledger and he further stated that Accounts Executive helps in maintaining cash book and ledger and also looks to the queries of the audits. Even if that be not so, I am unable to agree with the submissions made on behalf of the management that the management was justified in issuing letter dated 26-2-1988 and in terminating the services of the employee Shri Thakkar. He is also entitled to full back wages with reinstatement. Reference answered and award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अगस्त 1994

का.आ. 2423. — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार म/स, तुलसिदास खिमजी प्राइवेट लिमिटेड, बम्बे, के प्रबन्धतत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं.-1, बम्बे के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31012/26/90-आईआर (विविध)]

बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 1994

S.O. 2423.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25-08-1994.

[No. L-31012/26//90-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

PRESENT:

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-73 of 1990

PARTIES:

Employers in relation to the management of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Management: Shri Ramrakhaini, Advocate.

For the Workman: Shri Wagh, Advocate.

INDUSTRY: Ports & Docks.

STATE: Maharashtra.

Bombay, dated the 1st day of August, 1994

AWARD

Shri Chimanlal H. Shah, hereinafter referred to as a workman was in the employment of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay, as a Senior Clerk for about 18 years. His services were terminated with effect from 7-2-1990 by order dated 7-2-1990. The workman states in his statement of claim that he was charged by letter dated 10-7-1989 for late reporting for duty during the month of October 1988 to June, 1989, which according to the Company amounted to a serious misconduct. He submitted his reply dated 13-7-1989, stating that, since he stayed at Borivali, a distant suburb of Bombay and his residence is away from Borivali Station from where he had to travel Bus to reach Borivali Railway Station and because of the non-punctual Bus service, and also irregular local Train service, in spite of his efforts to reach office in-time he some times reached late. He further stated that he was allergic to dust and got asthma attacks which some time resulted in late attendance. He therefore requested that he be transferred to Head Office of the

Company which was situated at Veer Nariman Road, Fort, Bombay, or at Andheri Office, which is situated on Sahar Road, Andheri (East), Bombay. This request for transfer was made because the godown of the Company where he was posted was at Carnac Bunder, Bombay. For reaching this place from Borivali he had to travel upto Dadar from Borivali by Western Railway and then change at Dadar to Central Railway for reaching the nearest Railway Station that is Masjid Bunder. As a result lot of time was required and lot of physical stamina involved for reaching his place of work. As against this for reaching Head Office or Andheri he could travel by Western Railway from Borivali to Churchgate and also to Andheri his place of work. For reaching Andheri he required only 20 minutes by local train. It is because of all this that he was unable to maintain time schedule of attendance and therefore, resulted in late attendance some times and hence request for transfer was made by him. The contention is that management however, did not accept his request and instead initiated domestic enquiry by appointing Shri Viren N. Bhatia, one of the Directors of the Company. Workman participated in the enquiry with his representative but he was held guilty of misconduct of coming late habitually.

2. A show cause notice was given after the receipt of the report of the Enquiry Officer and it was stated therein that the punishment warranted was of dismissal from service with immediate effect and the workman was called upon to show cause against that proposed penalty. His reply stating that the punishment proposed was harsh and that his conduct did not amount to major misconduct and that if imposed it will cause hardship to his entire family he prayed for lesser punishment. However, dismissal order was passed.

3. The workman, thereafter approached the union and the Union in turn approached the Asstt. Labour Commissioner, (Central), demanding reinstatement in service with full back wages and continuity of service. Failure report was sent to the Government of India, after conciliation failed.

4. Reference as mentioned in the schedule below has been made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by letter dated 28-9-1990.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Bombay in dismissing Shri Chimanlal H. Shah, Clerk from service w.e.f. 7-3-90 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

5. It has to be stated that workman conceded that the enquiry conducted was fair. The workman contended that the Enquiry Officer has failed to appreciate the evidence regarding the irregular running of local trains occasionally and the asthmatic condition of the workman which are the two main reasons for late attendance. The witness of the Company had stated that late attendance for three times is exempted, normally 15 to 20 minutes of grace period is fixed for attending duty. That is because of the conditions prevailing in big cities like Bombay. Dependability on public transport system, which is occasionally irregular. He contended that he had told the management that his late attendance was because of transport difficulties. The Company failed to produce evidence to show that it was not true nor produced any Standing Orders applicable to the workman. His conduct does not come within the mischief of 'misconduct'. His past record was not the issue raised in the chargesheet, was also not produced in the enquiry. The misconduct was not grave enough to attract this penalty nor has been so stated to be grave in the Standing Orders or in rules governing the conduct of the employees. He therefore, prays that he should be reinstated with back wages.

6. He has further stated that he had put in more than 18 years of service, was about 50 years of age. He admitted that he was late in attendance some time. The charge was not of dishonesty fraud or incompetency. Difficulties in getting a job at this age was not considered. He mentions that if the Company gives him an opportunity to work in its Head Office or at Andheri he will be able to attend duty

in time. Besides, he states that it would be a penalty imposed upon his family also.

7. Written statement is filed on behalf of the management and the preliminary contention raised is that the Central Government was not appropriate Government to make present reference and it was the State Government which was competent to make reference. It is further contended that the workman was guilty of habitual late attendance and the details are given. The contention is that this was not the only period during which he attended late but he had done so in the past and for which he was also punished. Besides, it is stated that he was held guilty of other acts of misconduct, negligence in work, wasting time in reading newspaper during working hours and using Company's typewriter for doing private work. It is because of his past conduct details of which are given in the written statement that the Competent Authority found it necessary to inflict the penalty.

8. It is further stated that he admitted that he attended his place of work late but tried to justify the same on certain ground which was not found satisfactory by the management and on receipt of the Enquiry Officer's report he was given show cause notice, why order of dismissal from services be not passed and after considering his reply which was unconvincing penalty was imposed. He was sent his dues which he did not accept. It is then contended the order does not call for interference and deserves to be upheld.

9. So far as his contention that it is not a case of major misconduct, the management contends that it is one under the Model Standing Orders and that deserved the penalty of dismissal. It is also in the alternative submitted that even otherwise habitual late attendance has been noticed in the case of workman and it would amount to a major misconduct.

10. The management has produced documents in support of its version. Following Issues have been framed on the contentions raised and they are set out below together with my findings:

ISSUES

FINDINGS

- | | |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| 1. Whether the present reference is incompetent since it is not made by the appropriate Government? | No. |
| 2. Whether the Enquiry Officer's findings with regard to the late attendance—perverse? | No. |
| 3. Whether this a misconduct? | Yes. |
| 4. Whether the penalty is disproportionate? | No |
| 5. What relief? | No relief. |

The first contention raised is that the Central Government is not the appropriate Government and therefore, the reference is not maintainable as it has been made by the Central Government. Mr. Wagh appearing on behalf of the workman, relied upon the decision between Tulsidas Khimji (which is present employer in the case before me) and Jeejabhav reported in 1961, 1 LLJ, page 42. There in that case the High Court of Bombay rejected the same contention of the management of Tulsidas Khimji. It has been held therein that Central Government was the appropriate Government in related dispute connected with retrenchment in the present case. The retrenchment was from the Godown Department and from the clearing and shipping department. It is not necessary, therefore, to deal with the said contention and I answer Issue No. 1 against the management.

11. The second point that has been raised is that the Enquiry Officer's findings with regard to late attendance are perverse. I am unable to accept this contention. I must mention at this stage that it is admitted in the statement of claim (para 9) by the workman that the enquiry conducted was fair. The Enquiry Officer had before him not only the admission of the workman that he attended late as alleged

by the management but he had before him the evidence adduced on behalf of the management. Mr. Bhat working in the Establishment Section, stated that he was maintaining the records and musters in the Establishment Section and explained the procedure adopted in the case of person coming late on more than three occasions in a month. According to him, that person got warning letter for the particular month. He further stated that the delinquent workman was coming late on more than three occasions in a month and this continued for several years. He produced several warning letters from April 1980 to June, 1989, out of which the Enquiry Officer exhibited four letters. He further stated that there are other employees of the Company who were residing at Borivali as well as beyond Borivali and yet come on scheduled time. He was given an opportunity to cross-examine Mr. Bhat and I do not think material has been elicited to look upon the evidence of Mr. Bhat with distrust. He himself has been residing at Kandivli and travelled by Western Railway to come to his place of work. He was not aware of any agitation of Motormen of Western Railway during the months from October 1988 to January 1989. It is in his further submission that he tried to assign reasons for his late attendance and circuitous route and the long time that was required to travel before he could come to his office at Carnac Bunder. He also stated that he is suffering from asthma and because of dust he gets his asthma aggravated. Lastly, however, he stated that he was sorry for the late attendance and assured that he will be punctual in future and requested for lenient view. He was also asked questions and the answers given do not help him much. In fact, I therefore, find that the findings recorded by the Enquiry Officer on the basis of the material are thoroughly justified and could not be styled as perverse.

12. The learned counsel for the workman submitted that in view of the peculiar features the management ought not to have taken this step of holding Departmental Enquiry and punishing him and submission is that workman's request for transfer to Head Office or Andheri ought to have been granted. It is difficult to accept this submissions. Exigencies may require a particular employee to be at a particular place and it will be difficult to maintain the functioning of the work demand of the workman is required to be accepted. Other employees have been managing attendance in office in time and difficulties that are encountered by the workman do not appear to have been experienced by other employees or appear to have been overcome. One has to remember that this was not the first lapse on the part of the delinquent workman. He was required to be dealt with in the past and the Competent Authority had taken into account not only gravity of this lapse but also the past record and I do not think one could say that the step was unjustified in the given circumstances. Findings therefore, on issue No. 2 is recorded accordingly.

13. It was then contended that this is not a misconduct envisaged by service conditions. I may make a reference to Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946, Schedule I, Clause 14, which says that if a workman is found to be guilty of misconduct he can be dismissed and in sub clause 3 at (f) habitual late attendance is mentioned as one of the misconducts for which penalty of dismissal could be given. It is therefore, futile to contend that it is not a case of misconduct. Even otherwise as has been rightly contended by management late attendance as evidenced by the record could hardly be said to be not a case of misconduct. Finding on Issue No. 3 is accordingly recorded.

14. Point that then arises is whether the penalty is harsh or disproportionate. The penalty is within the discretion of the management. It has to be no doubt proportionate to the gravity of the charge and also in keeping with past record of the delinquent. Here, in this case before me, I find that the management noted that he attended late between October 1988 to June 1989 on several occasions. It is for this reason that he was given chargesheet dated July 10, 1989 mentioning the number of occasions he remained attended late in the months of October 1988, November, 1988 December 1988, and thereafter January to June, 1989. He did not dispute the fact of late attendance in his explanation dated 13-7-1989 but tried to explain the circumstances

under which he attended office late. He requested management to consider his case on humanitarian grounds. He also requested the management to transfer him to Head Office or Andheri Office. Now management has also produced warning issued to him from time to time for attending late and they are to be found in the papers produced on behalf of the management and which are not disputed. The Competent Authority, therefore, thought it fit to impose penalty of dismissal and had given him, show cause notice which was replied by the delinquent on 18-1-1990 which is produced and he did not therein dispute the findings of the Enquiry Committee but pleaded for leniency on the ground that it was a case of minor misconduct. The Competent Authority did not agree with this request of the delinquent and referred to his past record ranging from 1979 till then and thought it fit to impose the penalty of dismissal. I am unable to agree with the submission that the penalty is disproportionate. I therefore, find Issue No. 4 accordingly.

15. I in the end find that the order of dismissal cannot be faulted and the reference will have to be therefore, rejected by holding that the penalty is not shown to be unjustified. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1994

का.आ. 2124 ---औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत कोकिंग कोल लि. की सालनपुर कोलियरी के प्रबन्धन के संवद्ध नियोजका और उनके कर्मचारों के बीच, अन्तर्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 1) धनवाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20025(10)/92-आई.आर. (कोल-1)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1994

S.O. 2424.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Disputes between the employees in relation to the management of Salanpur Colliery of M/s. B.C.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 17-8-94.

[No. L-20025(10)/92.IR(Coal-I)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d)

(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 36 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Salanpur Colliery of Katras Area No. IV of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

New Delhi, the 26th August, 1994

Their Workmen

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 25th July, 1994

AWARD

By Order No. L-20025(10)/92-IR(Coal-I) dated, the 22nd April, 1992, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the demand of Bihar Colliery Mazdoor Sabha for employment of the widow of late Shibalal Kamar, Ex-Fitter of Salanpur Colliery is justified? If so, to what relief is the widow entitled?”

2. In this case the sponsoring Union has not been appearing since 12-4-1993. Earlier its lawyer was Shri J. B. Lall, Advocate who has, reportedly, expired.

3. Then by order dated 4-2-1994, a registered notice was issued to the sponsoring Union on 16-2-94 for appearance on 11-4-1994. On that date also none appeared. Then a chance was again given, but none appeared even on 5-7-1994.

4. It appears that the sponsoring Union has lost interest in the case or that now it has no dispute to get adjudicated. In the circumstances I am constrained to render a “no dispute” award.

5. Therefore, a “no dispute” award is rendered in the present case.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1994

का. प्रा. 2425.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत कोकिंग कोल लि. की पथरदीह कोलियरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012(64)/88 डी 4(ए)/आई.आर (कोल-I)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

S.O. 2525.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal Dhanbad (No. 1) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Patherdih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-8-94.

[No. L-20012/64/88.D.IV(A)|IR(COAL-I)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 34 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Patherdih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen : Shri B. N. Singh, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor, Sangh.

STATE : Bihar.

INDUSTRIAL : Coal.

Dated, the 8th August, 1994

AWARD

By Order No. L-20012/64/88.D. IV(A)|R.R. (Coal-I) dated 21-4-92, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Patherdih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in not correcting the date of birth of Shri Hare Krishna Pandey, Weigh Bridge Clerk as 19-10-1937 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The order of the reference was received in this Tribunal on 4-5-92. Thereafter notices were issued to the parties. Subsequently both the parties filed their respective written statements. The management also filed some items of documents. Thereafter the case was fixed for hearing. Subsequently Sri B. N. Singh, authorised representative of the Union, appeared on 4-8-94 and submitted that the concerned workman had expired.

In this regard the photo copy of death certificate and the affidavit by the widow have been filed. Sri Singh submitted in view of the death of the concerned workman there remained no dispute. Both the sides agreed that under the circumstances a "no dispute" award may be rendered in this case.

3. Therefore, I render a "No Dispute" Award in the present reference.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1994

का.शा. 2426.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. सेन्ट्रल कोल वि. की स्वांग वाशरी के प्रबन्धन के संयुक्त नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 17-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20012(85)/90 आई.आर. (कोल I)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1994

S.O. 2426.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Swang Washery of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-8-94.

[No. L-20012(85)/90-IR(COAL-I)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of an application under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 187 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sawang Washery of C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen : Shri J. P. Singh, Advocate
STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, the 25th July, 1994

AWARD

By Order No. L-20012(85)/90-I. R. (Coal-I) dated, the 20th August, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Swang Washery of C.C. Ltd., P.O. Sawang, Dist. Giridih by dismissing from service of Shri Rajnandan Singh LDC and not making payment of his wages to be paid for the month of August '88 & onwards is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

It will appear that on behalf of the management an application dated 12-7-1991 was filed praying therein to render a "no dispute" award since the punishment of dismissal was withdrawn by the management and the concerned workman was reinstated in service after giving him some minor punishment, i.e., demotion in rank, in which post the workman had already joined. On 30-6-94 when the matter was taken up for hearing this petition filed before my learned predecessor was pointed out. At this Sri J. P. Singh, Advocate, representing the workman submitted that his apprehension was that once a "no dispute" award was passed, the management might cancel its order of withdrawal of dismissal. Sri R. C. Murthy, learned Advocate for the management at this assured on behalf of the management that there was no question of enforcing the order of dismissal which was already withdrawn. At such assurance Sri Singh submitted that then the sponsoring Union had no dispute with the management and a "no dispute" award may be rendered.

3. Under this circumstances I hereby render "no dispute" award.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

का.शा. 2427.—जबकि दिल्ली परिवहन निगम जो, केन्द्रीय सरकार का एक उपक्रम है, ने उपदान संदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 5 की उप-धारा (2) के अंतर्गत छूट दिये जाने हेतु आवेदन किया है;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि केन्द्राय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अंतर्गत दिल्ली परिवहन निगम के नियमित कर्मचारियों को देय उपदान के लाभ, उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त लाभ से कम लाभकारी नहीं हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रतिष्ठान के उन नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के उपबंधों के प्रचालन से छूट प्रदान करती है जो केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अंतर्गत उपदान के लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र हैं।

[फा. सं. एस. 4201/4/91-एस. एस. II]

जे. पी. शुक्ला, अवसर सचिव

New Delhi, the 30th August, 1994

S.O. 2427.—Whereas the Delhi Transport Corporation, an undertaking of the Central Government, has applied for exemption under sub-section (2) of section 5 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas in the opinion of the Central Government, the benefits of gratuity payable to the regular employees of the Delhi Transport Corporation under the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972, are not less favourable than the benefits conferred under the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the said Act, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment who are entitled to the benefits of gratuity under the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 from the operation of the provisions of the said Act.

[F. No. S-42014/4/91-SS.II]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1994

का.आ. 2428.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा 1-10-1994 को उस तारीख के रूप में नियत करता है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध असम राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला मरीगांव में मौकजा एवं तालुक गोवा के राजस्व ग्राम जागोरोइ राजस्व टाउन, नौबला ग्रंट, घुनुसा, तघोरिया, पश्चिम नौगांव एवं कोरकट बस्ती के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

[संख्या एस-38013/13/94-एस. एस. -I]

जे. पी. शुक्ला, अवसर सचिव

New Delhi, the 31st August, 1994

S.O. 2428.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1-10-1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Assam, namely:—

“Areas comprising the Revenue villages of Jagi-road Revenue Town, Nowkhala Grant, Ghunusa, Teghoria, Paschim Nowgaon and Korkat Basti in Mouza & Taluka Gova in District Marigaon.”

[No. S-38013/13/94 S.S.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

